@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 27 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 352 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

गुजरात में टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात का दौरा करेंगे, जहां वह अपने स्पेन के समकक्ष पेड्रो सांचेज के साथ मिलकर टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करेंगे। यह कॉम्प्लेक्स सी-295 विमान के निर्माण के लिए बनाया गया है। इस कॉम्प्लेक्स को टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएसीएल) के परिसर में बनाया गया है। सी-295 परियोजना के तहत 56 विमानों का निर्माण किया जाएगा, जिसमें से 16 विमान एयरबस के जरिए सीधे स्पेन से प्रदान किए जाएंगे।

जबकि शेष 40 विमानों का निर्माण भारत में किया जाएगा। टीएसीएल इन 40 विमानों के निर्माण के लिए जिम्मेदार है। यह सुविधा भारत में सैन्य विमानों के लिए पहील निजी क्षेत्र की फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) होगी। इस प्रक्रिया में विमान के निर्माण से लेकर असेंबली, परीक्षण और उसे सक्षम बनाने से लेकर डिलीवरी व रखरखाव तक के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का विकास शामिल होगा। टाटा के अलावा इस परियोजना में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड जैसी प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां भी योगदान देंगी। साथ ही इसमें निजी एमएसएमई भी शामिल होंगे। अक्तूबर 2022 में प्रधानमंत्री ने वडोरा में फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) की आधारशिला रखी थी।

केजरीवाल को मारने की साजिश रच रही भाजपा: संजय सिंह

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। विकासपुरी में पदयात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पर हमला बोला है। आप नेताओं का आरोप है कि हमला करने वाले भाजपा के लोग हैं। इसमें मुख्य आरोपी भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित सहरावत है। आप का दावा है कि आरोपी की फोटो सोशल मीडिया में गृहमंत्री अमित शाह के साथ है। वहीं, दूसरा आरोपी भाजपा युवा मोर्चा का महामंत्री अरुण ध्राल है। आप सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि केजरीवाल से चुनाव न जीतने पर भाजपा ने अब उन्हें खत्म करने का रास्ता चुना है। इस वजह से उन्हें ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग कर जेल में डाला था। उनकी इंसुलिन रोकी, अब जान की दुश्मन बन गई है। भाजपा खुलेआम धमकी दे रही है। संजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस हमलावरों के सामने हाथ जोड़े खड़ी थी। शनिवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि भाजपा द्वेष और हिंसा की राजनीति में इस कदर आगे बढ़ चुकी है कि अब केजरीवाल की जान लेने पर अमादा है। आप और केजरीवाल की राजनीति को खत्म करने का यह कोई पहला प्रयास नहीं है। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि जहां जाएंगे, वहीं हमला करेंगे। संजय सिंह ने दावा किया कि शुक्रवार को विकासपुरी में जो हुआ उसमें पुलिस की मिलीभगत सामने आ रही है।

केजरीवाल पर हमला करने के बाद इन लोगों का मनोबल इतना बढ़ा है कि ये लोग वीडियो में खुलेआम कह रहे हैं कि जहां भी केजरीवाल जाएंगे, वहां उनके ऊपर हमले होंगे। सिंह ने कहा कि केजरीवाल को एक खरोंच भी लगती है या कुछ भी होता है तो इसके लिए जनता अपना बदला लेगी। उन्होंने कहा कि आप का अभियान जारी रहेगा, वह रुकेगा नहीं। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जो पार्टी चुनाव हार रही होती है वो दूसरी पार्टी के नेता पर हमला करवाती है। भाजपा को केजरीवाल पर हमले की आलोचना करनी चाहिए थी लेकिन विजेंद्र गुप्ता और वीरेंद्र सचदेवा इसे सही ठहरा रहे हैं। ये जिन दो भाजपा के लोगों ने केजरीवाल पर हमला करने के बाद नाच रहे थे वो भाजपा की तरफ से पार्षद का चुनाव हार चुके हैं। आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा अरविंद केजरीवाल और उनकी राजनीति को रोक नहीं सकती। उन्होंने हरसंभव कोशिश की, लेकिन उन्हें रोक नहीं पाए, इसलिए बीजेपी अब केजरीवाल जी को रास्ते से हटाना चाहती है। कल भाजपा ने अपने दो गुंडे पदाधिकारियों को काम पर लगाया और उन्हें अरविंद केजरीवाल जी पर हमला करने के लिए कहा। भाजपा और उसके कार्यकर्ताओं को खुद पर शर्म आनी चाहिए।

गैर उपयोगी पदों की जरूरत के हिसाब से कर रहे भर्तियां: सीएम सुक्खू

नरेश मल्होत्रा

शिमला, 26 अक्टूबर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि गैर उपयोगी पदों की जगह आज की जरूरत के हिसाब की भर्तियां की जाएंगी। बजट तैयार करने के लिए सभी विभागों से पुराने रिक्त पदों की जगह नए सृजित करने के प्रस्ताव मांगे हैं। भाजपा नेताओं पर भ्रामक प्रचार का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दो साल में सरकार ने 19,103 भर्तियां की हैं। रिक्त पदों के लिए हर साल बजट जारी हो रहा था, अब नए पदों पर राशि खर्च की जाएगी। व्यवस्था परिवर्तन के तहत यह फैसला लिया गया है। शनिवार सुबह ओकओवर शिमला में प्रेसवार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए वचनबद्ध है। विभिन्न विभागों में ऐसे अनेक पद हैं जो कई वर्षों से कार्यशील नहीं हैं। उन पदों का वर्तमान आवश्यकताओं के आधार पर पदनाम बदला जा रहा है। क्लर्क, टाईपिस्ट के स्थान पर जेओए आईटी के पद सृजित कर भरे जा रहे हैं। ये पद खत्म नहीं किए जा रहे हैं। विभिन्न औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद उनका पदनाम बदला जा रहा है। इस संबंध में वित्त विभाग की ओर से 23 अक्तूबर को विभिन्न विभागों को एक पत्र भी जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में जो पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं और जिनकी कोई प्रासंगिकता नहीं है, उनकी जगह नए पद सृजित किए जा रहे हैं। जिन पदों की प्रासंगिकता नहीं है, विभाग उन्हें अपनी बजट बुक में शामिल रखते हैं और उनके आधार पर बजट संबंधी जरूरतों का आकलन कर प्रस्ताव सरकार को भेजते हैं। वित्त विभाग ऐसे पदों की समीक्षा कर उनके स्थान पर वर्तमान आवश्यकता वाले पदों को सृजित करने संबंधित प्रस्ताव भेजता है, ताकि ऐसे पदों का समयबद्ध सृजन सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पदनाम बदलना और नए पद सृजित करना निरंतर चलने वाली विभागीय प्रक्रिया है जिसे समय-समय पर विभाग पूरा करते हैं।

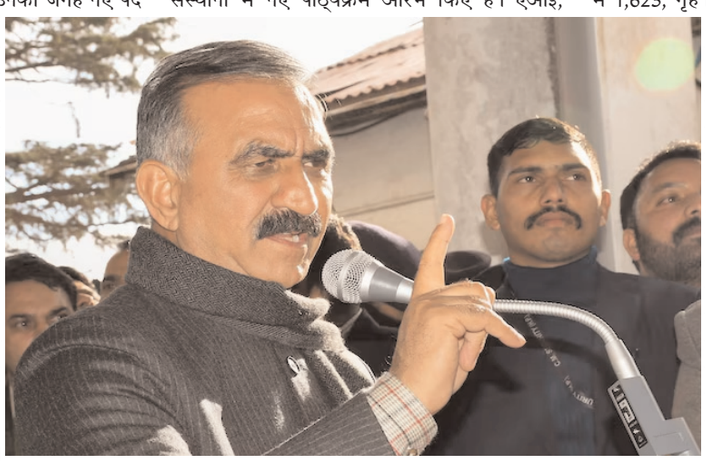

सरकार ने 22 माह के कार्यकाल में निरंतर भर्तियां की हैं और नए पद सृजित किए हैं। कई पोस्ट कोड के लंबित परीक्षा परिणाम घोषित कर युवाओं को नियुक्तियां प्रदान की गईं। सरकार आने वाले समय में भी जरूरत के आधार पर नए पदों का सृजन करने जा रही है। रोजगार सुनिश्चित करने के लिए शिक्षण संस्थानों में नए पाठ्यक्रम आरंभ किए हैं। एआई, डाटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंगज सहित विभिन्न क्षेत्रों में पदों का सृजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों में 2,511 पद सृजित किए गए हैं और 16,592 पद भरे जा रहे हैं। कुल 19103 पदों सहित अनेक पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। शिक्षा विभाग में 268, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 1,623, गृह विभाग में 442, जल शक्ति विभाग में 85, लोक निर्माण विभाग में 64 और राजस्व विभाग में 29 पद सृजित किए गए हैं। शिक्षा विभाग में 5861 पद, स्वास्थ्य विभाग में 1056, गृह विभाग में 1482, वन विभाग में 2266, जल शक्ति विभाग में 4701, लोक निर्माण विभाग में 299 और राजस्व विभाग में 927 पदों सहित अन्य विभागों में भी सैंकड़ों पद भरे जा रहे हैं। ग्रीन बोनस मामले पर सीएम ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हरे व सूखे पेड़ों के कटान पर पूरी तरह प्रतिबंध है। सीएम ने भाजपा सांसदों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका भी दायित्व बनता है कि पत्र लिखकर सरकार से हिमाचल के लिए ग्रीन बोनस की मांग कर सकते हैं। जो राज्य वन सरंक्षण ज्यादा करते हैं, उन राज्यों को ग्रीन बोनस देना चाहिए। वित्त आयोग को भी कुल कर का दो प्रतिशत जलवायु परिवर्तन और वन संरक्षण के लिए काम करने वाले राज्यों के लिए रखना चाहिए। इसलिए ग्रीन बोनस की मांग की है।

प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों के लिए चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की चुनावी पारी का आगाज हो गया है। उन्होंने हाल ही वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन भर दिया है। गौरतलब है कि बीते लोकसभा चुनावों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल की वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि उन्होंने बाद में रायबरेली की सीट अपने पास बरकरार रखी और वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया। जिसके कारण अब इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है।

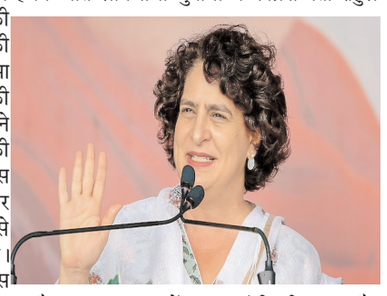

इस उपचुनाव में राहुल गांधी की बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दावेदारी पेश की है। अब यहां उपचुनाव से पहले प्रियंका गांधी ने वहां के लोगों के लिए एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने इस चिट्ठी में वायनाड के लोगों को अपना मार्गदर्शक और शिक्षक बताया। इस चिट्ठी को मलयालम और अंग्रेजी भाषा में लिखा गया है। प्रियंका गांधी ने अपनी चिट्ठी में लिखा, वायनाड के मेरे प्यारे भाइयों, बहनों आपके जनप्रतिनिधि के तौर पर मेरी इस यात्रा में आप लोग मेरे मार्गदर्शक और शिक्षक हैं। लोकतंत्र, न्याय, संविधान में प्रतिष्ठापित मूल्यों के लिए लड़ना मेरे जीवन का लक्ष्य है। यदि आप मुझे अपना सांसद बनाना चुनते हैं तो मैं आपकी बहुत आभारी रहूंगी। बता दें कि प्रियंका गांधी ने 23 अक्तूबर को वायनाड सीट से नामांकन दाखिल किया था।

चुनावी शपथपत्र में अपनी और पति रॉबर्ट वाड्रा की संपत्ति छिपाई: गौरव भाटिया

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। भाजपा ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका गांधी वाड्रा पर बड़ा आरोप लगाया है। भाजपा ने कहा कि प्रियंका गांधी ने अपने चुनावी शपथपत्र में अपनी और अपने पति रॉबर्ट वाड्रा की संपत्ति का पूरा खुलासा नहीं किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि प्रियंका गांधी ने अपनी और अपने पति की संपत्ति को छिपाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश सभी के लिए जरूरी है। गांधी परिवार कानून से ऊपर नहीं है। अगर कोई हलफनामे में गलत जानकारी देता है, तो उसे चुनाव लड़ने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कक प्रियंका गांधी के हलफनामे में कुछ ट्रस्टों के माध्यम से एसोसिएटेड जर्नल्स में शेयरों के उनके स्वामित्व का कोई जिक्र नहीं है। यह

जानकारी का खुलासा न करने के समान है। गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि हलफनामे में रॉबर्ट वाड्रा की तीन कंपनियों का जिक्र किया गया है। दो अन्य कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने दस्तावेजों के आधार पर यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को कानून का पालन करना होगा। इसे लेकर भाजपा आवश्यक कदम उठाएगी, क्योंकि वह संविधान का पालन करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार सोचता है कि वह कानून की अनदेखी कर सकता है और लोगों को बेवकूफ बना सकता है। उन्होंने कहा कि किसी को भी ऐसा भ्रम नहीं पालना चाहिए। वायनाड लोकसभा सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव होगा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को वायनाड सीट से नामांकन किया है।

एनसीपी शरद गुट ने जारी की 22 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

मुंबई, 26 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी शरद गुट ने दूसरी सूची जारी कर दी है। दूसरी सूची में 22 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया है। बीड से संदीप क्षीरसागर, नासिक पूर्व से गणेश गीते और पिंपरी से सुलक्षणा शीलवंत को टिकट दिया गया है। एनसीपी शरद के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि अब तक दो सूची में 67 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए गए हैं। सभी उम्मीदवार अपने क्षेत्र से जीत हासिल करेंगे। जयंत पाटिल ने कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे, इसमें कांटेंगे वाले शब्द का क्या मतलब है? महाराष्ट्र में न तो लोग बंटेंगे और कटेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों को पता है कि क्या काटना है? हम किसी को कटने और बंटने नहीं देंगे। महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे के मुद्दे पर जयंत पाटिल ने कहा कि अब कोई बैठक नहीं होनी है। सभी चर्चाएं फोन पर हो रहीं हैं। कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी सभी 90 सीटों पर लड़ रही हैं।

लापरवाही तभी मानी जाएगी जब डॉक्टर के पास योग्यता की कमी हो: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी डॉक्टर को लापरवाही के लिए तभी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जब उसके पास अपेक्षित योग्यता और कौशल न हो या उपचार के दौरान उचित विशेषज्ञता का इस्तेमाल करने में विफल हुआ हो। जस्टिस पीएस नरसिम्हा व जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि अगर चिकित्सा पेशेवर से अपेक्षित उचित देखभाल रोगी को दी गई हो, तो यह कार्रवाई योग्य लापरवाही का मामला नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के एक आदेश को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। एनसीडीआरसी ने अपने आदेश में एक डॉक्टर को लापरवाह माना था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनके नाबालिग बेटे की बाईं आंख में जन्मजात विकार का पता चला था, जिसके लिए एक छोटी सी सर्जरी की जरूरत थी। 1996 में चंडीगढ़ के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) में डॉ. नीरज सूद ने यह सर्जरी की थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनके बेटे में पाई गई शारीरिक विकृति को मामूली ऑपरेशन से ठीक किया जा सकता था। हालांकि, डॉक्टर ने प्रक्रिया में गड़बड़ी की, जिससे सर्जरी के बाद लड़के की हालत बिगड़ गई। इसलिए, शिकायतकर्ता ने डॉ. सूद और पीजीआईएमईआर के खिलाफ चिकित्सा लापरवाही का आरोप लगाया, जिसे राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने 2005 में खारिज कर दिया था।

वैश्विक दक्षिण के देशों का भारत पर भरोसा: जयशंकर

सौरभ शर्मा

पुणे, 26 अक्टूबर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भारत के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये देश किस तरह से अपने विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की मदद लेते हैं। जयशंकर ने तीन उदाहरण देते हुए बताया कि भारत ने किस तरह से इन देशों से समर्थन और भरोसा हासिल किया है। पुणे में एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए जयशंकर ने कहा, वैश्विक दक्षिण का मतलब क्या है? इसका मतलब उन देशों से है जो कभी उपनिवेश रहे हैं, जिन्होंने अपनी स्वतंत्रता हासिल की है या जो अभी विकासशील हैं। ये ज्यादातर निम्न आय वाले देश हैं। इन देशों का भारत पर उच्च स्तर का भरोसा व उम्मीद है और इसके कारण भी हैं। मैं आपको तीन उदाहरण दे सकता हूं। पहला, वैश्विक दक्षिण के लोगों को याद है कि कोविड-19 के दौरान जब विकसित देश टीकों का भंडारण कर रहे थे, तब कई देशों ने अपना पहला टीका भारत से लिया। भारत ने अपने लोगों को टीका लगाने के साथ-साथ दूसरे देशों को भी मदद की, जिसका वैश्विक स्तर पर गहरा भावनात्मक असर पड़ा। उन्होंने आगे कहा, दूसरा उदाहरण यूक्रेन का है और तीसरा जी-20 बैठक का है। अफ्रीकी संघ कई वर्षों से जी-20 में एक सीट चाहता था। हर बैठक के पहले दिन अफ्रीकी संघ से कहा जाता था कि चिंता मत करो, इस बैठक में हम आपके बारे में

सोचेंगे लेकिन अंतिम कुछ नहीं होता था। अफ्रीकी देशों का मानना है कि भारत में संवेदना है, भारत की प्रतिष्ठा है और आज भारत के पास एक आत्मविश्वास है। विदेश मंत्री ने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए हुए समझौते को सैन्य बल और प्रभावी कूटनीति का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता ऐसी परिस्थितियों में संभव जो जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। पुणे में छात्रों से बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन के बीच रिश्तों को सामान्य होने में अभी भी समय लगेगा, क्योंकि भरोसे और सहयोग की भावना होनी जरूरी है। उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी, तब यह तय किया गया था कि दोनों देशों के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मिलकर आगे की दिशा पर चर्चा करेंगे। जयशंकर ने कहा, अगर आज हम इस स्थिति में पहुंचे हैं, तो इसका एक कारण है कि हमने अपनी स्थिति पर डटे रहने और अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिए ठोस प्रयास किए। हमारी सेना एलएसी पर अत्यधिक कठिन परिस्थियों में देश की रक्षा कर रही थी और उन्होंने अपना दायित्व निभाया, जबकि कूटनीति ने भी अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में भारत ने अपनी सीमा पर बुनियादी ढांचे में सुधार किया है। उन्होंने कहा, पहले के वर्षों में सीमा पर बुनियादी ढांचे को वास्तव में नजरअंदाज किया गया था।

दोगुनी हुई एमबीबीएस सीटों की संख्या: सीएम योगी

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 26 अक्टूबर। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (ष्टरू ङ्घश्वद्द्ब) उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में केएमसी मेडिकल कॉलेज (पीपीपी) के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचें। यहां उन्होंने बताया कि राज्य में चिकित्सा शिक्षा को मजबूत किया जा रहा है, क्योंकि इस साल एमबीबीएस सीटों की संख्या दोगुनी हो गई है और 17 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय परिवर्तन पर की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए याद दिलाया कि कैसे गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज, जिसे कभी बीमार स्टेट कहा जाता था, आज प्रतिष्ठित एम्स गोरखपुर को कड़ी टक्कर दे रहा है। सभा को संबोधित करते हुए योगी बोले कि जब उन्होंने 2017 में पदभार संभाला था, तो राज्य में वेतन के लिए भी पर्याप्त धन की कमी थी, फिर भी टीम वर्क और सामूहिक समर्थन के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि आज तक उत्तर प्रदेश में 5.14 करोड़ वंचित व्यक्तियों को आयुष्मान भारत योजना का गोल्डन कार्ड मिला है। आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में एम्स की स्थापना के साथ ही कुशीनगर, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बहराइच, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, अयोध्या,

प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कभी केवल 18 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन आज 64 जिलों में स्वास्थ्य सेवा संस्थान स्थापित हो चुके हैं। शेष 6-7 जिलों के लिए नई नीति के साथ मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि हम एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज के संकल्प को पूरा करेंगे। पिछली सरकारों पर राज्य के तराई जिलों की उपेक्षा और अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजगंज जिला अब उपेक्षित नहीं है। आजादी के बाद से तराई के जिलों को लगातार उपेक्षा का सामना करना पड़ा है, जिसे अक्सर पिछली सरकारों द्वारा अनदेखा किया जाता था। आज के समय में महाराजगंज जिले को 940 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं मिली हैं, जो एक बड़ी प्रगति है। उन्होंने कहा, इन नए मेडिकल कॉलेजों तक अच्छी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवा कार्यबल को मजबूत करने के लिए पूरे राज्य में नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की आर्थिक शक्ति बन रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है।

भारत-चीन गश्ती समझौते से बना सकारात्मक माहौल: वीके सिंह

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह ने कहा है कि आंतरिक सुरक्षा सभी का मसला है। यह हमारा कर्तव्य है कि जिनसे हम संपर्क में आते हैं, उनके साथ इस जिम्मेदारी को साझा करें। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अगर हम किसी ऐसी स्थिति में हैं जो आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी है, तो हमारा अहंकार इसमें बाधा न बने, बल्कि हमें इतना लचीला होना चाहिए कि हम ऐसे समाधान निकाल सकें जो पूरे देश के लिए मददगार साबित हों। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह बातें शुक्रवार को चाणक्य रक्षा संवाद में कही। भारत-चीन सीमा पर गश्ती को लेकर हुए समझौते की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि इस फैसले के तौर-तरीके जमीनी स्तर पर काम कर रहे लोगों को तय करने चाहिए। उन्होंने इसे सकारात्मक कदम बताते हुए भारतीय राजनयिकों की तारीफ की, जिन्होंने काफी वक्त से लंबित इस समझौते को पूरा करने में योगदान दिया। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि समझौता सीमा पर सेना की मौजूदगी कम करने और गश्त के नियम बनाने को लेकर है। इसकी बारीकियों को अमलीजामा पहनाने में वक्त लगेगा। जनरल सिंह ने कहा कि भारत-चीन समझौते से एक सकारात्मक माहौल बना है। इससे दोनों देशों के नेताओं को ऐसे फैसले लेने में मदद मिलेगी जो दोनों के लिए फायदेमंद हों। उन्होंने बताया कि कई बैठकें होंगी और उसके बाद ही हम असल नतीजे देख पाएंगे। हालांकि, उन्हें विश्वास है कि इस सकारात्मक माहौल में दोनों पक्ष सार्थक बातचीत कर सकेंगे और आपसी फायदे वाले नतीजे पर पहुंच सकेंगे।

जेलेंस्की का दावा- जंग में रूस उतारेगा नॉर्थ कोरियाई सैनिक: इसी हफ्ते होगी तैनाती; पश्चिमी देश बोले- इससे जंग भड़केगी

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस अब जंग में नॉर्थ कोरिया के सैनिकों को उतारने की तैयारी में हैं। इन सैनिकों को इसी हफ्ते तैनात किया जाएगा। दूसरी तरफ पश्चिमी देशों ने इस कदम से जंग के भड़कने और इसका असर दूसरे क्षेत्रों खासतौर पर इंडो-पैसिफिक में होने की बात कही है।जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों ने जो जानकारी जुटाई है उसके मुताबिक नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रविवार से सोमवार के बीच जंग में भेजा जाएगा। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दावा किया कि नॉर्थ कोरिया ने रूस को 12 हजार सैनिक भेजे हैं। इनमें 500 अधिकारी और 3 जनरल शामिल हैं इससे पहले अमेरिका ने दावा किया था कि रूस में पहले से ही 3 हजार नॉर्थ कोरियाई सैनिक तैनात हैं। दावे के मुताबिक इन सैनिकों ने रूस के पूर्वी हिस्से में मौजूद सैन्य ठिकानों पर ट्रेनिंग दी गई है। पिछले हफ्ते 18 अक्टूबर को साउथ कोरिया ने भी दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने यूक्रेन जंग में रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे हैं। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसर ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

ट्रूडो ने कनाडा फर्स्ट नीति का ऐलान किया:विदेशी को नौकरी दी तो बताना होगा- काबिल लोग नहीं मिले

टोरंटो। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने 2025 से विदेशी अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। उन्होंने इसे 'कनाडा फर्स्ट' का नाम दिया है। ट्रूडो ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर बताया कि कंपनियों को नौकरी में अब कनाडाई नागरिकों को प्राथमिकता देनी होगी। कनाडा की कंपनियों को अब विदेशी कर्मचारियों को अस्थायी तौर पर नौकरी पर रखने से पहले ये बताना होगा कि उन्हें कनाडा का योग्य नागरिक नहीं मिला। ट्रूडो ने कहा कि यह निर्णय 'अस्थाई' है और कनाडा की आबादी में हो रहे इजाफे को रोकने के लिए लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रूडो सरकार के इस फैसले से प्रवासी और युवाओं के बीच बेरोजगारी बढ़ सकती है। भारतीय छात्र शॉपिंग मॉल, फूड स्टोर और रेस्त्रां में काम कर रहे हैं। कनाडा में 2023 में भारतीय अस्थाई वर्करों की संख्या सबसे ज्यादा थी। कुल 1.83 लाख अस्थाई कर्मचारियों में से 27 हजार भारतीय थे।ट्रूडो सरकार ने 2022 में कोरोना महामारी के बाद मजदूरों की कमी के चलते नए नियम बनाए थे। तब इसे अस्थाई विदेशी कर्मचारी कार्यक्रम नाम दिया गया। इसमें गैर-कनाडाई लोगों को रोजगार से जुड़े प्रतिबंधों में राहत दी गई। इसके अलावा उनकी सैलरी में भी इजाफा किया गया।

भारतीय हाई कमिश्नर बोले- कनाडा ने भारत को धोखा दिया

टोरंटो। कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर रहे संजय कुमार वर्मा ने कहा कि कनाडा ने भारत को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि कनाडा ने निज्जर की हत्या मामले में भारत को कोई भी सबूत नहीं दिया था। उन्होंने कि कनाडा ने भारत पर निज्जर हत्या मामले में जो आरोप लगाए थे, वो वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित थे। संजय कुमार वर्मा को हाल ही में केंद्र सरकार ने सुरक्षा कारणों के चलते कनाडा से वापस बुला लिया था। न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में वर्मा ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार लोकतंत्र होने के नाते किसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता है। उन्होंने बताया, कई खालिस्तानी आतंकी कनाडा के नागरिक हैं, जिनका राजनीतिक प्रभाव है। ये खालिस्तानी आतंकी भारत और कनाडा संबंधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वर्मा के मुताबिक ये आतंकी राजनीतिक दलों पर अपनी राय थोपते हैं।हाईकमीशनर वर्मा ने निज्जर की हत्या को लेकर उन पर लगाए आरोपों पर भी अपनी बात रखी। वर्मा ने इसे काफी दर्दनाक बताया। उन्होंने कहा- मैं वहां दोनों देशों के संबंधों को और बेहतर बनाने गया था। लेकिन मुझ पर आरोप लगाए गए, वो भी ऐसे गंदे आरोप जो मेरे देश की छवि को खराब कर सकते थे।

8 महीने बाद पृथ्वी पर लौटे चार अंतरिक्ष यात्री

एपी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर आठ महीने बिताने के बाद चार अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर वापस लौट आए। वे दो महीने पहले ही लौटने वाले थे। हालांकि, बोइंग स्टारलाइनर में समस्या और तूफान मिल्टन के कारण उन्हें लौटने में भी देरी हुई। क्रू सदस्यों को लेकर स्पेस एक्स को कैप्सूल मैक्सिको की खाड़ी में उतरा। इसमें तीन अमेरिकी और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री शामिल थे। स्पेसएक्स ने मार्च में चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा था। इनमें नासा के मैथ्यू डोमिनिक, माइकल बैरेट और जेनेट एप्स और रूस के अलेक्जेंडर ग्रीबेनकिन शामिल थे। बोइंग स्टारलाइन से आइएसएस पर गई सुनिता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर अगले वर्ष पृथ्वी पर वापसी करेंगे। वे आठ दिनों के लिए इस मिशन पर रवाना हुए थे, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण अबतक वापस नहीं लौट पाए हैं। अंतरिक्ष स्टेशन अब अपने सामान्य चालक दल वाले आकार में वापस आ गया है। वर्तमान में वहां सात अंतरिक्ष यात्री रह गए हैं। इनमें चार अमेरिकी और तीन रूसी अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। बता दें कि विलियम और विल्मोर पहली बार स्पेस में नहीं गए थे।

चिन्मय ब्रह्मचारी ने चेताया- बांग्लादेश से हिन्दुओं को बेदखल किया तो अफगानिस्तान या सीरिया बन जाएगा

एजेंसी

चटगांव (बांग्लादेश)। बांग्लादेश के प्रमुख हिन्दू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी ने कहा कि अगर कोई हमें इस देश से बेदखल करना चाहता है तो बांग्लादेश पक्के तौर पर अफगानिस्तान या सीरिया बन जाएगा। लोकतांत्रिक ताकत छिन्न-भिन्न हुई तो बांग्लादेश सांप्रदायिकता का अभयारण्य बन जाएगा। उन्होंने यह चेतावनी यहां के लालदिघी मैदान से शुक्रवार को हिन्दुओं की विशाल सभा में अंतरिम सरकार को दी। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों पर दमन के खिलाफ कार्रवाई हो। समुचित मुआवजा दिया जाए। हिन्दुओं पर आक्रमण बंद हों। उन्हें कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाए। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी बांग्लादेश सनातन जागोरोन मोनचो के प्रवक्ता और पुंडरीक धाम के प्रमुख हैं। बांग्लादेश सनातन जागोरोन मोनचो पांच अगस्त को

अवामी लीग सरकार के पतन के बाद हिन्दू मंदिरों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों और शिक्षकों के जबरन इस्तीफे समेत आठ मांगों के लिए न्याय की मांग को लेकर दो महीने से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। चिन्मय ब्रह्मचारी ने कहा कि हिन्दुओं पर जितना अधिक अत्याचार होगा, वह उतना ही अधिक एकजुट होगा। यह एकता बांग्लादेश की आजादी के बाद से बंगाल की संस्कृति की एकता है। इस एकता को किसी भी तरह से तोड़ा नहीं जा सकता है। 19 सदस्यों की समन्वय समिति बनाई गई है। इसका गठन आठ सूत्री मांगों को पूरा कराने के लिए किया गया है। उन्होंने घोषणा की कि हिन्दू हर मंडल में सामूहिक रैलियां और हर जिले में सभाएं करेंगे। उसके बाद ढाका की ओर लंबा मार्च होगा किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि संसद में हिन्दुओं के लिए आनुपातिक आधार पर सीटों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने चेताया कि यदि आवश्यक हुआ तो मतदान का बहिष्कार करेंगे। लोकतंत्र के नाम पर तमाशा बर्दाश्त नहीं होगा। अन्य वक्ताओं ने कहा कि आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में हिन्दुओं की हमेशा उपेक्षा की गई है। हर सरकार हिन्दुओं की पीड़ा, अन्याय और अत्याचार को छुपाने की कोशिश करती है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि दशकों से अल्पसंख्यकों को हत्या, यातना, भूमि कब्जा और उत्पीड़न के लिए न्याय नहीं मिला। दण्ड से मुक्ति की संस्कृति ने अपराधियों को ऐसी घटनाओं को दोहराने के लिए प्रोत्साहित किया है।

'पाकिस्तान में हर साल हो रहा हजारों महिलाओं का धर्म परिवर्तन और शोषण', भारत ने पाक को फिर लताड़ा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान 100 बार मुंह की खाने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आता। हर बार संयुक्त राष्ट्र में खरी खोटी सुनने के बाद फिर से अपने बयानों के जरिए जहर उगलता ही रहता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बहस में कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की और कहा कि उसकी यह हरकत गलत सूचना फैलाने और शरारतपूर्ण उकसावे वाली है। बदलते परिवेश में शांति का निर्माण कर रही महिलाओं मुद्दे पर यूएनएससी की खुली बहस में भारत ने अपना वक्तव्य दिया और बैठक बुलाने के लिए स्विट्जरलैंड को धन्यवाद दिया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बहस को संबोधित करते हुए, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि यह घृणित है, फिर भी पूरी तरह से अनुमान लगा सकते है कि एक प्रतिनिधिमंडल (पाकिस्तान) ने गलत सूचना और दुष्प्रचार फैलाने के लिए शरारती उकसावे वाली अपनी रणनीति का विकल्प चुना। आगे पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहा कि इस महत्वपूर्ण वार्षिक बहस में इस तरह के राजनीतिक प्रचार में शामिल होना पूरी तरह से गलत है। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि उस देश में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर हिंदू, सिख और ईसाइयों की महिलाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की दयनीय स्थिति पर इस्लामाबाद तो यहां जवाब देना चाहिए। पर्वतानेनी हरीश ने पाकिस्तान का बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि उस विशेष देश के ह्यूमन राइट्स कमीशन के डेटा के अनुसार अल्पसंख्यक समुदायों की अनुमानित हजारों महिलाएं हर साल अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और जबरन विवाह का शिकार होती हैं।

ओली सरकार के सौ दिन पूरे होने पर सत्ता गठबंधन ने विपक्ष को दी अफवाह न फैलाने की नसीहत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में कांग्रेस और एमाले के नए सत्ता गठबंधन की सरकार के सौ दिन पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियों को बताने के अलावा इस सरकार के सौ दिनों तक टिक जाने को एक बड़ी उपलब्धि बताई गई है। इसके साथ सत्ता गठबंधन ने विपक्षी दलों से सरकार गिरने की अफवाह नहीं फैलाने की नसीहत दी है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई सत्ता गठबंधन की बैठक में नेताओं ने विपक्षी दलों पर सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया है। इस बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में विपक्षी दलों पर सरकार को अस्थिर करने और सरकार गिरने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। सत्ता गठबंधन में सहभागी सभी दलों के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति दिखाकर गठबंधन में कोई भी मतभेद नहीं रहने का संदेश देने का प्रयास भी किया गया। सत्ता गठबंधन की बैठक

में छोटे दल के उन नेताओं को नसीहत भी दी गई जो इस सरकार के विरोध में सार्वजनिक बयान देते रहे हैं। साथ ही विपक्षी गठबंधन की बैठक में सहभागी होने वाले नेताओं को भी चेतावनी दी गई। संयुक्त बयान में विपक्षी दलों की साजिश में सत्ता गठबंधन में दरार लाने की कोशिशों की आलोचना की गई है। बयान में कहा गया है कि संसद में दो तिहाई बहुमत के साथ बनी इस सरकार को सड़क आंदोलन से गिरने का दिवास्वप्न विपक्षी दल नहीं देखे। सत्ता गठबंधन की बैठक के बाद जारी बयान में पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की गिरफ्तारी के बाद से उनकी पार्टी के सांसदों और समर्थकों द्वारा अराजकता फैलाने, न्यायिक प्रक्रिया को अवरोध करने और पीड़ित पक्षों के न्याय में बाधा पहुंचाने को लेकर विरोध किया गया।

इमरान खान की दोनों बहनों को मिली जमानत

एजेंसी

इस्लामाबाद। आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) इस्लामाबाद ने आज पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की दोनों बहनों अलीमा खान और उज्मा खान को जमानत प्रदान कर दी। दोनों को इस माह की शुरुआत में राजधानी इस्लामाबाद की डी चौक में धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

डॉन अखबार की खबर के अनुसार, डी चौक में पीटीआई के प्रदर्शन के मद्देनजर धारा 144 लगाई गई थी। पीटीआई के डी चौक पर प्रदर्शन करने के फैसले पर अडिग रहने के मद्देनजर राजधानी में कई सड़कों को बंद कर दिया गया था। पुलिस की कड़ी नाकाबंदी के बावजूद दोनों बहनें डी चौक पर पहुंच गई थीं।

इस्लामाबाद-पेशावर के एक हिस्से पर खाई खोदी गई थी।पुलिस ने कथित तौर पर अशांति फैलाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में इमरान की दो बहनों सहित 100 से अधिक पीटीआई सदस्यों को हिरासत में लिया था। उज्मा और अलीमा की ओर से नियाजुल्लाह नियाजी, अंसार महमूद कियानी और अन्य वकील अदालत में पेश हुए। अभियोजक राजा नवीद ने जमानत याचिका का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दोनों बहनों को 20-20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। पीटीआई ने एक्स पर एक पोस्ट में जमानत की मंजूरी की पुष्टि की है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ लंदन रवाना, वहां से जाएंगे अमेरिका

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष नवाज शरीफ आज सुबह नौ बजे लाहौर हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुए। वह कड़ी सुरक्षा के बीच अपने आवास जाति उमरा से हवाई अड्डे पहुंचे। एआरवाई न्यूज चैनल की पार्टी सूत्रों के हवाले से प्रस्तावित खबर में कहा गया कि नवाज शरीफ दुबई में एक दिन रुकेंगे। अगले दिन लंदन पहुंचेंगे। 29 अक्टूबर को नवाज शरीफ के लंदन से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए प्रस्थान करने की उम्मीद है। वह वहां चार दिन रुकेंगे। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री लंदन में कुछ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। साथ ही वहां उनका मेडिकल चेकअप भी कराए जाने की उम्मीद है। इस बीच पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज नवंबर के पहले सप्ताह लंदन की यात्रा कर सकती हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विधि सलाहकार नजरूल ने कहा-भारत शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बाध्य

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार प्रोफेसर आफिस नजरूल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण करना भारत के लिए बाध्यकारी है। अगर भारत ने इनकार किया तो ढाका विरोध दर्ज कराएगा। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली 2013 में हस्ताक्षरित आपराधिक प्रत्यर्पण संधि के तहत ऐसा करने के लिए बाध्य है।

बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, बांग्लादेश में अशांति के महीनों बाद शेख हसीना को कार्यालय छोड़ने और भारत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अभियोजकों का दावा है कि 77 वर्षीय हसीना इस गर्मी में सैकड़ों छात्रों और प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें 18 नवंबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है। मानवता के

खिलाफ कथित अपराधों का हवाला देते हुए न्यायाधिकरण ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को इस तारीख से पहले हसीना और उनके साथ आरोपित 45 अन्य लोगों को पेश करने का निर्देश दिया।ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, हसीना और उनकी अवामी लीग पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ कथित तौर पर गायब होने, हत्या और सामूहिक हत्याओं के लिए 60 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। बढ़ती हिंसा के बीच पांच अगस्त को हसीना एक सैन्य हेलीकॉप्टर से भारत भाग गईं। इस हिंसा में 1,000 से अधिक लोग मारे गए। इसके बाद उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया गया। बावजूद इसके भारतीय अधिकारियों ने हसीना को नई दिल्ली के बाहरी इलाके में एक सुरक्षित घर में कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रय दिया है। बांग्लादेश के इस अखबार की खबर के अनुसार, यहां तक कि उनकी बेटी साइमा वाजेद भी उन्हें नहीं देख पाई हैं। भारत ने हसीना को पूर्व में अपने पड़ोसी देश को प्रत्यर्पित करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है।

साइमा दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में काम करती हैं। अंतरिम सरकार के कानून सलाहकार प्रोफेसर डॉ. आसिफ नजरूल ने पिछले सप्ताह भी मीडिया से कहा था, अगर भारत ईमानदारी से इसकी व्याख्या करता है तो वह निश्चित रूप से हसीना को वापस करने के लिए बाध्य है।

भगोड़े जाकिर नाइक का पाकिस्तान में विरोध

लाहौर। भगोड़े जाकिर नाइक की टिप्पणियों को लेकर पाकिस्तान में विरोध शुरू हो गया है। बिशप डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को लिखे पत्र में जाकिर नाइक की यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों का विरोध किया है। उन्होंने सरकार द्वारा नाइक की टिप्पणियों को लेकर खेद व्यक्त न करने की भी आलोचना की। पाकिस्तान में नाइक की यात्रा पिछले सप्ताह संपन्न हुई। मार्शल ने कहा है कि जाकिर नाइक के सार्वजनिक भाषणों ने ईसाई समुदाय को काफी परेशान कर दिया है, क्योंकि उसने खुले तौर पर हमारी आस्था पर सवाल उठाए, हमारे पवित्र ग्रंथों को बदनाम किया और ऐसे बयान दिए जो ईसाई पादरियों और विद्वानों की मान्यताओं को कमजोर करते हैं। उसकी टिप्पणी ने न केवल धार्मिक अपमान किया है, बल्कि सभी पाकिस्तानियों के राष्ट्रीय गौरव को भी कम किया।

इजराइल का ईरान, सीरिया, लेबनान पर हमला, सैन्य और हिजबुल्लाह के ठिकानों को बनाया निशाना

एजेंसी

तेलअवीव। इजराइल ने ईरान पर बड़ा हमला किया है। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने उसके सैन्य ठिकानों पर सटीक लक्षित हमले कर उसकी नींद उड़ा दी। ईरान सात अक्टूबर से इजराइल की नाक में दम किए है। इजराइल की वायुसेना ने उसे माकूल जवाब दिया है। इस पूरे अभियान की निगरानी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ हरजी हलेवी और वायुसेना के कमांडिंग ऑफिसर मेजर जनरल तोमेर बार कर रहे हैं। आईडीएफ के आधिकारिक एक्स हैंडल में आज सुबह अब से कुछ देर पहले यह जानकारी दी गई है। इस बीच ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि तेहरान और आसपास के क्षेत्र में जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के ठिकानों पर हमला किया गया। हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ। सरकारी टीवी ने तेहरान के इमाम खुमैनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की फुटेज जारी की। इसमें यात्री

अपनी फ्लाइट्स से उतरते दिख रहे हैं। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना की खबर के अनुसार, इजराइल ने सीरिया के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में कुछ सैन्य ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। हालांकि, इजराइल ने सीरिया पर हमला की पुष्टि नहीं की है। आईडीएफ की एक्स पोस्ट के अनुसार, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ हरजी हलेवी और इजराइल की वायुसेना के कमांडिंग ऑफिसर मेजर जनरल तोमेर बार ने कैंप राबिन में वायुसेना के भूमिगत कमांड सेंटर से ईरान पर हमले की कमान संभाल रखी है। फिलहाल आईडीएफ के लड़ाकू विमान ईरान में सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले कर रहे हैं। आईडीएफ की एक्स पोस्ट में कहा गया है कि ईरान की धरती से इजराइल पर सीधे हमले किए गए हैं। दुनिया के हर दूसरे संप्रभु देश की तरह इजराइल के पास भी प्रतिक्रिया देने का अधिकार और कर्तव्य है। इजराइल अपनी रक्षा के लिए आक्रामक जवाब देगा। इस पर ईरान की अर्धसरकारी तस्नीम संवाद समिति ने कहा कि ईरान इजरायल के किसी भी आक्रमण का जवाब देने को तैयार है। इजरायल पर बदले की कार्रवाई की जाएगी। आईडीएफ की एक अन्य पोस्ट के अनुसार, आईडीएफ ने लेबनान के बेरूत में उत्तरी बेका क्षेत्र को पार करने वाली जौसिह सीमा में हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचों पर रात भर हमला किया। हिजबुल्लाह जौसिह सीमा का उपयोग इजराइल के खिलाफ कर रहा है। यह क्षेत्र सीरिया के नियंत्रण में है।

नेपाल में विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से की दल विभाजन अध्यादेश रोकने की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से मुलाकात कर सरकार द्वारा लाए जा रहे दल विभाजन अध्यादेश को स्वीकृत नहीं करने की मांग की। विपक्षी दलों का आरोप है कि उनकीनपटी के विभाजन लाने के उद्देश्य से सत्ता पक्ष द्वारा दल विभाजन संबंधी अध्यादेश लाया जा रहा है। मुख्य विपक्षी दल सीपीएन (एमसी) के नेता पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। सीपीएन (एमसी) के नेता शक्ति बस्नेत ने बताया कि राष्ट्रपति से इस सरकार के द्वारा उठाए जाने वाले असंवैधानिक कदम में साथ नहीं देने की अपील की गयी है। प्रचंड ने राष्ट्रपति को स्मरण दिलाया कि वो देश के संविधान के संरक्षक की भूमिका में हैं इसलिए संविधान की रक्षा करना उनका पहला दायित्व बनता है। राष्ट्रपति से मुलाकात करने गए एकीकृत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष

माधव कुमार नेपाल ने सरकार पर देश में दो दलीय शासन व्यवस्था लाने का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया। उन्होंने राष्ट्रपति से कहा कि सभी दलों में विभाजन लाकर प्रधानमंत्री सभी दलों से सांसद को अपनी पार्टी में विलय कराना चाह रहे हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ट्रंप और कमला हैरिस में कांटे की टक्कर, नए सर्वे ने बताया- काफी दिलचस्प होगा इस बार का राष्ट्रपति चुनाव

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में इस बार का राष्ट्रपति चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। ये हम नहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना कॉलेज का एक सर्वे बता रहा है। राष्ट्रपति चुनाव में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है, लेकिन अंतिम राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों की लोकप्रियता चरम पर है। लोकप्रिय वोट में दोनों 48 प्रतिशत की बराबरी पर हैं और इसी कारण यह मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, सर्वेक्षण के नतीजे हैरिस के लिए उत्साहजनक नहीं हैं, क्योंकि यह सर्वे दो सप्ताह से भी कम समय पहले आया है और पूरे अमेरिका में लाखों लोग पहले ही वोट डाल चुके हैं। हाल ही के सर्वे में डेमोक्रेट्स को लोकप्रिय वोट में बढ़त मिली है, जबकि वे इलेक्टोरल कॉलेज हार गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हैरिस से एक मजबूत बढ़त बनाने की उम्मीद है, जो इस बात का संकेत है कि वह पेंसिल्वेनिया, मिशिगन और विस्कॉन्सिन जैसे महत्वपूर्ण स्विंग राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करेंगी।पिछले कुछ महीनों में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टियों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों ने हाई-प्रोफाइल बहसों में भाग लिया है। वहीं, ट्रंप पर दो हत्या के प्रयास किए गए हैं और दोनों नेताओं ने सात युद्धक्षेत्र राज्यों में दर्जनों रैलियां की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर की शुरुआत में आयोजित टाइम्स/सिएना कॉलेज पोल के बाद से संभावित मतदाताओं के बीच कमला हैरिस की लोकप्रियता में गिरावट आई है।उस समय, कमला हैरिस के पास डोनाल्ड ट्रंप पर 49 प्रतिशत से 46 प्रतिशत की मामूली बढ़त थी। नेवाडा, उत्तरी कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन, एरिजोना, जॉर्जिया, मिशिगन- इन राज्यों में अधिकांश सर्वेक्षण संकेत देते हैं कि मुकाबला काफी दिलचस्प होने वाला है। बता दें कि अमेरिका में चुनाव 5 नवंबर को होने हैं, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर इतिहास रचने का लक्ष्य बना रही हैं।

अमेरिका में पिछले साल हर घंटे 10 भारतीय गिरफ्तार हुए:इन पर अवैध तरीके से देश में घुसने का आरोप, 50फीसदी से ज्यादा गुजराती थे

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में अवैध तरीके से घुसने के आरोप में पिछले साल हर घंटे 10 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। अमेरिका के कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट ने अक्टूबर 2023 से लेकर सितंबर 2024 तक अवैध तरीके से देश में घुसने वाले लोगों का आंकड़ा जारी किया है। इस आंकड़े के मुताबिक पिछले साल 29 लाख लोगों को अवैध तरीके से बॉर्डर पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इनमें 90,415 भारतीय थे। इनमें से 43,764 को अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से गिरफ्तार किया। भारतीय एजेंसियों के मुताबिक बॉर्डर पार करने वाले भारतीयों में 50त से ज्यादा गुजरात से थे। हालांकि इस आंकड़े में पिछले साल की तुलना में गिरावट आई है। साल 2022-23 में 96,917 भारतीयों को अवैध तरीके से बॉर्डर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कनाडा की तरफ से बॉर्डर क्रॉस करने के आंकड़े ये दिखाते है कि अब भारतीय मैक्सिको के डंकी रूट की बजाय कनाडा को पहली पसंद के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल मैक्सिको बॉर्डर पर अमेरिका की तरफ से चौकसी बढ़ा दी गई है। वहीं कनाडा की तरफ से बॉर्डर पार करना, मैक्सिको की तुलना में आसान है। कनाडा का वीजा लेकर गए भारतीय, वहां से टैक्सी के जरिए बॉर्डर पार कर अमेरिका पहुंच जाते हैं।

मोदी-स्कोल्ज की बातचीत में उठा भारतीय बच्ची अरिहा शाह का मुद्दा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ बातचीत में भारतीय बच्ची अरिहा शाह का मुद्दा भी उठाया। भारतीय पक्ष ने जर्मन पक्ष को इस बात से अवगत कराया कि एक भारतीय बच्चे का दूसरे धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई वातावरण बड़ा होना ठीक नहीं है विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-जर्मनी और दोनों नेताओं के बीच हुए संवाद पर आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक जर्मन पालक की देखरेख में पल बढ़ रही अरिहा शाह का मामला विभिन्न स्तरों पर उठाया जा रहा है। यह मुद्दा आज बैठक के दौरान भी उठाया गया। चांसलर ने प्रधानमंत्री मोदी को आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे पर करीब से नजर रख रहे हैं। अरिहा के पिता वर्क वीजा पर जर्मनी में बतौर इंजीनियर काम करते थे। जर्मन प्रशासन ने अरिहा के माता-पिता पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उसे अपनी कस्टडी में ले लिया था। पूरे मामले पर अरिहा के माता-पिता का कहना है कि एक मामूली दुर्घटना में बच्ची को चोट लग गई थी। इसे अधार बनाते हुए जर्मन प्रशासन ने ऐसा किया है। बच्ची 23 सितंबर 2021 से जर्मनी के यूथ वेलफेयर ऑफिस के पास है। वह तब 7 महीने की थी। अब उसकी उम्र 3 साल से अधिक है और वह बर्लिन में एक फोस्टर केयर सेंटर में रह रही है।

बढ़ते प्रदूषण को लेकर डीजीएचएस ने लिखा सभी राज्यों को पत्र, जागरुकता पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत कई राज्यों में बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) अतुल गोयल ने लोगों को जागरूक करने और सांस की बीमारियों के उच्च जोखिम वाले मरीजों को सचेत रहने की सलाह दी है। डीजीएचएस ने खेल और व्यायाम जैसी बाहरी गतिविधियों को प्रतिबंधित करने की भी सलाह दी है। खासकर बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी है। इस संबंध में डीजीएचएस ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कारगर कदम उठाने की सलाह दी है। डीजीएचएस ने अपने पत्र में राज्य के स्वास्थ्य विभागों को बिगड़ती वायु गुणवत्ता और इसके स्वास्थ्य जोखिमों, खासकर कमजोर समूहों के लिए सचेत किया है। उन्होंने वायु प्रदूषण के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए जनजागरुकता अभियान, निवारक उपायों और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल तैयारियों की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वास्थ्य निदेशालय ने अपनी सलाह में जन जागरुकता अभियान तेज करना, क्षेत्रीय भाषाओं में निर्दिष्ट जनसंचार माध्यमों के माध्यम से लक्षित संदेश प्रसारित करना, स्वास्थ्य सेवा कार्यबल की क्षमता को मजबूत करना और जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों के लिए प्रहरी निगरानी प्रणालियों में भागीदारी बढ़ाना शामिल है।

भाजपा के सदस्यों की संख्या हुई दस करोड़ के पार, नड्डा ने लोगों का जताया आभार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दस करोड़ सदस्य बन गए हैं। यह जानकारी साझा करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बताया कि राष्ट्रीय सदस्यता अभियान- 2024' के अंतर्गत 10 करोड़ सदस्य बनाने की प्रक्रिया पूर्ण हुई है। उन्होंने सभी नवागत सदस्यों का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से 2 सितम्बर को आरंभ हुए इस अभियान में हर वर्ग के लोगों के जुड़ने की श्रृंखला जारी है। संगठन के हमारे कोटिशः कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक श्रम से प्राप्त यह ऐतिहासिक उपलब्धि गौरवान्वित करने वाली है। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रति जन-जन के स्नेह और भाजपा पर अटूट विश्वास के लिए समस्त देशवासियों का हृदय से आभार।

भारत की विकास गाथा से जुड़ने का यह सही समय : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में 18वें एशिया प्रशांत जर्मन व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई स्थान नहीं है। उन्होंने विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत की विकास गाथा से जुड़ने का यह सही समय है।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, मांग और डेटा के चार मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। प्रतिभा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और बुनियादी ढांचा भारत के विकास के उपकरण हैं। इन सभी को आगे बढ़ाने के लिए भारत के पास आकांक्षी भारत (एआई) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दोहरी शक्ति है। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य की दुनिया की जरूरतों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत विविधीकरण और जोखिम-मुक्ति का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। भारत वैश्विक व्यापार और विनिर्माण केंद्र बन रहा है। भारत सड़कों और बंदरगाहों में रिकॉर्ड निवेश कर रहा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र दुनिया के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में विदेशी निवेशकों के लिए भारत की विकास गाथा में भाग लेने, 'मेक इन इंडिया' पहल और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' में शामिल होने का यह 'सही' समय है।

अगले पांच वर्षों में मेडिकल की 75 हजार सीटें बढ़ाई जाएंगी : जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के 53वें स्थापना दिवस समारोह और दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में एमबीबीएस और एमडी की सीटों में 100 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसके साथ आने वाले पांच सालों में सरकार एमबीबीएस की 75 हजार सीटें और बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि बुनियादी शिक्षा हर किसी का जन्मसिद्ध अधिकार है लेकिन व्यावसायिक शिक्षा एक विशेषाधिकार है जो समाज केवल कुछ ही लोगों को प्रदान करता है। सरकार प्रत्येक एमबीबीएस छात्र के लिए 30-35 लाख रुपये खर्च करती है। उन्होंने नए डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने पेशेवर करियर को आगे बढ़ाते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। नड्डा ने स्वास्थ्य पेशेवरों को देश की स्वास्थ्य सेवा

प्रणाली को मजबूत करने और चिकित्सा सेवाएं सभी के लिए सुनिश्चित करने को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आपके प्रयास 'विकसित भारत' के हमारे राष्ट्रीय दृष्टिकोण को आकार देने पर केंद्रित होने चाहिए। केंद्र सरकार ने 2017 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में बदलाव किया, जिसने स्वास्थ्य देखभाल को केवल उपचारात्मक दृष्टिकोण से पहले एक समग्र दृष्टिकोण में बदल दिया, जो निवारक, एकीकृत और साथ ही उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभाल को पूरा करता है। नड्डा ने स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा समाज में किए गए महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला और स्नातकों से अपने काम को करुणा, अखंडता और समर्पण के साथ करने का आग्रह किया।

उन्होंने देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि चिकित्सा सेवाएं सभी के लिए सुलभ हों। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में 22 नए एम्स, नए मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना की गई। समारोह के दौरान 146 एमबीबीएस छात्रों, 145 एमडी एवं एमएस छात्रों, 17 बीएससी (एमटी) रेडियोलॉजी छात्रों और 4 एमएससी (आरएंडएमआईटी) छात्रों को डिग्री प्रदान की गई और 62 पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में 4 प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

एशिया में मानवीय चिकित्सा नवाचार व अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जुटे विशेषज्ञ

एजेंसी

नई दिल्ली। एशिया में मानवीय चिकित्सा नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आरएमएल अस्पताल ने डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साथ मिलकर इंडिया हैबिटेट सेंटर दिल्ली में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें करीब 200 स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और मरीजों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान आम व्यक्ति के जीवन में आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के साथ टीबी रोग से उबर चुके रोगियों की कहानियों और समुदाय आधारित देखभाल मॉडलों पर चर्चा की गई। इस दौरान एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) पर भी विचार-विमर्श हुआ। जिसमें नए एंटीबायोटिक्स और निगरानी प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा स्वास्थ्य असमानताओं, विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय और दिव्यांग महिलाओं की चुनौतियों के समाधान तलाशने के प्रयास किए गए। कार्यक्रम में डॉक्टर विदाउट बॉर्डर दक्षिण एशिया की कार्यकारी निदेशक डॉ फरहत मंटो, आरएमएल अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ अजय शुक्ला, डॉ सुजाता मैथ्यू और डॉ पुलिन गुप्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ मंटो ने कहा, डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स एक अंतरराष्ट्रीय, स्वतंत्र चिकित्सा मानवीय संगठन है। 70 से अधिक देशों में यह संगठन संकट में फंसे लोगों की जान बचाने और उनके कष्टों को कम करने के लिए मानवीय चिकित्सा सहायता प्रदान करते हैं। ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एन्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीयूट, फरीदाबाद की बायो डिजाइन फेलो डॉ जयंती कुमारी ने डॉक्टर विदाउट बॉर्डर और आरएमएल अस्पताल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बताया कि फिलहाल स्वास्थ्य विशेषज्ञ लोगों के मुख कैंसर की जांच उनके मुंह के अंदर की स्थिति को देखकर करते हैं जो 50 फीसदी सही नहीं होता। वहीं, बायोप्सी जांच का परिणाम तो सटीक होता है लेकिन जांच के लिए व्यक्ति के शरीर से मांस का टुकड़ा लिया जाना और जांच की दर महंगी होने के कारण लोग अक्सर जांच कराने से कतराते हैं।

नौसेना को मिला 'अभय' एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के बेड़े में एक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट को शामिल किया गया है। भारतीय नौसेना में यह समुद्री जहाज (शैलो वॉटर क्राफ्ट) 'अभय' शामिल किया गया। भारत का यह एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर जहाज लगभग 77 मीटर लंबा है।

इस शैलो वॉटर क्राफ्ट की अधिकतम गति 25 नॉट व इसकी सहनशक्ति 1800 एनएम है। रक्षा मंत्रालय ने इस संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि नौसेना के लिए यह सातवीं एंटी सबमरीन शैलो वॉटर क्राफ्ट है। भारतीय नौसेना के लिए इसका निर्माण मेसर्स जीआरएसई द्वारा किया गया है। अभय का मेसर्स एलएंडटी, कट्टुपल्ली में लोकार्पण किया गया। भारतीय नौसेना के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (पूर्व) वीएडीएम राजेश पेंढारकर ने की। समुद्री परंपरा को ध्यान में रखते हुए, पूर्वी क्षेत्र की एनडब्ल्यूडब्ल्यूए

अध्यक्ष संध्या पेंढारकर ने जहाज का लोकार्पण किया। रक्षा मंत्रालय और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता के बीच अप्रैल 2019 में आठ एएसडब्लू एसडब्ल्यूसी जहाजों के निर्माण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि अर्नाला श्रेणी के समुद्री जहाज भारतीय नौसेना की सेवा में तैनात अभय श्रेणी के एएसडब्ल्यू कॉर्वेट की जगह लेंगे। इन्हें तटीय जल में पनडुब्बी रोधी अभियान, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियान (एलआईएमओ) और माइन लेइंग ऑपरेशन के लिए तैयार किया गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक नौसेना के इस अत्याधुनिक समुद्री जहाज 'अभय' का लोकार्पण आत्मनिर्भर भारत के प्रति राष्ट्र के संकल्प को दर्शाता है। गौरतलब है कि इस वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट के निर्माण में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बड़े पैमाने पर रक्षा उत्पादन भारतीय विनिर्माण इकाइयों द्वारा किया जाता है, जिससे देश की रोजगार और क्षमता में वृद्धि होती है।

कांग्रेस पार्टी आरक्षण के खिलाफ, नाना पटोले का बयान तथ्यहीन : रामदास आठवले

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने नाना पटोले के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को आरक्षण विरोधी करार दिया। दरअसल आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के बयान के बाद सियासी सरगर्मी तेज हो गई है और उनके बयान पर सियासी दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं खूब आ रही हैं।

रामदास आठवले ने कहा कि नाना पटोले ने जो स्टेटमेंट दिया है, वह राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दलित, ओबीसी और आदिवासी वर्ग का एक दिन आरक्षण खत्म किया जाएगा। यह स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण के खिलाफ है। राहुल गांधी द्वारा दिए गए इस विवादास्पद बयान का नाना पटोले ने भी समर्थन किया है। मैं सभी से अपील करता हूं कि इस प्रकार की बातें करने वाली कांग्रेस पार्टी को पहचानें।

उन्होंने कहा कि आरक्षण खत्म करने वाली पार्टी को हम समाप्त करेंगे। लेकिन, आरक्षण को खत्म नहीं होने देंगे। अठावले ने जाति व्यवस्था को खत्म करने के प्रयासों की भी चर्चा की और कहा कि जाति व्यवस्था को खत्म करना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन, यह संभव है। नाना पटोले के बयान को निराधार बताते हुए उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि नाना पटोले का आरक्षण खत्म करने का यह बयान तथ्यहीन है और वह गलतफहमी में बकवास कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नाना पटोले के बयान का मैं विरोध करता हूं, समाज के सभी वर्गों को यह समझना होगा कि आरक्षण हमारे अधिकारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ऐसे किसी भी कदम का समर्थन नहीं करेगी जो समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों को समाप्त करने की कोशिश करता हो।

इससे पहले, भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी कांग्रेस की मंशा को दलित विरोधी बताया था। प्रदीप भंडारी ने कहा था कि कांग्रेस का असल उद्देश्य गरीबों का आरक्षण खत्म करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले भी कहा था कि कांग्रेस दलितों का आरक्षण छीनकर अपने फेवरेट वोट बैंक को देना चाहती है। मैं कांग्रेस को स्पष्ट तौर पर कहना चाहता हूं कि जब तक भाजपा है, जब तक नरेंद्र मोदी हैं, आप दलितों का हक नहीं छीन सकते। कांग्रेस पार्टी की मंशा को समझते हुए भाजपा दलितों के अधिकारों की रक्षा करेगी और महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार बनने नहीं देगी।

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सहयोग का आधार है अनुसंधान : शिक्षा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर हैं। उनकी इस यात्रा से देश में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के कैंपस खुलने में तेजी आ सकेगी। इसके अलावा प्रधान ने ऑस्ट्रेलिया में अधिकारियों एवं मंत्रियों से मुलाकात के दौरान रिसर्च के क्षेत्र में सहयोग पर खासा जोर दिया है।

बड़ी संख्या में भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न विश्वविद्यालय में रोबोटिक्स, रसायन, खगोल भौतिकी, अतिचालकता, विनिर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा-तकनीक, जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान पर काम कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया में इन भारतीय छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अनुसंधान सहयोग ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सहयोग का आधार है। प्रधान ने कहा कि व्यावहारिक बातचीत ने छात्रों को विचार करने के लिए कई महत्वपूर्ण

बिंदु प्रदान किए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापक एवं गहन अनुसंधान सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले सभी भारतीय छात्रों की सराहना की और उन्हें दोनों देशों के भविष्य के लिए उत्साहजनक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित मैक्वेरी विश्वविद्यालय में मैक्वेरी पार्क इनोवेशन डिस्ट्रिक्ट का दौरा किया। यहां उन्होंने समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं समुदायों के साथ सहयोग करने के लिए विश्वविद्यालय के अनूठे दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारतीय शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योगों के साथ साझेदारी कर रहा है। उन्होंने बल देकर कहा कि इस प्रकार के मजबूत उद्योग-अकादमिक संबंध नवाचार करने और छात्रों को सफलता के लिए तैयार करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्रधान ने न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय (यूएनएसडब्ल्यू) के परिसर का दौरा किया। उन्होंने यूएनएसडब्ल्यू के 75 वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय छात्र यूएनएसडब्ल्यू की स्थापना के तीसरे वर्ष से ही इसके साथ जुड़े हुए हैं। प्रधान ने यूएनएसडब्ल्यू के विभिन्न स्कूलों द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप के साथ भी बातचीत की। उन्होंने छात्रों के उत्पादों एवं सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्टार्टअप को भारतीय समाज एवं बाजार के लिए अपने समाधान तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। केंद्रीय मंत्री ने यूटीएस मूर पार्क का भी दौरा किया, जो सिडनी के प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्थित एक खेल परिसर है। उन्होंने कहा कि यह ऑस्ट्रेलिया में अपनी तरह का पहला केंद्र है जहां विश्वविद्यालय कार्यक्रमों को विशिष्ट खेल सुविधाओं में एकीकृत किया गया है।

प्रो मज़हर आसिफ़ ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के 16वें कुलपति के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद आसिफ़ ने कहा कि विश्वविद्यालय को सर्वोच्च स्थान पर ले जाना ही उनका एकमात्र लक्ष्य है। कुलपति कार्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। ज्वाइनिंग के तुरंत बाद वह यूनिवर्सिटी कैंपस में स्थित ब्रिगेडियर उस्मान की समाधि पर गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। ब्रिगेडियर उस्मान को नौशेरा का शेर के नाम से भी जाना जाता है। वह भारतीय सेना में एक उच्च पदस्थ अधिकारी थे। उन्होंने 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में वीरगति पायी थी। प्रोफेसर मजहर आसिफ ने देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और जेएमआई के संस्थापक सदस्य डॉ. एम.ए. अंसारी को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। कुलपति ने कुलपति कार्यालय के बैठक हॉल में डीन, कार्यवाहक रजिस्ट्रार और विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने पूरे प्रशानिक ब्लॉक का दौरा किया और विभिन्न कार्यालयों में जाकर गैर- शिक्षण कर्मचारियों से भी मुलाक़ात की।

इस दौरान कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ ने कहा कि विश्वविद्यालय को सर्वोच्च स्थान पर ले जाना ही उनका एकमात्र लक्ष्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह छात्र और कर्मचारी केंद्रित व्यक्ति हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अच्छा रहन-सहन, भोजन, सुरक्षा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है।

अरविंद केजरीवाल पर हमले की कोशिश, आम आदमी पार्टी का भाजपा पर आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पदयात्रा के दौरान विकासपुरी में हमले की कोशिश की गई, जिस पर पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और मंत्री सौरभ भारद्वाज की प्रतिक्रिया सामने आई है।

पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, अरविंद केजरीवाल जी पर हुआ हमला बेहद निंदनीय और चिंताजनक है। यह साफ है कि भाजपा ने अपने गुंडों से यह हमला कराया है। अगर अरविंद केजरीवाल जी को कुछ होता है, तो उसकी पूरी ज़िम्मेदारी भाजपा पर होगी। हम डरने वाले नहीं हैं-आम आदमी पार्टी अपने मिशन पर डटी रहेगी। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने वीडियो संदेश जारी कर कहा, आज अरविंद केजरीवाल विकासपुरी में पदयात्रा कर रहे थे और लोगों से मिल रहे थे। पिछले कुछ दिनों से जब-जब अरविंद जी लोगों के बीच जा रहे हैं, उन्हें अपार प्यार और समर्थन मिल रहा है। कल वह हमारे साथ खुद ही कनॉट प्लेस के एक आइसक्रीम की दुकान पर गए, उसके बाद एक पान की दुकान

पर गए। थोड़ी ही देर में काफी सारे लोग उनके साथ सेल्फी लेने और बातचीत करने के लिए आए। मुझे लगता है कि भारतीय जनता पार्टी इसे पचा नहीं पा रही है और आज भाजपा से जुड़े लोगों ने अरविंद केजरीवाल पर हमला करने की कोशिश की है। इससे पहले भी अरविंद केजरीवाल के ऊपर कई बार हमले हुए हैं, जब वह तिहाड़ जेल में थे, तब उनकी इंसुलिन को बंद कर दिया गया था। यह कोशिश की गई कि उनकी किडनी खराब हो जाए या उनकी मृत्यु हो जाए। अब इस तरह का हमला बहुत ही कायराना है और यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि अरविंद जी जब जनता के बीच जाते हैं, तब उन्हें प्यार मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि हम यह साफ करना चाहते हैं कि अगर अरविंद केजरीवाल की जान को कोई खतरा होता है या उन्हें कोई नुकसान पहुंचता है, तो इसकी जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ भारतीय जनता पार्टी होगी।

सीडीएससीओ की जांच में 49 दवाओं के सैंपल फेल, बाजार से वापस लेने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । गैस, एलर्जी, सर्दी जुखाम, उल्टी, कैल्शियम, विटामिन-12 के साथ कुल 49 दवाओं के सैंपल मानकों में फेल पाए गए हैं। केन्द्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है। ड्रग?स कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया राजीव सिंह रघुवंशी ने मीडिया को बताया कि हर महीने 3000 दवाइयों के सैंपल्स की जांच की जाती है। इसमें जो भी मानकों की जांच में फेल पाए जाते हैं, उनकी वेबसाइट पर रिपोर्ट जारी की जाती है। इसी क्रम में इस महीने करीब 49 दवाओं के सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं जिसकी सूची वेबसाइट पर डाल दी गई है। इन सभी दवाओं को बाजार से वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इन दवाओं की सूची में डायबिटीज की दवा, दर्द निवारक, आई ड्रॉप्स और बुखार, उल्टी के सिरप शामिल हैं। राजीव सिंह रघुवंशी ने बताया कि सीडीएससीओ द्वारा की गई दवाओं की जांच और निगरानी से कम प्रभावकारिता वाली दवाओं के प्रतिशत में भारी कमी आती है। परीक्षण किए गए लगभग 3000 नमूनों में से 49 दवाओं को वापस लेने के लिए कहा गया क्योंकि उन्हें कम प्रभावकारी

(एनएसक्यू) पाया गया। कुल सैंपल में लगभग 1.5 प्रतिशत ही कम प्रभावोत्पादक पाई गईं। सीडीएसओ ने अक्टूबर 2024 में 67 दवाओं की जांच कराई थी। इनमें से 53 केंद्रीय लेबोरेटरी में जांच कराई गई और 18 राज्यों की लेबोरेटरी में जांच हुई। पता चला कि? 49 नामी गिरामी कंपनियों की दवाइयां सब स्टैंडर्ड की हैं, जबकि 4 दवाइयां नकली हैं। नकली पाई गई दवाओं में टैमसुलोसिन और डूटास्टेरॉयड, कैल्शियम, विटामिन डी 3 टैबलेट(शेलकैल), पेंटाप्रेजोल एंड डोमिपेरीडोन और नंड्रोलोन डीकानोट इंजेक्शन शामिल हैं।

दिल्ली की कुम्हार कॉलोनी में पहुंचे राहुल गांधी, हाथों से बनाए दीये; सड़क किनारे बनवाई दाढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर स्थित प्रजापति कॉलोनी पहुंचे। यहां उन्होंने सैलून मालिक अजीत ठाकुर से लेकर कुम्हार परिवार की रामरति तथा अन्य लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अजीत ठाकुर के सैलून पर दाढ़ी बनवाई और रामरति के घर जाकर उनसे बर्तन बनाना सीखा। कांग्रेस सांसद ने अपने हाथों से दीये भी बनाए।

अजीत ठाकुर ने कहा, राहुल गांधी किसी कार्यक्रम से गुजर रहे थे, मैं बाहर खड़ा था। अचानक उनकी गाड़ी रुकी, और राहुल गांधी ने मेरी ओर ध्यान दिया। इसके बाद मैं घबरा गया, क्योंकि मेरे सामने एक बड़े नेता खड़े थे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने मुझसे हाथ मिलाते हुए पूछा, आप क्या काम करते हैं? तो मैंने संकोच में कहा, सर, मैं कुछ खास नहीं करता। तब राहुल गांधी ने कहा, क्या मेरी दाढ़ी की सेटिंग करोगे? इसने मुझे थोड़ा सहज कर दिया और मैंने जवाब दिया, जरूर करेंगे।अजीत ने कहा कि राहुल गांधी के साथ बिताए गए 20 मिनट ने उन्हें काफी प्रभावित किया।राहुल गांधी ने अजीत से उनके काम रोजगार और जिंदगी के बारे में कई सवाल पूछे। उन्होंने जानना चाहा कि अजीत की कमाई क्या है, दुकान का किराया कितना है, और वह किस

तरह से अपनी जिंदगी बिता रहे हैं। अजीत ने बताया कि उनका व्यवसाय 1993 से चल रहा है, और कोई भी नेता उनके पास इस तरह से नहीं रुका था। राहुल गांधी ने उनकी स्थिति को समझते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि वह मदद कर सकते हैं। अजीत ने खुलकर अपनी कठिनाइयों का जिक्र किया। राहुल गांधी ने उनके प्रति सहानुभूति जताई और कहा कि वह उनकी मदद करने का प्रयास करेंगे। अजीत ने कहा कि इस छोटी-सी मुलाकात ने मुझे आशा दी। मैंने महसूस कराया कि एक नेता केवल राजनीतिक आकांक्षाओं से नहीं भरा होता, बल्कि वह सामान्य लोगों के साथ जुड़ने और उनकी समस्याओं को समझने में भी रुचि रखता है। रामरति ने कहा, मैं कुम्हार कॉलोनी में रहती हूं। मेरे घर की घंटी बजी, और मैंने दरवाजा खोला, तो सामने राहुल जी खड़े थे।

दीपावली-छठ पर 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक प्रतिदिन दिल्ली से चलेंगी 65 स्पेशल ट्रेन

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दीपावली और छठ के मद्देनजर 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक के लिए स्पेशल ट्रेनों के 195 फेरे लगाने की योजना बनाई है। इन 13 दिनों में प्रतिदिन दिल्ली एरिया से 65 स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा। इससे लगभग एक लाख 20 हजार यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने नई दिल्ली में उत्तर रेलवे मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दीपावली और छठ पूजा के लिए किये गए विशेष इंतजाम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 01 अक्टूबर से 30 नवंबर तक स्पेशल ट्रेनों के अब तक 3144 फेरे घोषित किये जा चुके हैं। लगभग 85 प्रतिशत त्योहार स्पेशल ट्रेन पूर्व दिशा में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम जाने वाले यात्रियों के लिए चलाई जा रही हैं। दीपावली और छठ पूजा के दौरान सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक विशेष ट्रेनों के 195 फेरे लगाने की योजना बनाई गई है जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 138 फेरे चलाये गए थे। इन 13 दिनों में उत्तर रेलवे प्रत्येक दिन दिल्ली एरिया से 65 ट्रेनों का संचालन करेगा जबकि पिछले वर्ष इन 13 दिनों में 59 ट्रेनों का संचालन हुआ था। इन 13 दिनों में लगभग 1 लाख 20 हजार यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध हो पाएंगी। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने कहा कि त्योहारों के दौरान स्पेशल ट्रेनों के अलावा नियमित ट्रेनों के 123 अतिरिक्त फेरे भी लगेंगे। दिल्ली जंक्शन, नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल से देशभर के प्रमुख गंतव्यों को पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर, जोगबनी, सहरसा, जयनगर, कटिहार, दरभंगा, गोरखपुर, रक्सौल, वाराणसी, गया, श्रीवैष्णो देवी कटरा से जोड़ने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक प्रमुख ट्रेनों में कुल 49 अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। इस अवधि के दौरान विशेष ट्रेनों और अतिरिक्त कोचों सहित कुल 1,70,434 अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 1,48,750 अतिरिक्त बर्थ की व्यवस्था की गयी थी। इन स्पेशल ट्रेनों से लगभग 54,000 अनारक्षित यात्रियों की अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 41,000 था।

कुरुक्षेत्र में पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई, कृषि विभाग का सख्त आदेश

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा का कुरुक्षेत्र पराली प्रबंधन में फिसड्डी साबित हो रहा है। पराली जलाने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कृषि विभाग के आला अधिकारियों ने कहा कि वो लगातार पराली जलाने वाले किसानों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, धान के अवशेषों के प्रबंधन को लेकर हालिया अपडेट काफी महत्वपूर्ण हैं। पिछले साल के मुकाबले इस साल किसानों द्वारा अवशेष जलाने की घटनाओं में लगभग 49 फीसद की कमी आई है, जो व्यापक कार्य योजना का परिणाम है। विभिन्न जिलों में पराली प्रबंधन पर जो काम किया गया है, उसका असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, अब तक 93 स्थानों से रिपोर्ट मिली हैं, जिनमें से 62 स्थानों पर कार्रवाई की गई है। ये सभी मामले अलग-अलग किसान और स्थानीय निवासियों द्वारा रिपोर्ट किए गए थे। इसके अलावा, कुछ मामलों में मैन्युअल सूचना भी प्राप्त हुई थी। कुल 62 मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की है, और इनमें से कितने गिरफ्तार हुए हैं, इसकी जानकारी पुलिस विभाग से मिल सकेगी।उन्होंने बताया कि बुधवार को भी पांच नई लोकेशन की रिपोर्ट आई थी, जिनमें से दो स्थानों पर धान के अवशेष जलाए जाने का मामला सामने आया। इन मामलों में तत्काल कार्रवाई की गई है।

रन फॉर यूनिटी में उमंग व उत्साह के साथ दौड़ेंगे गुरुग्राम वासी

गुरुग्राम। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर गुरुग्राम में 31 अक्टूबर की सुबह रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। भारत सरकार में विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल रन फॉर यूनिटी में मुख्य अतिथि होंगे। डीसी निशांत कुमार यादव ने यह बात लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में रन फॉर यूनिटी की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। निशांत कुमार यादव ने बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में इस आयोजन को लेकर जिला एवं प्रदेश में विशेष उत्साह दिखाई देना चाहिए। इस आयोजन में युवाओं के साथ-साथ विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी होनी चाहिए। इस आयोजन में आरडब्ल्यूएस को भी शामिल किया जाए। साथ ही इस आयोजन में बड़ी संख्या में जनभागीदारी रहेगी ऐसे में अपेक्षित संख्या के हिसाब से प्रतिभागियों की सुविधा के इंतजाम होने चाहिए। रन फॉर यूनिटी के नोडल अधिकारी एडीसी हितेश कुमार मीणा ने बताया कि इस आयोजन का लोगो भी फाइनल हो चुका है। इस आयोजन में भागीदारी करने वालों के लिए एक्सपो भी रखा गया है, जोकि मुख्य आयोजन से एक दिन पहले 30 अक्टूबर को लेजर वैली पार्किंग में होगा। इस रन में भागीदारी करने वाले इक एक्सपो में पहुंच कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

वायु गुणवत्ता बनाए रखने के लिए 31 जनवरी तक पटाखों पर प्रतिबंध

सोनीपत। जिला सोनीपत में 31 जनवरी, 2025 तक बेरियम साल्ट वाले पटाखों की बिक्री और उत्पादन पर प्रतिबंध लगाया गया है। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि वायु गुणवत्ता को बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। सिर्फ ग्रीन पटाखों का सीमित उपयोग ही किया जा सकेगा। दिवाली, गुरु पर्व और क्रिसमस के दिन कुछ निर्धारित समय पर ग्रीन पटाखे बजाने की अनुमति होगी। डॉ. मनोज ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार, अधिक मात्रा में पटाखे जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ सकता है, जिससे श्वास संबंधी बीमारियों वाले लोगों को विशेष कठिनाई हो सकती है। हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकार के निर्देशों के अनुसार, वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। पटाखों के कारण वायु प्रदूषण का स्तर पीएम 2.5 और पीएम 10 तक बढ़ सकता है। दीवाली और गुरु पर्व पर रात आठ से दस बजे तक तथा क्रिसमस की पूर्व संध्या पर रात 11.55 से 12.30 बजे तक ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति होगी। जोर की आवाज वाले पटाखों और पटाखों की लड़ियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,पुलिस, शहरी निकाय, अग्निशमन विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारी इस बात पर निगरानी रखेंगे कि जिले में पटाखों की अवैध बिक्री और निर्माण न हो।

शिविर में 42 शिकायतें आई 4 का समाधान

सोनीपत। राज्य सरकार ने नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविरों का आयोजन किया है। इनशिविरों का आयोजन नगर निगम सोनीपत, नगरपरिषद गोहाना, और नगरपालिका गन्नौर, खरखौदा एवं कुण्डली में किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त विश्राम मीणा ने बताया कि आयोजित समाधान शिविर में कुल 42 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से चार शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर नागरिकों को राहत दी गई। बाकी 38 शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को भेजकर जल्द समाधान के निर्देश दिए गए। आयुक्त मीणा ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए। इस शिविर में नगर निगम के अंतर्गत कुल 40 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 02 का मौके पर समाधान किया गया। कुण्डली और गोहाना नगरपरिषद में एक-एक शिकायत मिली, जिसका तुरंत समाधान किया गया। गन्नौर और खरखौदा में कोई शिकायत नहीं आई। समाधान शिविर में पहुंचे नागरिकों ने सरकार के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने इसे समस्याओं का त्वरित समाधान पाने का अच्छा माध्यम बताया और कहा कि अधिकारी गंभीरता से मौके पर ही समाधान करते हैं।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति की 21वीं बैठक

राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत, हिमाचल के प्रबोध सक्सेना और पंजाब के केएपी सिन्हा ने लिया हिस्सा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव डॉ. टीवीएसएन प्रसाद ने आज चंडीगढ़ के होटल ललित में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति की 21वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अंतर राज्य परिषद सचिवालय (आईएससीएस) के सचिव के. मोसेस चालई, हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत, पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा शामिल हुए। इसके अलावा हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में पिछले वर्ष अमृतसर में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चर्चा किए गए विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों पर भी चर्चा की गई।

बैठक के स्वागत भाषण में डॉ. प्रसाद ने सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने में क्षेत्रीय परिषदों का महत्व उजागर किया। उन्होंने कहा कि राज्यों को सशक्त बनाने और केंद्र और राज्यों के बीच नीतिगत ढांचों पर समन्वय बढ़ाने के लिए परिषद काफी महत्वपूर्ण है। ये परिषदें कई तरह के मुद्दों पर चर्चा की सुविधा प्रदान करती हैं। जिससे आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा मिलता है। मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय परिषद की बैठकें

महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक विकास के मुद्दों पर चर्चा के नजरिए में समन्वय बनाती हैं। यह सहयोगात्मक वातावरण केंद्र और राज्यों के साथ-साथ भाग लेने वाले राज्यों के बीच लंबित मामलों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने में सहायता प्रदान करती हैं। साथ ही सर्वोत्तम अभ्यास को साझा करने और अपनाने की अनुमति का अवसर मिलता है।

डॉ. प्रसाद ने हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व व्यक्त करते हुए प्रतिभागियों को हिसार जिले में सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक राखीगढ़ी का भ्रमण करने व कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि गीतास्थली पर आने के लिए आमंत्रित किया।

बैठक में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बलात्कार और यौन अपराधों के मामलों की त्वरित जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। सरकार ने वर्ष 2018 में आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम को मंजूरी दी थी, जिसमें 12 वर्ष से कम आयु की लड़की के साथ बलात्कार के मामले में मृत्युदंड सहित यौन अपराधों के लिए कड़े प्रावधान निर्धारित किए गए थे। आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम 2018 के तहत जांच पूरी करने के लिए दो महीने की समय सीमा का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को अनुपालना रिपोर्ट के साथ परामर्श जारी किए जा रहे हैं। इसमें अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शत-प्रतिशत अनुपालन करने का आग्रह किया गया है। इससे जांच और अभियोजन तंत्र को मजबूत करने के ऐसे उपायों से महिलाओं में सुरक्षा की भावना पैदा होगी। उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति की 21वीं बैठक में कुल 69 मुद्दों पर चर्चा की गई। इनमें से कई राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण विषय संबंधी मुद्दे शामिल रहे। इन पर विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में नियमित रूप से चर्चा और निगरानी की जा रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्पष्ट निर्देश, 17 प्रतिशत तक नमी वाले धान के एक-एक दाने की एमएसपी पर करें खरीद

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के किसानों के हित को सर्वोपरि रखते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। संबंधित अधिकारीगण यह सुनिश्चित करें कि मंडियों में खरीद एजेंसियां 17 प्रतिशत तक नमी वाले धान के एक-एक दाने की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद करें। मुख्यमंत्री आज यहां खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों के साथ अहम बैठक कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने बैठक के दौरान ही प्रदेशभर के कुछ किसानों के साथ फोन पर बात की और उनसे वस्तुस्थिति की जानकारी ली। किसानों ने मुख्यमंत्री को धान खरीद के दौरान कट लगाने की जानकारी दी। जिस पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि है और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसानों को कट लगने की समस्या का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने आढ़तियों को आ रही समस्या का समाधान करते हुए

अधिकारियों को पिछले वर्ष की गेहूं कटौती के 12 करोड़ रुपये की राशि तुरंत प्रभाव से जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मंडियों में किसानों की उपज खरीद के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान कर रही है, तारकि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

उन्होंने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है, इसलिए कृषि और किसान का कल्याण हमारी नीतियों के केन्द्र में हैं। राज्य सरकार किसान को फसल की बिजाइ से लेकर उसे बाजार में बेचने तक हर कदम पर मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि फसल खरीद का पैसा भी किसानों को सीधे उनके खातों में भुगमान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

सदन में नए विधायकों को बोलने का अधिक अवसर मिले: मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में स्पीकर के चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस बार 40 विधायक पहली बार चुनकर आए हैं। ऐसे में स्पीकर को उन सभी को बोलने का अधिक अवसर देना चाहिए।

पंद्रहवीं विधानसभा में पिछली बार की 9 की अपेक्षा 13 महिलाओं के चुनकर विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री सैनी ने महिला शक्ति को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विपक्ष के सकारात्मक सुझावों पर भी अमल करेगी। प्रदेश की जनता ने भरोसा करके तीसरी बार भाजपा को सत्ता सौंपी है। नॉन स्टॉप हरियाणा के विकास के लिए तीन गुणा रफ्तार से काम करने का प्रयास किया जाएगा।

आज विधानसभा में स्पीकर चुनाव के बाद ज्यादातर वरिष्ठ विधायकों ने इस बात पर जोर दिया कि नए विधायकों को बोलने के लिए अधिक समय दिया जाए और उनकी मदद के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। विधायकों की इस बात का स्पीकर ने भी समर्थन किया। वर्ष 2019 में भी नए विधायकों के लिए लोकसभा अधिकारियों के

इस बार 90 में से 40 विधायक पहली बार पहुंचे हैं विधानसभा। वरिष्ठ विधायकों ने नए सदस्यों को प्रशिक्षण देने की रखी मांग।

माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

सदन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि स्पीकर का पद बड़ा महत्वपूर्ण है। उनकी ड्यूटी बनती है कि वे सदन के सभी साथियों को साथ लेकर चलें। विपक्ष का भी विशेष तौर पर ख्याल रखा जाए। अंग्रेजी की एक कहावत सुनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा कि स्पीकर कभी बोलते नहीं लेकिन सभी को बोलने का मौका देते हैं। पूर्व स्पीकर डॉ. रघुबीर सिंह कादियान ने स्पीकर पद को कांटों भरा ताज बताया।

पराली प्रबंधन के लिए 5529 किसानों ने किया आवेदन :उपायुक्त डॉ. मनोज

सोनीपत। प्रदूषण रोकने के लिए जिला प्रशासन किसानों को पराली और धान फसल के अवशेषों के प्रबंधन के प्रति जागरूक कर रहा है। पराली का इन सीटू (खेत में) और एक्स सीटू (खेत से बाहर) प्रबंधन करने वाले किसानों को सरकार की ओर से प्रति एकड़ 1,000 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस योजना का लाभ उठाने के लिए अब तक 5,529 किसानों ने पंजीकरण किया है, जिससे लगभग 45,772 एकड़ भूमि का पंजीकरण हुआ है। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि इस साल इन सीटू के लिए 5,255 किसानों ने 43,977 एकड़ और एक्स सीटू के लिए 297 किसानों ने 1,795 एकड़ के लिए पंजीकरण कराया है। उपायुक्त ने बताया कि सभी अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम स्तर की टीमें किसानों को पराली प्रबंधन के लाभ और जलाने के नुकसान के बारे में जागरूक करेंगी। साथ ही, पुलिस विभाग के सहयोग से ब्लॉक और ग्राम स्तर की टीमें नियमित मॉनिटरिंग करेंगी।

प्रजातंत्र में कोई व्यक्ति बड़ा नहीं होता, प्रजातंत्र में जनता बडी होती है : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रजातंत्र में कोई भी व्यक्ति बडा नहीं होता, प्रजातंत्र में जनता बडी होती है और जनता के फैसले को स्वीकार करना चाहिए। विज आज यहां विधानसभा में सत्र के दौरान शपथ ग्रहण करने के पश्चात हरविन्द्र कल्याण को सर्वसम्मति से विधानसभा का स्पीकर चुने जाने पर बधाई दे रहे थे। इससे पहले, विज ने स्वयं विधानसभा सदन में शपथ ग्रहण की और हस्ताक्षर भी किए। उन्होंने हरविन्द्र कल्याण को विधानसभा का अध्यक्ष चुने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि मैंने आपको लंबे समय तक काम करते हुए देखा है, और मैं जानता हूं कि आप हमेशा हर हालात में शांत स्वभाव से समस्याओं का हल करते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा के स्पीकर के बारे में कहा कि आपने अपने कूल को कभी भी ब्रेक नहीं किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए ऐसा ही व्यक्ति सबसे उपयुक्त है। जो हर हालात में अपना कूल बनाकर रखें।

विज ने कहा कि यह सदन

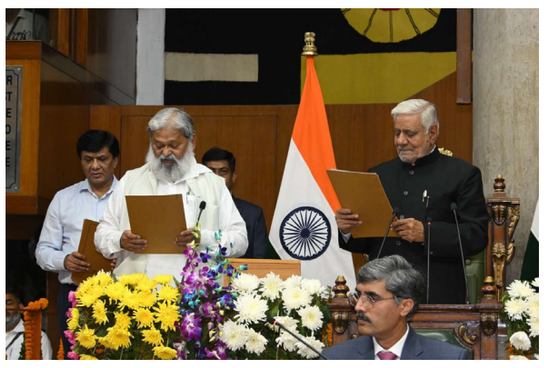

प्रजातंत्र का मंदिर है और यहां पर सभी सदस्य लोगों की बात कहने के लिए आए हैं, और प्रजातंत्र का पहला सिद्धांत होता है 'फ्रीडम टू स्पीच' कि हर सदस्य अपनी बात को यहां पर कह सकें, जनता की बात को कह सकें और सभी के साथ बराबरी का व्यवहार हमें करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि जैसा भी विषय आएंगें और जो भी हालात होंगें। आप उनको अच्छी प्रकार से प्रजातांत्रिक के अनुरूप आप उनका समाधान करेंगें। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को परामर्श स्वरूप कहा कि यहां पर कुछ गलत परंपराएं भी होती रही हैं, उनकी तरफ आपने ध्यान नहीं देना, जैसे वर्ष 2009 से 2014 तक जब मैं विधायक था, और हुडा साहब मुख्यमंत्री थे, मुझे सबसे ज्यादा बार सदन से बाहर निकालने का रिकॉर्ड बना हुआ है।

त्योहारी समय में पुलिस ने किए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध : दीपक सहारन

एजेंसी

हिसार। जिला पुलिस ने आने वाले त्योहारी समय को देखते हुए शहर की सबसे व्यस्त राजगुरु मार्केट और जिले में ट्रैफिक व्यवस्था व सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने का दावा किया है। पुलिस का मानना है कि त्योहारी समय में आमजन बाजारों में खरीददारी करते है और बाजारों में काफी भीड़ रहती है। कुछ असामाजिक तत्व इसका फायदा उठाने को फिराक में रहते हैं। इस त्योहारी समय पर मुख्य बाजारों में भीड़ के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस सुरक्षा प्रबन्ध किया गया है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस ने यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए बाजार के मुख्य मार्गों पर 11 नाके लगाए हैं। ये नाके गुलाब सिंह चौक, गांधी चौक, तेलियान पुल चौक, मदन कुल्फी कट, पारिजात चौक, पड़ाव चौक, नागोरी गेट, राम चाट भंडार के सामने, सिटी थाना पार्किंग और श्रवण चप्पल स्टोर के सामने टी प्वाइंट पर लगाए गए हैं। इन क्षेत्रों से मार्केट में चार पहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित होगा। इसके साथ ही आमजन की सुरक्षा के लिए मार्केट में 9 पैदल गस्त पार्टियों की भी नियुक्ति

की गई है जो मार्केट में गश्त के साथ असामाजिक तत्वों पर भी नजर रखेंगे ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। मार्केट में चार पहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित किया जाएगा। मार्केट में खरीददारी करने आने वाले नागरिकों के साथ दुकानदारों के लिए पार्किंग की भी व्यवस्था भी की गई है। पार्किंग के लिए के लिए ग्रोवर मार्केट, रैड स्कवेयर मार्केट, ग्रीन स्कवेयर मार्केट और थाना शहर के सामने के स्थान को चिन्हित किया गया है।

फसल कटाई प्रयोग के आधार पर ही तय होगी जिले की औसत पैदावार : डॉ. देवेंद्र श्योराण

एजेंसी

हिसार। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अर्थशास्त्री डॉ. देवेंद्र श्योराण ने जिले के गांव मैय्यड़, दाहिमा, चिकनवास व खेड़ी बर्की में फसल कटाई प्रयोगों का निरीक्षण किया। उन्होंने जिले के सभी गावों में फसल कटाई प्रयोगों का कार्य कर रहे कृषि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वर्तमान खरीफ सीजन में यह कार्य ध्यानपूर्वक करें। इन्हीं के आधार पर प्रत्येक गांव की औसत पैदावार तय की जाएगी तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों का क्लेम भी इन्ही के आधार पर ही निर्धारित किया जाएगा।

अर्थशास्त्री डॉ. देवेंद्र श्योराण द्वारा फसल कटाई प्रयोगों के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की जिले के सभी गावों में ड्यूटी लगाई गई है, जिनके द्वारा प्रत्येक गांव में फसल कटाई प्रयोग किए जा रहें हैं। आंकड़ों में शुद्धता लाने के उद्देश्य से ही इस कार्य को किया जा रहा है। फसल कटाई प्रयोग के आधार पर ही जिले की औसत पैदावार निकाली जाएगी। उन्होंने किसानों को बताया गया कि किसान

अपनी धान की फसल काटने के बाद उसके फाने न जलाएं। फाने जलाने उपरांत निकलने वाले धुएं से मानव शरीर पर घातक प्रभाव पड़ता है तथा फाने जलाने से जमीन की उपजाऊ शक्ति पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग के कर्मचारियों को भी निर्देश दिए गए कि किसानों को फाने जलाने उपरांत होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में ज्यादा से ज्यादा अवगत करवाया जाए। अर्थशास्त्री डॉ देवेंद्र श्योराण ने अधिकारियों को किसानों के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के बकाया की स्वीकृति प्रदान करने बारे में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि प्रत्येक गांव में रैंडम नंबर एवं स्मार्ट सैंपलिंग के माध्यम से फसल के लिए खेत का चयन किया गया।

डिजिटल लाइब्रेरी व कृषिकोष ई-संसाधनों से शोध कार्यों में आएगी तीव्रता: प्रो. बीआर कम्बोज

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के नेहरू पुस्तकालय द्वारा आईसीएआर व आईएआरआई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के कारण ज्ञान किसी राज्य या देश की परिधि व समय में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से दूर फैल रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों वाले ई-रिपोजिटरी ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा हाल के वर्षों में अनुसंधान और विकास का केंद्र बन गए हैं। उन्होंने बताया कि आईसीएआर ने सीईआरए और कृषि कोर्स जैसे डिजिटल रिपोजिटरी के माध्यम से विभिन्न ई-संसाधनों तक पहुंच की सुविधा प्रदान की है, जिससे एनएआईपी कंसोर्टियम परियोजनाओं के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) के तहत कृषि विश्वविद्यालय और आईसीएआर संस्थाओं को लाभ हुआ है। उन्होंने बताया कि नेहरू पुस्तकालय में 2 लाख 50 हजार पुस्तकें है। 2 लाख 6 हजार थीसिज उपलब्ध है जिससे शोधकर्ताओं को नए शोध करने में मदद मिलती है।आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक व पीआई (ई-ग्रंथ) डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कृषि कोष एक ऐसी डिजिटल रिपोजिटरी है जिसमें देश की समस्त कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों में किए गए शोध के शोधग्रंथों, अप्रकाशित साहित्य एवं संस्थागत प्रकाशन आदि इसमें उपलब्ध हैं।

समाधान शिविर में जिले से आई 46 शिकायतें, मौके पर 10 का समाधान

एजेंसी

हिसार। प्रदेश सरकार के आदेशानुसार नगर निगम से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य सभागार में समाधान शिविर लगाया गया। समाधान शिविर के तीसरे दिन उप निगमायुक्त वीरेन्द्र सहारण सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। समाधान शिविर में शहरवासियों ने प्रॉपर्टी टैक्स, सफाई, तहबाजारी, जन्म-मृत्यु व तकनीकी शाखा आदि शिकायतें दी। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार के अनुसार नगर निगम से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर एक माह के लिए प्रतिदिन लगाया जाएगा।निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि समाधान शिविर के चौथे दिन नगर निगम हिसार में 39 शिकायतें व पूरे जिले में 46 शिकायतें आई। इनमें से जिले से मिली 10 शिकायतों का समाधान मौके पर कर दिया गया। शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को समाधान करने के निर्देश दे दिये गए हैं। उन्होंने बताया कि अधिकतर शिकायतें प्रॉपर्टी टैक्स से सम्बन्धित हैं। इसके अलावा जन्म-मृत्यु, तकनीकी, सफाई शाखाओं से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। नगर निगम हिसार में 39 शिकायतें

आई जिनमें 6 का मौके पर निपटान किया गया। नगर परिषद हांसी में 5 शिकायतें आई जिनमें से 4 का मौके पर समाधान कर दिया गया। नगरपालिका नारनौंद में दो शिकायतें आई जिनके समाधान करने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों के दिशा-निर्देश दिये गए। समाधान शिविर के दौरान उकलाना, बरवाला व आदमपुर से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। शेष शिकायत के समाधान हेतू निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने जिले की सभी यूएलबी के अधिकारियों व कर्मचारियों का जल्द निपटान करने के आदेश दिये। समाधान शिविर के दौरान नगर निगम हिसार में अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, उप-निगम आयुक्त वीरेंद्र सहारण, कार्यकारी अभियंता संदीप धुंधवाल, कार्यकारी अभियंता संदीप सिहाग, एसडीओ साहिल, एई सुमित कुमार, सचिव संजय शर्मा, सचिव दीपक कुमार, जेई रामदिया शर्मा, जेई कुशल, कानूनगो होशियार सिंह राणा, एक्सपर्ट बिंदू ढांडा, एक्सपर्ट अनिल मेहता, एक्सपर्ट राजकुमार श्योकंद सहित सभी शाखाओं के कर्मचारी मौजूद रहे।

रेवाड़ी में बाल महोत्सव 2024 का समापन, देशभक्ति समूहगान प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई अद्भुत प्रतिभा

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी के मॉडल टाउन स्थित बाल भवन में आयोजित बाल महोत्सव 2024 का 11-दिवसीय कार्यक्रम समापन की ओर बढ़ा। इस अवसर पर देशभक्ति समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने अपने मधुर गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल कल्याण परिषद रेवाड़ी द्वारा उपायुक्त एवं प्रधान जिला बाल कल्याण परिषद अभिषेक मीणा के नेतृत्व और हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली, ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और बच्चों को प्रेरणा देते हुए प्रतियोगिताओं में अधिक भाग लेने के महत्व पर जोर दिया। समारोह में तीन वर्गों में आयोजित देशभक्ति

समूहगान प्रतियोगिताओं में, यूरो इंटरनेशनल स्कूल, कैनाल वैली पब्लिक स्कूल, आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, और राज इंटरनेशनल स्कूल सहित कई स्कूलों ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्णायक मण्डल में श्रीपति शेखावत, मदन डागर और सुधीर यादव शामिल रहे। इस दौरान बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को तालियाँ बजाने पर मजबूर कर दिया। जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने बच्चों के उत्साह और उनकी प्रतिभा की सराहना की। वंदना पोपली ने बाल भवन में आयोजित अन्य गतिविधियों की भी प्रशंसा की और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बाल महोत्सव में फैशन डिज़ाइनिंग सेंटर, कम्प्युटर ट्रेनिंग सेंटर, और ब्यूटी केयर सेंटर के प्रशिक्षुओं ने वोलंटियर के रूप में अपनी सेवा प्रदान की, जिसमें रेखा, करीना, प्रीति, अर्चना, हिमांशी, अंजली, एकता, निशा और प्रियंका शामिल थीं।

दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार सृजन: निर्मला सीतारमण

वाशिंगटन/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार सृजन को दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने विश्व बैंक से नौकरियां पैदा करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने की दिशा में देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।वित?त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को विश्व बैंक की एक बैठक में कहा कि रोजगार सृजन दुनियाभर में सबसे अहम मुद्दा है, खासकर लगातार आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति को देखते हुए जो श्रम बाजार को नया आकार दे रही है। सीतारमण ने 'विश्व बैंक को अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा कैसे तय करनी चाहिए तथा ग्राहकों को उभरते मेगाट्रेंड के साथ तालमेल रखने के लिए ज्यादा नौकरियों के सृजन में कैसे मदद करनी चाहिए' विषय पर एक चर्चा में यह बात कही। सीतारमण ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।

आईडीबीआई बैंक का मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। आईडीबीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 1836 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1323 करोड़ रुपये की तुलना में 39 प्रतिशत अधिक है।बैंक ने आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि दूसरी तिमाही शुद्ध ब्याज आय 26 प्रतिशत बढ़कर 3,875 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 3,066 करोड़ रुपये थी। साथ ही बैंक ने यह भी कहा कि शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) दूसरी तिमाही-2025 में 54 आधार अंक बढ़कर 4.87 प्रतिशत हो गया, जबकि दूसरी तिमाही2024 में यह 4.33 प्रतिशत था। बैंक ने गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में सुधार होने की बात करते हुये कहा कि सकल एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2023 को 4.90 प्रतिशत के मुकाबले 30 सितंबर, 2024 को 3.68 प्रतिशत पर आ गया और शुद्ध एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2023 को 0.39 प्रतिशत के मुकाबले 30 सितंबर, 2024 को 0.20 प्रतिशत पर आ गया।

बीपीसीएल का सकल मुनाफा 72.14प्रतिशत घटा

मुंबई । तेल विपणन करने वाली सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल शुद्ध लाभ 72.14प्रतिशत घटकर 2297 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 8244 करोड़ रुपये रहा था। बीपीसीएल ने आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि जुलाई सितंबर 2024 की तिमाही में उसका परिचालन राजस्व 117949 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 116657 करोड़ रुपये की तुलना में 1.11 प्रतिशत अधिक है।

सीतारमण ने की ब्रिटेन की राजस्व मंत्री से भेंट की

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठक के इतर ब्रिटेन की वित्त मंत्री रसेल रीवस से मुलाकात कर द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।इस अवसर पर श्रीमती सीतारमण ने सुश्री रीवस को अगले सप्ताह उनके पहले बजट प्रस्तुत के लिए शुभकामनाएं भी दीं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि भारत अगले वर्ष की पहली छमाही में लंदन में होने वाली अगली आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता की प्रतीक्षा कर रहा है।

भारत मना रहा है जश्न रिलायंस डिजिटल के इलेक्ट्रॉनिक्स फेस्टिवल के साथ

नई दिल्ली। इस दीपावली, रिलायंस डिजिटल की 'फेस्टिवल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स' सेल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स पर ब्लॉकबस्टर डील्स के साथ इंडिया के फेस्टिव जश्न को और भी खास बनाने के लिए तैयार है. ग्राहक 3 नवंबर, 2024 तक लीडिंग बैंक कार्ड्स से की गई खरीदारी पर ?15000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठा सकते हैं. यह ऑफर देश भर में रिलायंस डिजिटल/माय जियो स्टोर और ऑनलाइन http://www.reliancedigital.in पर लागू है. इसके अलावा, इन-स्टोर शॉपर्स ?22500 तक के लाभ के साथ कई फाइनान्स विकल्पों का फायदा भी उठा सकते हैं, जिससे नई आई टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है. सैमसंग नियो QLED TV में अपग्रेड करें और ?41990/- कीमत वाला 43 इंच का स्मार्ट टीवी 3 साल की वारंटी और ?1990 से शुरू होने वाली EMI के साथ फ्री पाइए. ?46900 कीमत वाली Apple वॉच सीरीज़ 10 अब 44900 में उपलब्ध है. पाइए AirPods 4, 11900 से शुरू और JBL Live Beam 3 जिसकी कीमत ?24999 है मात्र 12599 में. इंस्टंट डिस्काउंट और एक्सचेंज बोनस का फायदा उठाइए, ?45900 में iPhone 14 में अपग्रेड हो जाइए।

देश में 597 कंपनियों के मालिकों ने घटाई अपनी हिस्सेदारी, निवेशकों का बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। अक्टूबर में शेयर बाजार में आई जोरदार गिरावट से निवेशक पहले से ही परेशान हैं। इस बीच आज आई एक खबर ने उनके तनाव में और बढ़ोतरी कर दी है। इस खबर के मुताबिक देश में कम से कम 597 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही के दौरान कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग कम कर दी है यानी कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा दी है। वहीं करीब 200 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी में इजाफा भी किया है?।

स्टॉक मार्केट में लिस्टेड कंपनियों में से लगभग 3,300 कंपनियों ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही के बाद अपनी शेयर होल्डिंग से जुड़े आंकड़े जारी कर दिए हैं। इनमें से 597 कंपनियों के प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी घटाई है, जबकि लगभग 200 कंपनियों के प्रमोटर्स के हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है, वहीं लगभग 2,500 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स के शेयर होल्डिंग

डेटा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जब सभी लिस्टेड कंपनियों का शेयर होल्डिंग डेटा जारी हो जाएगा तो निवेशकों की हिस्सेदारी कम करने वाली कंपनियों की संख्या में और भी बढ़ोतरी हो सकती है।

शेयर होल्डिंग डेटा के मुताबिक जिन कुछ बड़ी कंपनियों में प्रमोटर्स ने अपने हिस्सेदारी घटाई है, उनमें अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, टाटा मोटर्स, स्पाइसजेट, प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के नाम शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर कंपनियों की ओर से पुराने कर्जों को निपटाने और काम का विस्तार करने के लिए प्रमोटर्स की शेयर होल्डिंग में कमी करने क ऐलान पहले ही कर दिया गया था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी में कमी करने की बात को लेकर अधिक चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अभी प्रमोटर्स द्वारा हिस्सेदारी में कमी करने की एक बड़ी वजह शेयरों का ऊंचा वैल्यूएशन है। कई कंपनियों के प्रमोटर्स ऊंचे वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए अपनी हिस्सेदारी में कुछ कमी करके पुराने कर्जों का निपटारा कर देते हैं। वहीं कुछ प्रमोटर्स अपनी लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए भी ऊंचे वैल्यूएशन के दौरान अपने हिस्सेदारी कम करने का तरीका अपनाते हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि प्रमोटर्स पर अपनी कंपनियां में अपनी हिस्सेदारी को बेचने पर रोक लगाने का कोई नियम नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रमोटर्स कई वजहों से अपनी हिस्सेदारी कम कर सकते हैं?।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब मिलेगा 20 लाख रुपये तक का लोन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की मौजूदा सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया है। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में मुद्रा लोन की सीमा को दोगुना करने का ऐलान किया था।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक अधिसूचना में कहा कि पीएमएमवाई के तहत ऋण की मौजूदा सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की गई है। जैसा कि वित्त मंत्री ने 23 जुलाई 2024 को केंद्रीय बजट में घोषणा की थी, उसी के अनुरूप यह बढ़ोतरी की गयी है। पीएमएमवाई में यह वृद्धि मुद्रा योजना के समग्र उद्देश्य को आगे बढ़ाने की आकांक्षा रखती है। यह वृद्धि विशेष रूप से उभरते उद्यमियों के लिए फायदेमंद है, जिससे उनके विकास और विस्तार में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि ये कदम एक मजबूत उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस की नई श्रेणी 10 लाख रुपये से अधिक और 20 लाख रुपये तक के ऋणों के लिए है। यह उन उद्यमियों के लिए उपलब्ध होगी, जिन्होंने तरुण श्रेणी के तहत पिछले ऋणों का लाभ उठाया है और उन्हें सफलतापूर्वक चुकाया है। माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड के तहत 20 लाख रुपये तक के पीएमएमवाई ऋणों की गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। पीएमएमवाई की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई। इसका उद्देश्य गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को आय-उत्पादक गतिविधियों के लिए 10 लाख रुपये तक का आसान संपार्श्विक-मुक्त माइक्रोक्रेडिट उपलब्ध कराना है।

सीतारमण ने फ्रांस के वित्त एवं उद्योग मंत्री एंटोनी आर्मड से की मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक की सालाना बैठकों 2024 के दौरान फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त एवं उद्योग मंत्री एंटोनी आर्मड से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है कि निर्मला सीतारमण ने एंटोनी आर्मड को फ्रांस के वित्त मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर उन्हें बधाई दी। केंद्रीय वित्त ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत फ्रांस को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान किया। इस मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने निवेश प्रोत्साहन, भुगतान प्रणालियों के एकीकरण, अंतर्राष्ट्रीय कराधान सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा निर्मला सीतारमण ने कई अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना बैठकों में भाग लेने के लिए अभी अमेरिका की राजधानी में मौजूद हैं।और संवेदनशीलता पर ध्यान केंद्रित कर शासन के प्रति अधिक उत्तरदायी और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देना

है, जिसके परिणामस्वरुप सेवा वितरण और लोकसंपर्क में सुधार होगा। यह प्रयास निरंतर व्यावसायिक विकास और कर्मयोगी पहल के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सीबीआईसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.163 अरब डॉलर घटकर 688.267 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। देश का विदेश मुद्रा भंडार 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.163 अरब डॉलर घटकर 688.267 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने जारी आंकड़ों में बताया कि 18 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.163 अरब डॉलर घटकर 688.267 अरब रह गया है। हाल के दिनों में विदेशी मुद्रा भंडार में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया था। आंकड़ों के मुताबिक 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का

अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 3.87 अरब डॉलर घटकर 598.24 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 1.79 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.44 अरब डॉलर हो गया लेकिन विशेष आहरण अधिकार 6.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.27 अरब डॉलर रह गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.32 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि सितंबर के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला सोना, चांदी में भी गिरावट

एजंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद आज सर्राफा बाजार में करेक्शन होता हुआ नजर आ रहा है। आज सोने 570 रुपये से 620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम हो गई है।

सोने की कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80 हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क कर 79,610 रुपये से लेकर 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73 हजार के स्तर से नीचे गिर कर 72,990 रुपये से लेकर 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत-जर्मनी हरित प्रौद्योगिकी तालमेल से वैश्विक विकास को बढ़ावा मिलेगा: पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग कला और भारत की भौतिक, डिजिटल या सामाजिक बुनियादी ढांचे में विस्तार करने की क्षमता दुनिया के लिए कुछ असाधारण बनाने में मदद करेगी।

गोयल ने नई दिल्ली में जर्मन बिजनेस (एपीके) के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एआई अपनाने से लेकर सेमीकंडक्टर तक देश के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने से लेकर हरित प्रौद्योगिकी पर सहयोग करने तक, भारत और जर्मनी के बीच तालमेल अभूतपूर्व विकास को गति दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की क्षमता जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग के साथ मिलकर दुनिया को लाभ पहुँचाने में सहायक होगी। गोयल ने

कहा कि एशिया का जनसांख्यिकीय बदलाव व्यवसायों के लिए उपजाऊ जमीन है, जो विस्तार करना चाहते हैं और उभरते क्षेत्रों का लाभ भी उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि आज का भारत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे पर बना है। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए सुधार, लचीलापन और तत्परता दुनिया भर के व्यवसायों के लिए उपलब्ध है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नही

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.47 प्रतिशत की तेजी लेकर 70.52 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.52 प्रतिशत चढ़कर 74.77 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप क्रांति के लिए एचसीएल सॉफ्टवेयर के साथ की साझेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में विनिर्माण से जुड़े स्टार्टअप को बढ़ावा देने की अपनी पहल के लिए एचसीएल सॉफ्टवेयर के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि डीपीआईआईटी देश में स्टार्टअप विनिर्माण परिवेश का समर्थन करने के लिए एक ऐसा वातावरण बना रहा है, जहां कॉरपोरेट घराने विनिर्माण स्टार्टअप को शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाएं। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत डीपीआईआईटी ने अब तक उद्योग के विभिन्न पक्षों के साथ मिलकर 80 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डीपीआईआईटी के संयुक्त

सचिव संजीव सिंह ने कहा कि इस कदम से देश में एक स्थायी विनिर्माण परिवेश स्थापित करने में मदद मिलेगी। स्टार्टअप इंडिया के निदेशक सुमीत के जारंगल ने कहा कि इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य अत्याधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों के साथ स्टार्टअप को सशक्त बनाकर और वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना है।मंत्रालय के मुताबिक डीपीआईआईटी पहले से स्टार्टअप को वैश्विक बाजार में पहुंच के लिए 'एचसीएल सिंक' कार्यक्रम तक पहुंच प्राप्त होगी, जिससे उन्हें दुनियाभर में अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, जिससे भारतीय नवाचार को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाया जा सकेगा। इस पहल के उद्देश्यों में स्टार्टअप को अद्वितीय उत्पाद और समाधान बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके साथ ही भारतीय बौद्धिक संपदा का विकास करना, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करना और एक मजबूत विनिर्माण परिवेश का निर्माण करना शामिल है।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ खुला, निवेशक 29 अक्टूबर तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 29 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। एफकॉन्स के शेयर 4 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

शापूरजी पल्लोनजी समूह की प्रमुख एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने इस आईपीओ के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 440 से 463 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ का मूल?य दायरा (प्राइस बैंड) 440-463 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए करीब 5430 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी इस आईपीओ के लिए 1,250 करोड़ रुपये के 2,69,97,840 फ्रेश शेयर जारी करेगी, जबकि कंपनी के मौजूदा

निवेशक ऑफर फॉर (ओएफएस) के जरिए 4,180 करोड़ रुपये के 9,02,80,778 शेयर बेच रहे हैं। इस समय एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रमोटर और प्रमोटर समूह की इकाइयों की 99 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले हफ्ते ही एफकॉन्स ने प्री-आईपीओ प्लेसमेंट में कंपनी के प्रबंधन, व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों से 2,967 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके अलावा कंपनी कर्मचारी आरक्षण हिस्से के तहत बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 44 रुपये की छूट दे रही है। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एक भारतीय समूह है। इसका इतिहास छह दशकों से ज?यादा पुराना है। कंपनी के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जटिल और चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को सफलतापूर्वक पूरा करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। इसके अलावा एफकॉन्स का समय से पहले परियोजनाओं को पूरा करने का इतिहास रहा है, जिसमें जम्मू-उधमपुर राजमार्ग प्रोजेक्ट, नागपुर मेट्रो रीच-3 और आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं शामिल हैं।

लगातार 5वें दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार पांचवें दिन जबरदस्त बिकवाली का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से इसकी चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने थोड़ी देर में ही लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके बाजार का सपोर्ट करने की कोशिश की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार की चाल में सुधार नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज जबरदस्त दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 437.43 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.36 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,021 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 853 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,088 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं, 80 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,514 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 376 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 122.18 अंक की तेजी के साथ 80,187.34 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक 188.03 अंक की बढ़त के साथ 80,253.19 अंक तक पहुंच गया। इसके थोड़ी देर बाद ही बाजार पर मंदड़िये हावी हो गए, जिससे ये सूचकांक गिरता चला गया। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2:30 बजे तक ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,115.21 अंक गिर कर 927.18 अंक की कमजोरी के साथ 79,137.98 अंक तक पहुंच गया। हालांकि कारोबार के आखिरी घंटे में हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 264.31 अंक की रिकवरी करके 662.87 अंक की गिरावट के साथ 79,402.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 18.65 अंक की मजबूती के साथ 24,418.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 40.85 अंक की बढ़त के साथ 24,440.25 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई।

हिंसा के मौजूदा माहौल में चिकित्सा पेशे के सामने बड़ी चुनौती

इन दिनों हिंसा की रोकथाम एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। हमें सामाजिक सद्भाव और तनाव में कमी के लिए काम करना चाहिए ताकि हिंसा को रोका जा सके। डॉक्टरों के रूप में हमें दुनिया भर के शांतिप्रिय लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करनी होगी, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मजबूत आवाज उठानी होगी।

शायद हम तब तक यह नहीं समझ पाये कि हमारे समाज में नैतिक संकट खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जब तक कि हमने कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और जघन्य हत्या की खबर नहीं सुनी। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर मुख्य रूप से दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई, अस्पतालों में सुरक्षा और संरक्षा, सरकारी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे को अपडेट करने और इस प्रकार रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार की मांग करते हुए अपना आंदोलन जारी रखे हुए हैं।डॉक्टर कई जगहों पर भीड़ की हिंसा का निशाना बने हैं, ज़्यादातर तुच्छ कारणों से। इसलिए, कार्यस्थल पर सुरक्षा की माग को लेकर डॉक्टरों के बीच आक्रोश, खासकर महिला डॉक्टरों के लिए, बिल्कुल जायज है। ये ऐसे मुद्दे हैं जिनके लिए डॉक्टरों को आंदोलन करने की ज़रूरत नहीं है, और संबंधित सरकारों का यह कर्तव्य है कि वे विभिन्न क्षेत्रों में सभी नागरिकों के लिए काम करने के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करें।स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा पेशेवरों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि उन्हें दिन-रात काम करना पड़ता है। वर्तमान परिस्थितियों में जब महिला डॉक्टरों की संख्या पुरुष सहकर्मियों से अधिक है, तो उनकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। कोई भी व्यक्ति किसी भी दवा की प्रतिक्रिया, शल्य चिकित्सा विफलता, चिकित्सा विफलता या अनजाने में हुई लापरवाही से पूर्ण इलाज या 100 प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता है। इसलिए जब स्वास्थ्य सुविधाओं और डॉक्टरों और पैरामेडिक्स सहित कर्मचारियों पर हमला किया जाता है और उपकरण, संपत्ति और अन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया जाता है, जिसने सैकड़ों रोगियों को बीमारी से उबरने में मदद की है, तब यह अस्वीकार्य है।आर जी कर मेडिकल कॉलेज के मामले में, यह संगठित अनियंत्रित भीड़ थी जिसने सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये और सुबूत नष्ट करने की कोशिश की। मामला अब सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच के अधीन है। आर जी मेडिकल कॉलेज कोलकाता की घटना इस बात का दुखद प्रतिबिंब है कि हम कितने अधीर, बेचैन, आक्रामक और बेपरवाह समाज

बन गये हैं। अस्पताल, क्लीनिक या अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को अब तक पूजा स्थल माना जाता रहा है और समाज द्वारा उन्हें उचित सम्मान दिया जाता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भीड़ द्वारा हत्या और घृणा फैलाने वालों को संरक्षण देकर समाज में आक्रामकता को बढ़ावा दिया गया है।बलात्कारियों और हत्यारों को बार-बार पैरोल दिए जाने से समाज में ऐसी मानसिक स्थिति बन गयी है, जहां आक्रामकता को सामान्य माना जाता है और इसने हिंसा और संघर्षों के राजनीतिकरण के संबंध में आबादी को लगभग असंवेदनशील बना दिया है। नैतिक पतन घर से शुरू हुआ है, जहां गुणात्मक संचार बदल गया है या कम हो गया है। स्कूलों में प्रारंभिक चरणों में शिक्षा की गुणवत्ता की कमी ने इसे और बढ़ा दिया है। चिकित्सा पेशे के लिए ये गंभीर मुद्दे हैं,

जिन पर विचार करना चाहिए।चिकित्सा क्षेत्र में कॉर्पोरेट जगत के प्रवेश के साथ चिकित्सा पेशा गंभीर प्रतिस्पर्धी व्यवसाय मॉडल बन गया है, जिसमें पीड़ितों या उनके परिवार के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। बढ़ती असमानताओं और कॉर्पोरेट संचालित स्वास्थ्य क्षेत्र में लोगों की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा वहन करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप चिकित्सा पेशे की अखंडता सवालों के घेरे में है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ चिकित्सा पेशेवरों ने स्वास्थ्य सेवा की कॉर्पोरेट प्रणाली को अपना लिया है और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के प्रति चिंता खो दी है।भविष्य में कई युवा डॉक्टर महामारी वैज्ञानिक या सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ बनेंगे। उन्हें बीमारियों, संक्रमण और रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए परिस्थितियों से निपटना होगा।

उन्हें स्वच्छ पेयजल, सीवरेज सुविधाओं, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वस्थ पोषण तथा अन्य ऐसे मुद्दों के बारे में उच्च अधिकारियों से बात करनी होगी। उन्हें कई बीमारियों की रोकथाम के कार्यक्रम, कुछ बीमारियों के दौरान टीकाकरण, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि की रोकथाम के लिए बरसात के मौसम में फॉगिंग करने में प्रशासन की विफलताओं पर प्रतिक्रिया देनी होगी।डॉक्टरों को प्राकृतिक आपदाओं में अपनी जान जोखिम में डालकर विपरीत परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। यह जलवायु परिवर्तन और इसके शमन के प्रति हमारे दृष्टिकोण को ध्यान में लाता है। यह सही समय है कि हम ऐसे मुद्दों पर नवोदित डॉक्टरों को प्रशिक्षित करें।यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंसा में वृद्धि एक वैश्विक घटना बन रही है। दुनिया के कई हिस्सों में चरम प्रकार की हिंसा देखी जा रही है। मध्य पूर्व और यूक्रेन के युद्धों में हजारों असहाय बच्चे और महिलाएं मारी जा रही हैं और चिकित्सा के अभाव में मर रही हैं। अफ्रीका और अन्य जगहों के कई हिस्सों में संघर्षों में सैकड़ों लोग भूख, कुपोषण और बीमारियों से मर रहे हैं। विश्व गरीबी रिपोर्ट 2024 के अनुसार हमारे देश में 129 मिलियन लोग 180 रुपये प्रतिदिन की मामूली मजदूरी पर अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं,

जो उनके पोषण और स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है।इन दिनों हिंसा की रोकथाम एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। हमें सामाजिक सद्भाव और तनाव में कमी के लिए काम करना चाहिए ताकि हिंसा को रोका जा सके। डॉक्टरों के रूप में हमें दुनिया भर के शांतिप्रिय लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करनी होगी, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मजबूत आवाज उठानी होगी और फिजूलखर्ची को खत्म करना होगा।हथियारों की दौड़ और स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक आवश्यकताओं के लिए धन के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए हमें इसके विरूद्ध आवाज उठानी होगी।

बालों की खोई चमक लौटा देगा ये कड़वा अदरक! दर्द और कब्ज में भी मददगार, जानें कैसे बदलेगा सेहत का खेल

ज़ांज़ीबार ज़ेरंबेट को कड़वा अदरक कहा जाता है और इसका उपयोग बालों और त्वचा की समस्याओं के लिए किया जाता है. इसका कंद पाउडर भी विभिन्न बीमारियों में सहायक है.

आनंद- भारत में अलग-अलग तरह के पौधे पाए जाते हैं. हिमालय और गिरनार में कई अनोखे और उपयोगी पौधे हैं., लेकिन बहुत कम लोग इनके बारे में जानते हैं. एक ऐसा पौधा है जिसे कहते हैं ज़ांज़ीबार ज़ेरंबेट. ज़्यादातर लोग इस पौधे के बारे में नहीं जानते, जो केवल पश्चिमी घाट और केरल में पाया जाता है. ये पौधा देखने में बहुत खूबसूरत है और औषधीय उपयोगों से भरा हुआ है. आज हम इसके बारे में जानेंगे.

ज़ांज़ीबार ज़ेरंबेट में हैं औषधीय गुण

सरदार पटेल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. कल्पेश ईश्नावा ने कहा, ÷ये पौधा अदरक प्रजाति से है. इसमें 141 अलग-अलग प्रजातियों का पता चला है. इनमें से ये पौधा कई तरीकों से फायदेमंद है. इसे कड़वा अदरक भी कहा जाता है, क्योंकि इसका स्वाद थोड़ा कड़वा होता है. इसे इसके बारीक शंकु जैसे आकार के कारण पाइंसकोन अदरक भी कहा जाता है. इस पौधे का इस्तेमाल ज्यादातर शैम्पू बनाने में होता है, इसलिए इसे शैम्पू अदरक के नाम से भी जाना जाता है.÷

ये पौधा भारत में पश्चिमी घाट और केरल में पाया जाता है

इसके अलावा, इसे बड़े पत्तों के कारण ब्रॉडलीफ अदरक भी कहते हैं. ये पौधा भारत, श्रीलंका और मलेशिया जैसे देशों में पाया जाता है. खासकर ये पौधा पश्चिमी घाट और केरल में मिलता है. ये पौधा खास पर्यावरण में ही बढ़ता है. ये पौधा मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय दक्षिण एशिया में पाया जाता है. ये पौधा जुलाई से नवंबर तक फल देता है. इसके फूल 6 से 12 सेंटीमीटर लंबे होते हैं, जो पहले हरे और बाद में लाल रंग के होते हैं. इस पौधे के पत्ते बहुत बड़े होते हैं.

ज़ांज़ीबार ज़ेरंबेट के आयुर्वेदिक लाभ

ये पौधा आयुर्वेदिक दृष्टि से बहुत फायदेमंद है. इसमें कई प्रकार के गुण होते हैं. इसका कंद पाउडर उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी है जो भूख महसूस नहीं करते. इसके अलावा, शरीर में दर्द, बुखार, दस्त, कब्ज, उल्टी, आंतों, ट्यूमर आदि से पीड़ित लोग भी इस पौधे का उपयोग कर रहे हैं. खासकर ये पौधा बालों के लिए उपयोगी है. इसे कंडीशनर बनाने में इस्तेमाल किया जाता है. क्योंकि ये बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है. इसके अलावा, ये उन लोगों के बालों की मरम्मत के लिए भी बहुत अच्छा होता है जो अत्यधिक बालों के झड़ने से परेशान हैं. इसी कारण से इससे शैम्पू और कंडीशनर बनाए जाते हैं. साथ ही, ये त्वचा की बीमारियों में भी बहुत उपयोगी है. इसके अलावा, इस पाउडर को शहद के साथ लेने से अत्यधिक दर्द, खांसी और अस्थमा जैसी बीमारियों में भी राहत मिलती है.

ज़ांज़ीबार ज़ेरंबेट के फायदे

1.बालों के लिए फायदेमंद- इस पौधे का इस्तेमाल कंडीशनर बनाने में किया जाता है. ये बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है, जिससे आपके बाल स्वस्थ और खूबसूरत नजर आते हैं.

2.त्वचा की देखभाल- ज़ांज़ीबार ज़ेरंबेट त्वचा की बीमारियों में भी काफी फायदेमंद है, जिससे आपकी त्वचा पर निखार आ सकता है.

3.प्रतिरोधक क्षमता- इस पौधे को खाने से आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (immunity) में सुधार होता है, जिससे आप सामान्य बीमारियों से बच सकते हैं.

संपादकीय

मोदी-जिनपिंग वार्ता : ईमानदार अमल ज़रूरी

रूस के कजान में चल रही ब्रिक्स की बैठक के दौरान मिले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता के कई सकारात्मक बिंदु हैं, बशर्ते कि उनका ईमानदारी से पालन हो। इस वार्ता में जिन बातों को लेकर सहमति बनी है, उन पर अगर बराबरी के स्तर पर क्रियान्वयन हो तो भारत को कहीं ज्यादा फायदा होगा। पिछले 10 वर्षों में इन दो पड़ोसी मुल्कों के रार्ष्ट्राध्यक्षों की कहने को तो 20 मुलाकातें हो चुकी हैं परन्तु दोनों के बीच स्थायी शांति के माहौल के कोई चिन्ह तक दिखाई तक नहीं देते। चीन ने भारत के लद्दाख क्षेत्र में न केवल बड़े भूभाग पर अतिक्रमण किया हुआ है बल्कि व्यापारिक तौर पर देखें तो उसे भारत से ही बड़ा मुनाफा हो रहा है। परस्पर आयात-निर्यात में बड़ा अंतर है।यानी जितनी मात्रा में चीन भारत को विभिन्न तरह की वस्तुओं का निर्यात कर रहा है, उसके मुकाबले भारत का उस देश को निर्यात बहुत कम है। हालांकि इसमें चीन इसलिये मददगार साबित नहीं हो सकता क्योंकि भारत की निर्माण एवं उत्पादन की क्षमता ही वैसी नहीं है जो चीन का मुकाबला कर सके। इन सबके बावजूद कूटनीतिक व रणनीतिक तौर पर %लाल ड्रैगन% कहे जाने वाले देश के साथ भारत के सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध समय की ज़रूरत है। उसकी विस्तारवादी नीति पर भारत अन्य देशों को साथ लेकर ही रोक लगा सकता है।इसके बावजूद मोदी-जिनपिंग वार्ता के महत्व से इंकार नहीं किया जा सकता। आबादी के मामले में दुनिया के सबसे बड़े दो देशों के बीच अच्छे और सहयोगात्मक रिश्ते दुनिया के लिये तो मायने रखें या न रखें, भारत के लिये नितांत ज़रूरी हैं। इस वार्ता में विकास को साझा लक्ष्य निरूपित किया गया है। भारत के चीन से व्यवसायिक सम्बन्ध भी अच्छे होने चाहिये ताकि दोनों देश मिल-जुलकर विकास करें। वैसे इसका सीधा सम्बन्ध दोनों देशों के बीच वास्तविक रूप से शांतिपूर्ण और विवादरहित वातावरण से है। दोनों देशों की सीमाओं पर पिछले करीब 5 वर्षों से तनातनी है।अनेक क्षेत्रों पर चीन द्वारा घुसपैठ की शिकायतें हैं। खासकर गलवान क्षेत्र में तो दावा किया जाता है कि कई किलोमीटर तक चीनी सीमाएं न केवल घुस आई हैं वरन उन्होंने भारतीय सीमा सुरक्षा बलों को गश्त लगाने से भी मना कर रखा था। अपनी विश्वगुरु की छवि बनाने तथा पीएम बनने के पहले %चीन को लाल आंखें% दिखाने जैसे बड़बोलेपन ने मोदी को इस कदर मजबूर कर दिया था कि उन्होंने इस बात से ही इंकार कर दिया था कि चीन ने कोई घुसपैठ की है। उन्होंने संसद में यहां तक कहा कि %न तो कोई सीमा में घुसा है, न ही घुसा था। इससे चीन का साहस इस कदर बढ़ा कि उसने अनेक भारतीय क्षेत्रों में न केवल अपनी बस्तियां बसा लीं वरन हेलीपैड तक बना डाला। इतना ही नहीं, चीन भारत के सीमावर्ती राज्य अरूणाचल प्रदेश पर भी अपना दावा पेश करता रहा है। यह अच्छी बात है कि दोनों देश अब अपनी-अपनी सेनाओं को पीछे हटाएंगे। हालांकि यह अब भी अंधेरे में है कि आखिर चीनी सीमा कितने पीछे हटेगी जो पिछले कुछ वर्षों में काफी आगे तक बढ़ आई है और यह भी साफ हो कि भारतीय सीमा कितनी पीछे हटेगी जो पहले से पीछे हटी हुई है।इस वार्ता का एक अच्छा पहलू यह भी है कि स्वयं चीनी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि उभय देशों को संयुक्त राजनीतिक धारणा बनानी चाहिये। उन्हें सद्भावनापूर्वक विकास के लिये सही तथा सकारात्मक मार्ग खोजने चाहिये। दूसरी तरफ़ नरेन्द्र मोदी ने भी भारत-चीन सम्बन्धों को क्षेत्रीय व वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिये महत्वपूर्ण बताया। उनका यह कहना अहम है कि परस्पर विश्वास, एक-दूसरे के लिये सम्मान एवं संवेदनशीलता सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्धों का आधार होंगे।

इस एक दशक में कभी गर्म कभी नर्म सम्बन्धों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यवसायिक हितों के सम्बन्ध बने हुए हैं। इसमें एक ओर तो स्वयं मोदी की गलती है जो गुट निरपेक्षता की राह को छोड़कर पश्चिमी व बड़े देशों, खासकर अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के साथ सम्बन्ध बनाने में ज्यादा रुचि लेते रहे, तो दूसरी ओर मोदी की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं एवं उसके आईटी सेल सहित असंख्य कार्यकर्ताओं ने चीन के प्रति देश में नकारात्मक वातावरण बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिवाली पर वहां की झालरों व बल्बों, होली की पिचकारियों के बहिष्कार तथा कुछ एप्स पर प्रतिबंध जैसे बचकाने अभियान चलाये गये। इन सबसे चीन का तो विशेष कुछ नहीं बिगड़ा, उल्टे भारत से चीन को होने वाला थोड़ा बहुत निर्यात या यहां से चीन में जाकर काम करने वाले व्यवसायियों के कारोबार ठप हो गये। चीन के भारत में बड़े निर्माण एवं ठेके बदस्तूर जारी रहे। अब इस वार्ता से उम्मीद की जा रही है कि यह व्यवसाय पटरी पर लौट आये। शी जिनपिंग ने इस बात को स्पष्ट किया कि दोनों देश प्रतिस्पर्धी नहीं वरन सहयोगी हैं।

बाघों के बहाने वीरान होते गांव

स्थानीय समुदाय और संरक्षित क्षेत्रों (अभ्यारण्य और राष्ठीय उद्यान) में वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति में संरक्षित क्षेत्र के अन्तर्गत संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र घोषित किए जाने की पूरी प्रक्रियाओं के चरण निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पहले वन अधिकारों की संपूर्ण मान्यता दी जाती है।

मध्यप्रदेश में आजकल राजधानी भोपाल से लगे हुए रातापानी अभ्यारण्य को 8 वां टाईगर रिजर्व बनाने की तैयारी चल रही है जिसमें 2170 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें राज्य के सीहोर और औबेदुल्लागंज के वन क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इसके अंदर 32 गांवों के दस हजार परिवार निवासरत हैं। दूसरी ओर अलग-अलग टाईगर रिजर्व के बीच कॉरीडोर बनाया जाना प्रस्तावित है जिसमें अनेक गांवों के विस्थापन की संभावना है। इस कॉरीडोर में कान्हा से पेंच टाईगर रिजर्व, पेंच से सतपुडा टाईगर रिजर्व और बांधवगढ़ से संजय टाईगर रिजर्व को जोडा जाएगा।

देश के 19 राज्यों के 53 टाईगर रिजर्व से 848 गांव के 89808 परिवारों को टाईगर रिजव के कोर क्षेत्रों से विस्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिनमें अधिकांश आदिवासी समुदाय के लोग हैं। अभी तक 257 गांवों के 25007 परिवारों को हटाया जा चुका है। विगत 19 जून 2024 को पर्यावरण मंत्रालय के राष्ठीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने एक आदेश जारी किया है। इसमें सभी राज्यों के अधिकारियों को राज्य में घोषित किए गए टाईगर रिजव के कोर क्षेत्रों में मौजूद 591 गांवों और उनके 64801 परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर स्थानांतरित करने का निर्देश शामिल है और इस पर कार्य योजना तथा नियमित प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है।

एनटीसीए द्वारा विस्थापन को लेकर उठाये गए ये कदम पूर्ण रूप से क़ानून और संरक्षण के ढाचों व भावनाओं की अवहेलना करते हैं और अनेक संबंधित क़ानूनों का उल्लंघन करते हैं। इनमें वन अधिकार क़ानून - 2006,वन्यप्राणी संरक्षण कानून ङ्क 1972 व संशोधित 2006, भू-अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम -2013, पेसा क़ानून - 1996, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम-1989 शामिल हैं। एनटीसीए द्वारा निर्देशित यह विस्थापन वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में संरक्षण के नाम पर सबसे बड़ा विस्थापन होगा।बाघ परियोजना की शुरूआत 7 अप्रेल 1973 को हुई थी। इसके तहत शुरू में देशभर में 9 बाघ अभ्यारण्य बनाए गए थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 53 हो गई

है। एनटीसीए के गठन सबंधी प्रावधानों की व्यवस्था करने के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम - 1972 में संशोधन किया गया। इन्हीं संशोधनों के बाद वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम - 1972 तथा संशोधित 2006 की धारा 38-(4) (द्बद्ब) के अनतर्गत प्रत्येक टाइगर रिजर्व में बफर क्षेत्र अधिसूचित किया जाना अनिवार्य किया गया है।बफर क्षेत्रक्रिटिकल टाईगर हैबीटेट (संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र) या कोर क्षेत्र के चारों ओर का वह क्षेत्र है, जहां कोर क्षेत्र की तुलना में कम प्रतिबंधों की आवश्यकता होती है एवं क्रिटिकल टाईगर हैबीटेट की समग्रता के लिए आवश्यक है। वन अधिकार कानून 2006 की कंडिका - 4(2) में प्रावधान है कि संकटग्रस्त बाघ आवासों की स्थापना राज्य सरकार द्वारा इस विषय पर गठित विशेषज्ञ समिति के परामर्श के आधार पर अधिसूचना के माध्यम से की जाएगी।

इन क्षेत्रों की स्थापना वैज्ञानिक तथ्यों और उद्देश्यों के आधार पर बाघ संरक्षण के उद्देश्य के लिए की जाती है। इन क्षेत्रों की अधिसूचना जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि जनजातियों या वन-निवासियों के अधिकारों को किसी प्रकार के प्रभाव से मुक्त रखा गया है। बफर क्षेत्र में लोगों की आजीविका, विकास, सामाजिक-सांस्कृतिक अधिकारों के साथ वन्यजीव तथा मानवीय कार्यों के सह-अस्तित्व के उद्देश्यों को बढाना जरूरी है। बफर क्षेत्र की सीमाओं का निर्धारण वैज्ञानिक तथा उद्देश्यों के आधार पर सबंधित ग्रामसभा और इस उद्देश्य के लिए गठित विशेषज्ञ समिति से परामर्श द्वारा होता है।

स्थानीय समुदाय और संरक्षित क्षेत्रों (अभ्यारण्य और राष्ठीय उद्यान) में वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति में संरक्षित क्षेत्र के अन्तर्गत संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र घोषित किए जाने की पूरी प्रक्रियाओं के चरण निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पहले वन अधिकारों की संपूर्ण मान्यता दी जाती है। उचित प्रतिनिधित्व के साथ विशेषज्ञ समिति गठित की जाती है जिसमें स्थानीय समुदाय का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। यह समिति विमर्श की खुली प्रक्रिया अपनाती है। प्रत्येक मामले के लिए व्यक्तिगत रुप से वैज्ञानिक और निष्पक्ष आधार का उपयोग किया जाता है।

%संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र घोषित करने के पहले वन्यजीवों को होने वाली अपरिवर्तनीय क्षति और उनके अस्तित्व के लिए खतरे को स्थापित किया जाना जरूरी है। यदि क्षेत्र में सामूहिक रूप से कोई खतरा होता है तो %सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजनाओं% में संशोधन या फिर, यदि जरूरी हो तो योजनाओं में दिए गए अधिकारों या उसे लागू करने के तरीकों में संशोधन के माध्यम से सह-अस्तित्व का परीक्षण किया जाता है। अगर सह-अस्तित्व संभव है तो लंबे समय के लिए सह-प्रबंधन प्रणाली बनाई जाती है। अगर सह-अस्तित्व संभव नहीं है तो सबंधित हिस्सों के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज तैयार किया जाता है जो मौजूदा कानूनों और नीतियों के अनुरूप हो और जिसे सबंधित ग्रामसभाओं की पूर्ण सहमति प्राप्त हो गई हो।

टाइगर रिजर्व की घोषणा के पहले उपरोक्त सभी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर गांवों को स्थानांतरित करने पर जोर दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, संजय-दूबरी, सतपुडा, पन्ना और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व हैं जो अन्य राज्यों से अधिक है। इन 7 टाईगर रिजर्व में से 165 गांवों के 18626 परिवारों को नोटिफाई किया जा चुका है और जिसमें से 109 गांवों के 9058 परिवारों को विस्थापित किया जा चुका है। अब 56 गांवों के 9568 परिवारों को विस्थापित किया जाना शेष है।

विस्थापित परिवारों को जो आश्वासन दिए गए थे, वे पूरे नहीं हुए हैं। सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के गांव साकई, झालई, नया माना और खामदा को जमानी के पास बसाया गया है, परन्तु यहां पीने के पानी तक का संकट है। इसी वर्ष अन्तर्राष्ठीय बाघ दिवस पर नई दिल्ली स्थित एक मानव अधिकार समूह द्वारा भारत के बाघ अभ्यारण्य = आदिवासी बाहर निकलें, पर्यटकों का स्वागत शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रोजेक्ट टाईगर के कारण अनुसूचित जनजातियों और अन्य वन-निवासी परिवारों के कम-से-कम 5.5 लाख लोग विस्थापित होंगे। 2021 से पहले 50 बाघ अभ्यारण्यों से विस्थापित लोगों की संख्या 254794 थी।

मां, बेटी एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं।

मां-बेटी का रिश्ता है सबसे खास

मां, बेटी की हर जरूरत को समझती है। उसकी परेशानियां, खुशियां, इच्छाओं को भला मां से बेहतर कौन जानेगा? पर ऐसा नहीं है कि बेटी इस मामले में कहीं पीछे हैं। वे भी मां की परछाई ही होती हैं। मां का सबसे ज्यादा ख्याल बेटी ही रखती है। दरअसल ये एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं। बस जरूरत है दोनों को कुछ बातों का ध्यान रखने की-

माएं ये ध्यान रखें

- आप पढ़ाई में अव्वल रही होंगी, पर बेटी को अपना उदाहरण देकर उसके मन में असंतोष को जन्म न दें। उसकी कक्षा की कुछ लड़कियां भी उससे पढ़ाई में आगे हो सकती हैं, उनसे तुलना न करें। हर बच्चा अपने में असाधारण हैं। तुलना उसके मन में नाराजगी और कुंठा को जन्म दे सकती है।
- सिर्फ पढ़ाई पर जोर नहीं होना चाहिये। उसके व्यक्तित्व के बहुआयामों को समझने के लिये उसे हर विधा आजमाने का मौका जरूर दें। नृत्य, संगीत, कला, खेल। आप तो उसके अंदर छुपे कलाकार से चमत्कृत हो ही जाएंगी, आप उसे भी अनगिनत खुशियां दे पाएंगी।
- उसकी भी समस्याएं हैं, पर समस्याओं को समस्या कहकर न पूछें। 'आज क्या-क्या हुआ' पूछ कर आप पूरे दिन की जानकारी रुचिपूर्वक सुनें। इतना थोड़ा सा समय देकर आप शायद उसकी सबसे अच्छी मित्र बन जाती हैं। साथ ही मित्रों से, टीचर्स के साथ आप उसके रिश्तों को भी पहचान पाती हैं, जो आज बहुत जरूरी है। यदि बच्चों की पूरी दिनचर्या को मां एकाग्रचित्त हो कर सुनें तो कई बार उनके बाल जीवन की परेशानियों और संभावित दुर्घटनाओं को रोक सकती हैं।
- बेटी से नाराज होकर कभी भी सार्वजनिक स्थल पर या घर के अंदर भी अतिथियों के सामने उस पर अपना रोष व्यक्त न करें। आप उसे अपनी नाराजगी का अहसास फिर कभी करवा सकती हैं, जैसे बातचीत सीमित करके या स्पष्ट रूप से, पर शांतिपूर्वक अपनी बात कहकर।
- आपका दिमाग कभी-कभी बड़ा अशांत हो उठता है, घर या बाहर की परिस्थितियों से। अपनी परिस्थितियों में घुटिये नहीं, बल्कि बिटिया को साझी बनाइये। परिस्थितियां बदल तो नहीं जाएंगी, पर उसका साथ आपमें एक नई हिम्मत और ऊर्जा देगा। बेटी के लिये मां से ऊंचा कोई दूसरा आदर्श नहीं होता, इसलिए मां को कभी भी स्थितियों से हार नहीं माननी चाहिये, क्योंकि वही संदेश आपकी बेटी ग्रहण करेगी। आपका दृष्टिकोण ही उसका जिन्दगी के प्रति नजरिया तय करेगा।

बेटी का फर्ज है ये..

- मां, घर में रहें या बाहर, वह दिन भर काम ही करती हैं। ऐसे में यदि बिटिया अपने हाथों से मां को चाय की प्याली या जूस का गिलास पकड़ाए, तो मां का मन खुश हो उठता है।
- आपको स्कूल में या कॉलेज में एक वातावरण मिलता है, उसका अपना असर होता है, जबकि घर में मां कुछ दूसरी बात कहती नजर आती है, ऐसे में सामंजस्य मुश्किल हो जाता है। पर ध्यान रहे कि मां के ऊपर आप अपना गुस्सा न निकालें। मां को समझाइये कि क्यों आप मां का चाहा या सोचा नहीं कर पा रहीं। ज्यादा उम्मीद है कि मां आपकी बात समझ जाये और अपनी इच्छा न मनवाये।
- कभी-कभी मां को ऑरगेनाइज होने में मदद करिए। यदि मां की छोटी-छोटी चीजें उनके डॉक्युमेन्ट्स आप संभाल कर फोल्डर में रख दें और मां को उनकी याद दिला दें, तो मां को बहुत तसल्ली और सुकून मिलेगा।
- अपनी समस्यायें, उलझनें मां से कभी न छुपायें। मां भी तो उम्र के इस दौर से गुजर चुकी हैं, जिससे आप गुजर रही हैं। जिंदगी से तब वो कैसे रूबरू हुई थीं, आप उनके अनुभवों से सीख सकती हैं। मां को यदि आपने सब बातों से वाकिफ रखा, तो कोई समस्या या व्यक्ति आपको परेशानी में नहीं डाल सकता।
- मां को उनके बीते दिनों की याद ताजा करवायें। उनके पुराने मित्रों के फोन नम्बर खोज कर मां को दें। गुजरे हुये दिन शायद मां के सबसे अच्छे दिन रहे हों। मां को भी अहसास होगा कि उसकी बिटिया उससे अलग नहीं, बल्कि उसकी प्रतिमूर्ति है, मन ही मन वह आपकी कृतज्ञ रहेगी और आपका यह कदम आप दोनों को और भी जोड़ेगा।

जब घर से ही शुरू हो प्रोफेशनल लाइफ

नौकरी छोड़कर घर से ही काम शुरू करने का निर्णय लेना आसान काम नहीं है। आपमें से कई ऐसा करना चाहती होंगी और कई कर भी चुकी होंगी। पर इस कठिन निर्णय को अपनाने से पहले आपको कई बातों का ध्यान रखना होगा।

मैं हमेशा से चाहती थी, मेरी एक ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट हो। सारा काम लैपटॉप और फोन के सहारे बढ़े, न ही कोई खास जगह की जरूरत और न ही किसी के लिए नौकरी करने की। मेरा करियर तो बस मेरे हाथ में होगा।'

30 साल की श्वेता ने दो महीने पहले अपनी वेबसाइट लॉन्च के मौके पर दोस्तों से वही सब कहा जो वह सालों से चाहती थी। पर अपना यह सपना पूरा करने के लिए उसने अपने पहले सपने को पीछे छोड़ दिया। सपना नौकरी करने का, जी हां, घर से अपना काम शुरू करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी। पर श्वेता मानती हैं नौकरी छोड़ घर से कोई भी काम करने से पहले बहुत सी चीजों के लिए खुद को तैयार कर लेना चाहिए। क्योंकि नौकरी छोड़ते ही जिंदगी में अचानक से बहुत कुछ बदल जाता है। सबसे पहली चीज तो लाइफस्टाइल ही होती है। और क्या-क्या रखें याद, आइए जानते हैं-

खुद से पूछें कुछ सवाल

नौकरी छोड़ कर घर से काम शुरू करने का निर्णय छोटा नहीं है। याद रखना होगा आप अपने निर्णय में सफल नहीं हुई तो दोबारा सफलता की सीढियां आपके रास्ते में यों ही नहीं आ जाएंगी। तो रास्ता बदलने से पहले खुद से कुछ सवाल जरूर पूछें, जैसे

क्या ऑफिस के माहौल को छोड़ अकेले घर पर बैठकर खुद के लिए काम करने के लिए आप तैयार हैं?

क्या जो काम आप घर से शुरू करने जा रही हैं, उसे करने के निर्णय पर आप लंबे समय तक टिकी रह पाएंगी?

काम से जुड़ी सारी जानकारी आपके पास है या पहले ट्रेनिंग लेना सही रहेगा?

आपके मनपसंद काम को आपके आसपास वालों द्वारा सराहे जाने की संभावना कितनी है?

घर से काम करने पर भी परिवार आपके प्रोफेशन को नौकरी जितनी ही महत्ता देगा या नहीं?

करना क्या है?

क्या करना है और कैसे करना है? इस सवाल का जवाब आपके पास होना चाहिए। इस पूरी प्रक्रिया की एक साफ तसवीर आपके दिमाग में होगी, तो आपका मन इस पर आसानी से फोकस भी कर पाएगा।

दिक्कतों से होगा सामना

घर से काम करने में भी आपको चुनौतियों का सामना करना होगा, इसलिए इनसे निपटने का फुलप्रूफ प्लान आपके पास होना चाहिए। यह बहुत साफ सी बात है कि दिक्कतें तो हर काम में आती ही हैं, पर इनसे बखूबी निपटने वाले ही सफल होते हैं। अगर आपने अपने काम पर पूरी रिसर्च की होगी ,तो आपको दिक्कतों का अंदाजा तो होगा ही। मतलब किस स्थिति में कैसी दिक्कत आ सकती है, यह आप जानती होंगी। अगर नहीं, तो इसकी जानकारी जरूर लें और इनसे निपटने के विकल्पों पर भी पहले से गौर कर लें।

आर्थिक रूप से सक्षम हैं ना?

आप सालों से कमा रही हैं। हर महीने कमाई का बड़ा हिस्सा भविष्य के लिए जमा कर रही थीं। पर क्या यह इतना है कि आगे का एक बड़ा समय ठीक से, आसानी से बिना किसी आर्थिक किल्लत के कट जाए? सवाल के जवाब में अगर आप हां कहती हैं, तो ठीक है। पर जवाब न है, तो नौकरी छोड़ कर घर से काम करने के फैसले पर जरा दोबारा विचार कर लीजिए। यह जरूरी नहीं है कि नए काम में कमाई तुरंत ही होने लगे।

शुरू में ही न करें बड़ा निवेश

भले ही आपने एक अच्छी राशि भविष्य के लिए रख ली है, पर याद रखें कि शुरुआत में ही एक बड़ी राशि अपने नए काम में निवेश न करें। यह एक बड़ा रिस्क हो सकता है। अगर परिणाम नकारात्मक हुआ तो आपको निराशा तो होगी ही, पैसा डूबेगा वो अलग।

जान-पहचान तो हैं ना?

आपने जिस भी काम को घर से करने के बारे में सोचा है उससे जुड़े लोगों से आपकी जान-पहचान तो है ना? मतलब काम शुरू करने के पहले आपको पूरी तरह से तैयारी करनी होगी। नौकरी छोड़ने के बाद अगर जीरो लेवल से काम शुरू करेंगी तो आपको ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

धैर्य से दोस्ती कर लीजिए

खुद को इतना बड़ा ब्रेक देने से पहले आपको धैर्यवान बन जाना होगा। हालांकि अच्छे की आशा करनी चाहिए, पर बुरे समय या अच्छे समय के इंतजार के लिए तैयार रहना ही समझदारी है। कुछ ही दिनों में आपके धैर्य की परीक्षा भी होगी, पर सफल होना है, तो इस धैर्य का दामन आपको थामकर रखना होगा।

अगर असफल रहीं तो

अगर एक नया काम शुरू कर रही हैं तो सफलता और असफलता दोनों की ही संभावना बराबर की है। इसलिए अगर असफल रहीं तो क्या करेंगी, यह जरूर सोच लें। प्लान बी आपके पास पहले से तैयार रहेगा तो आप आनेवाली चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगी।

तुम अपने दोस्त जितने अच्छे क्यों नहीं!

दूसरे बच्चों के साथ तुलना करने के चक्कर में अक्सर माता-पिता अपने बच्चे को निकम्मा, नकारा व नासमझ घोषित करने में लगे रहते हैं, इस बात की परवाह किए बिना कि उनके ये ताने बच्चे के आत्मविश्वास पर क्या असर डालते हैं।

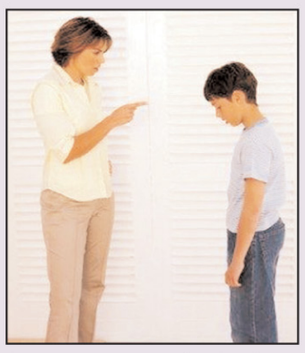

रीटा अपने आठ साल के बेटे मोंटू को छोटी-छोटी बातों पर डांटती रहती है। उसके नंबर कम आते हैं तो वह कहती है, 'तुम जिंदगी में कुछ नहीं कर पाओगे। दूसरे बच्चों को देखो कितने अच्छे अंक लाते हैं। मोंटू के हाथ से कभी कोई गिलास या कप गिर जाता है तो रीटा उसे डांटते हुए कहती है, 'तुम एक काम ठीक से नहीं कर सकते।' इस प्रक्रिया में रीटा कभी यह सोचने की कोशिश नहीं करती कि मोंटू की मानसिकता पर इन सबका क्या असर पड़ता है। वह बस यही चाहती है कि उसका बच्चा उसकी अपेक्षाओं पर खरा उतरे और हर चीज में परफेक्ट हो। रीटा की अपेक्षाएं भी कम नहीं हैं। वह चाहती है कि उनका बेटा स्कूल में टॉपर हो और खेलों में चैम्पियन। पर क्या इस तरह के दबावों और नकारात्मक माहौल में बच्चा सचमुच बेहतर काम कर सकता है? जवाब होगा नहीं।

कहीं आपकी अपेक्षाएं तो ज्यादा नहीं!

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ अरुणा कहती हैं, 'बच्चों के साथ इस तरह का नकारात्मक व्यवहार करने से उनकी मन-स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। वे अपने माता पिता से नफरत करना शुरू कर देते हैं। बच्चे सोचते हैं कि हम कुछ भी कर लें लेकिन माता पिता को हमें दोष देना ही है, फिर कुछ करने का फायदा क्या है। साथ-साथ बच्चों में यह धारणा भी पुख्ता होने लगती है कि वे सचमुच जीवन में कुछ नहीं कर पायेंगे। उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है। बच्चे खुद को हीन समझने लगते हैं। इन सबका प्रभाव बच्चे में अवसाद, गुस्सा और नर्वसनेस के रूप में दिखने लगता है, जो उनके पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है।'

विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता बस यही चाहते हैं कि बच्चे उनकी अपेक्षाओं और सपनों को पूरा करें। अभिभावक ये भी नहीं सोचते कि उन्हें बच्चे की योग्यता के अनुसार ही उससे कुछ अपेक्षा रखनी चाहिए। बच्चे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रखने की बजाय उसे लगातार प्रेरित और उत्साहित करते रहना चाहिए। उसकी कोशिशों को अहमियत देनी चाहिए और उसे समझाना चाहिए कि हमें कुछ भी पाने की लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। शुरुआती स्तर पर बच्चे के आत्मविश्वास को विकसित होने का भरपूर मौका व परिवेश देना चाहिए।

हर समय जबर्दस्ती अच्छी नहीं

माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा काबिल बने, पर इसके लिए बच्चों पर अनावश्यक बोझ डालना समझदारी नहीं है। बच्चों को सक्रिय और ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना अच्छा तो है, लेकिन बच्चे के साथ जबर्दस्ती करना ठीक नहीं है। इससे बच्चा बोझिल होने लगता है और वह हर काम को बोझ समझने लगता है। वह किसी भी काम को मन लगाकर नहीं करता। इससे उसकी फोकस क्षमता पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

कहीं आपको ही तो काउंसलिंग की जरूरत नहीं!

डॉ अरुणा मानती हैं, 'यदि मां-बाप बच्चों से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, तो ये मां-बाप का अपरिपक्व व्यवहार है। जरूरत से अधिक अपेक्षा रखना बच्चे के सहज विकास की प्रक्रिया को रोक देता है। इससे बच्चे की अपने परिवेश को सीखने-समझने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसी प्रक्रिया में बच्चों की काउंसलिंग की जगह मां-बाप को अपनी काउंसलिंग और एंगर मैनेजमेंट को सीखने की जरूरत है। ऐसी किसी भी स्थिति से निबटने के लिए माता-पिता को बिना किसी संकोच के काउंसलर या मनोचिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। इससे उन्हें एक ओर जहां पेरेंटिंग के बारे में कुछ नयी चीजें सीखने को मिलेंगी, वहीं दूसरी आपके इन प्रयासों का बच्चों पर भी सकारात्मक असर दिखाई पड़ेगा।'

खुद में बदलाव को रहें तैयार

बच्चों की गलतियों पर आप जो प्रतिक्रिया देती हैं, उस पर संयम रखना सीखें। बच्चों की छोटी-छोटी गलतियों पर उसे डांटें नहीं, बल्कि उसे प्यार और धैर्य से समझाएं। उस परंपरागत सोच से बाहर निकलें, जहां माता-पिता जो करते हैं वह सही है। समय और समाज में आए बदलावों के साथ खुद में भी बदलाव करें।

जानकारी

सीने में दर्द और जलन का कारण हो सकता है 'प्लूरिसी' रोग

फेफड़ों की झिल्लियों में हो जाता है इन्फेक्शन

सीने में दर्द और जलन हो, तो ये सिर्फ हार्ट अटैक या दिल की बीमारी का संकेत नहीं होता है, बल्कि कई बार फेफड़ों की बीमारी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्लूरिसी फेफड़ों से संबंधित रोग है। हमारे फेफड़ों की सुरक्षा के लिए उन पर पतली झिल्ली का दोहरा खोल चढ़ा होता है। इन झिल्लियों को प्लूरा कहते हैं। इसकी एक तह फेफड़ों के बाहरी भाग पर चढ़ी रहती है और दूसरी तह पसलियों के भीतरी भाग पर। इन्हीं झिल्लियों में होने वाले संक्रमण को प्लूरिसी कहते हैं। इस संक्रमण के कारण झिल्लियों में सूजन आ जाती है। इन दोनों झिल्लियों के बीच द्रव की एक पतली पर्त होती है, जो इन्हें चिकनाहट प्रदान करती है। इस रोग के कारण इन झिल्लियों में सूजन आ जाती है और ये अपेक्षाकृत मोटी हो जाती हैं। इस वजह से दोनों झिल्लियां आपस में टकराने लगती हैं। इस टकराहट के कारण झिल्लियों के बीच का द्रव एक जगह ठहरने लगता है और जमने लगता है। इसके कारण रोगी को छाती में तेज जलन और दर्द महसूस होता है जो कभी-कभी असहनीय हो सकता है।

यह हैं रोग के लक्षण

चूंकि ये रोग फेफड़ों से संबंधित है इसलिए इस रोग के कारण मरीज को सांस लेने, छींकने और खांसने में बहुत परेशानी होती है। इस रोग का सबसे आम लक्षण सीने में तेज दर्द और जलन है, जिसके कारण छींकने और खांसने में तेज दर्द होता है। प्लूरिसी के कारण सांस लेने और छोड़ने में भी तकलीफ होती है और दर्द महसूस होता है। इस रोग के कारण छाती भारी लगने लगती है और खांसने के दौरान मुंह से कुछ गंदे पदार्थ भी निकल सकते हैं। इसके अलावा बुखार आना, भूख न लगना और शरीर का वजन तेजी से कम होने लगना आदि प्लूरिसी के लक्षण हैं।

प्लूरिसी रोग के कारण

प्लूरिसी में तीन तरह से सूजन आ सकती है- शुष्क प्लूरिसी, नम प्लूरिसी और एम्पाइमा प्लूरिसी। फेफड़े में बैक्टीरियल इंफेक्शन या छाती की मांसपेशियों में वायरल संक्रमण शुष्क प्लूरिसी के कारण होता है। कई बार फेफड़ों की टीबी, फेफड़े का ट्यूमर जैसे रोग होने पर खून की सप्लाई रुक जाने से भी प्लूरा की तहों में सूजन आ जाती है। नम प्लूरिसी तब होती है जब प्लूरिसी में पानी भर जाता है। टीबी के कारण प्लूरा में पानी भर जाता है। इसके अलावा निमोनिया, ट्यूमर, कैंसर के कारण भी प्लूरा प्रभावित हो सकती है। पेट के अंदरूनी अंगों में सूजन होने पर भी ये तकलीफ हो सकती है। दिल, गुर्दे और जिगर में से किसी एक के ठीक से काम न करने पर भी प्लूरा में पानी भर सकता है। इसके अलावा एम्पाइमा होने पर प्लूरिसी में खून एकत्र हो जाता है। चोट से प्लूरा में खून एकत्र होने व संक्रमण हो सकता है।

सही समय पर इलाज जरूरी

प्लूरिसी रोग खतरनाक और जानलेवा होता है, इसलिए इसका सही समय पर इलाज जरूरी है। सीने में तेज जलन, दर्द, चुभन आदि को बिल्कुल नजरअंदाज न करें। पेट के किसी भाग में कोई सूजन समझ आए या भूख न लगे और छाती भारी लगे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उचित सलाह लें। छाती के एक्स-रे या अल्ट्रासाउंड में प्लूरा में पानी और मवाद के लक्षण दिख जाते हैं। अगर अल्ट्रासाउंड में प्लूरिसी रोग का पता चलता है तो इसका सही कारण जानने के लिए छाती के अंदर से सुई के माध्यम से नमूना निकालकर जांच की जाती है।

घरेलू इलाज

प्लूरिसी के लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, लेकिन इसके दर्द से तत्काल राहत के लिए कुछ घरेलू नुस्खों की मदद ली जा सकती है। दर्द से राहत के लिए गरम पानी से सिंकाई या इलैक्ट्रिक हीटिंग पैड असरकारी है। अगर आप नियमित श्वसन से जुड़े व्यायाम करते हैं तो प्लूरिसी होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है, क्योंकि इससे फेफड़े को खुलने में मदद मिलती है।

वर्कआउट करने का सही समय और फायदे

सही व्यायाम से घटेगा वजन

स्वस्थ व चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए जितना जरूरी सही खानपान है, उतना ही जरूरी व्यायाम भी है, जिससे हमारा वजन भी नियंत्रित रहता है। स्वस्थ जीवन और खुशहाल जिंदगी की कुंजी है व्यायाम। इस कारण हमारी दिनचर्या में व्यायाम को महत्वपूर्ण स्थान देना जरूरी हो जाता है।

जीवित रहने के लिए जिस प्रकार वायु, जल और भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। इसकी कमी से या इसको नियमित रूप से न करने से मनुष्य का जीवन दुर्बल और अनेक रोगों का घर बन जाता है। प्रतिदिन नियम के तहत व्यायाम करने से शरीर हल्का तथा फुर्तीला बना रहता है। व्यायाम हमेशा उतनी ही मात्रा में किया जाना चाहिए कि शरीर में थोड़ी थकावट तो महसूस हो, लेकिन आप थककर चूर न हो जाएं। जैसे-जैसे शक्ति का संचार बढ़े, वैसे-वैसे व्यायाम का समय बढ़ाया जा सकता है।

शरीर की शक्ति से बढ़कर व्यायाम करना हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे, व्यायाम शरीर को गठीला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है। विभिन्न लोगों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम हैं। कुछ शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए होते हैं और कुछ निरोगी रखने में सहायक होते हैं। ऐसे ही कुछ व्यायामों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, जिनसे बढ़ती उम्र को 10 साल तक कम किया जा सकता है।

खेलकूद में मन लगाएं

सामूहिक खेलकूद केवल कसरत करने से कहीं ज्यादा उपयोगी होते है। खेलो में मजा तो आता ही है, साथ ही शारीरिक कसरत भी हो जाती है, लेकिन सभी खेल एक जैसे उपयोगी नही होते। यह खेल की गति, उसमें लगने वाली ताकत, मासपेशियों के तालमेल, दबाव सहने की क्षमता आदि भी खेल की उपयोगिता पर निर्भर करती है।

जितना हो सके उतना चलें

चलना सभी उम्र के लोगों के लिए (खासतौर पर दिल की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए) काफी उपयोगी होता है। शारीरिक फायदों के अलावा चलने से स्फूर्ति और आराम मिलता है। मध्यम गति से एक किलोमीटर चलने पर करीब 50 कैलरी ऊर्जा खर्च होती है। इसलिए जितना हो सके, चलना चाहिए।

योग को जीवन में ढालें

योग में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के अनुशासन की जरूरत होती है। योग एक कमाल का व्यायाम होता है, जिसमें मूलतः तीन चीज की जाती हैं- आसन, मुद्राएं, बंध। नियमित योग हृदय रोग, रक्तवाहिका रोग, डायबिटीज और मोटापा जैसे रोगों की रोकथाम करता है।

योग की सीमाओं को समझें

किसी भी आसन को तीन से पांच बार और योग को एक से दो बार किया जा सकता है। अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रिरका जैसे प्राणायाम में सांस को अधिक देर तक न रोकें, वर्ना चक्कर आने एवं उल्टी आ सकती है। शीर्षासन को अधिक देर करने से चक्कर आ सकते हैं और ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सभी अभ्यास विशेषज्ञ की देखरेख में ही सीखें या करें।

नियमों को न करें नजरअंदाज

शुरुआत के लिए : शुरुआती दिनों में बहुत अधिक व्यायाम करने से बचें। ट्रेनर के अनुसार ही व्यायाम करें। सप्ताह में जितना व्यायाम कहा जाए, उससे ज्यादा करना शरीर को तकलीफ दे सकता है।

वार्मअप जरूर करें : व्यायाम शुरू करने के पहले वार्मअप जरूर करें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से तैयार हो सके। अगर आप वार्मअप की अनदेखी करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए हानिकरक हो सकता है।

उम्र के अनुसार : व्यायाम का चुनाव अपनी उम्र के अनुसार करें और शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। अगर आपको सेहत संबंधी कोई समस्या है, तो इसका विशेष ध्यान रखें।

खानपान का ध्यान : व्यायाम के साथ-साथ डाइट का भी विशेष ध्यान रखें और तेजी से पचने वाले भोजन का सेवन करें। ये शरीर में मांसपेशियों के निर्माण में सहायता करते हैं।

प्रभावी नहीं होते ये व्यायाम

- एरोबिक्स व्यायाम से शरीर लचीला और मजबूत तो बनता है, लेकिन यह चर्बी कम करने में उतना सक्षम नहीं है।
- स्पॉट ट्रेनिंग से वजन घटाना आसान नहीं होता। बेहतर होगा कि कार्डियो व्यायाम के साथ इनको मिलाएं।
- सिट-अप्स, क्रंच व एब्स एक्सरसाइज करने से पेट की चर्बी नहीं घटती। वजन घटाने के लिए प्रभावी व्यायाम का चुनाव करना जरूरी है।
- जब तक आप पेट ट्रेनिंग के साथ कार्डियो को नहीं मिलाते हैं, वजन घटाने में कोई इसका योगदान नहीं हो पाता है और आप व्यर्थ में ही पसीना बहा रहे होते हैं।
- सीधे पैर कर सिट-अप्स लगाना व्यर्थ है। इससे कोई फायदा नहीं होता। इस तरह से सिट-अप्स लगाने से कमर में चोट लगने की आशंका अधिक हो जाती है।
- अगर आप पूरे सेट लगाकर पुल-डाउन कर रहे हैं, तो ध्यान रहे कि आप रॉड को आगे की ओर रखते हुए ही इसे करें। पीछे से पुल डाउन करने पर आपकी गर्दन एवं कंधों में चोट आ सकती है।

खेल भी अच्छा व्यायाम

खेल शिक्षिका नंदिनी रावत के मुताबिक, स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम का बढ़ा महत्व है। व्यायाम से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। व्यायाम से शारीरिक अंगों का विकास होता है और दृढ़ता आती है।

सुझाव

पेट के ऊपरी हिस्से में हो रहा दर्द कहीं पैंक्रियाटाइटिस तो नहीं

पेट में दर्द कई कारणों से हो सकता है। कई बार ये सामान्य बीमारियों जैसे एसिडिटी, कब्ज, गैस आदि के कारण होता है और कई बार इसके पीछे कोई गंभीर बीमारी हो सकती है। अगर किसी को पेट के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द हो रहा है तो संभव है कि उसे पैंक्रियाटाइटिस यानि अग्नाशयशोथ हुआ हो। ये रोग दो तरह का हो सकता है यानि एक्यूट और क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस। इस बीमारी के नाम से आपको कुछ नहीं समझ आ रहा है तो घबराएं नहीं। हम आपको बता रहे हैं कि क्या है ये बीमारी और कैसे संभव है इससे बचाव।

क्या होता है पैंक्रियाटाइटिस

अग्नाशय पेट के पीछे उदर गुहा में होता है जो सामान्यतः छोटी आंत में खाना को पचाने वाले एंजाइम्स छोड़ता है। अग्नाशय से निकलकर जब ये एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचते है, तो एक्टिवेट होते हैं और खाना पचाने की प्रक्रिया शुरू होती है। अगर यही एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचने से पहले सक्रिय हो जाएं, तो अग्नाशय को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे अग्नाशय यानि पैंक्रियाज में सूजन आ जाती है। अग्नाशय की इसी सूजन को प्रैक्रियाटाइटिस कहते हैं। ये दो तरह के होते हैं। एक्यूट यानि तीव्र पैंक्रियाटाइटिस, जो तेजी से मरीज को अपनी चपेट में लेता है और इससे मरीज के दिल, फेफड़े या गुर्दे पर प्रभाव पड़ सकता है। दूसरा क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस यानि दीर्घकालिक पैंक्रियाटाइटिस, जिसमें मरीज को लंबे समय तक इस अंग विशेष में सूजन रहती है। पैंक्रियाटाइटिस एक गंभीर बीमारी है क्योंकि ये मरीज के दिल को भी प्रभावित कर सकती है। एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस में मरीज को अचानक से इसका दर्द हो सकता है और इसका कारण ज्यादा मात्रा में शराब पीना, पिताशय में पथरी या किसी एक्सीडेंक के कारण लगी चोट हो सकती है। इसमें मरीज की जान को खतरा होता है।

यह हो सकते हैं बीमारी के कारण

पैंक्रियाटाइटिस गंदगी के कारण होता है। सड़क के किनारे खड़े ठेलों और रेहड़ी पर बनने वाले फूड्स जिनमें मक्खियां भिनभिनाती हैं और धूल-मिट्टी भर जाती हैं, उन्हें खाने से पैंक्रियाटाइटिस का खतरा होता है। इसके अलावा पैंक्रियाटाइटिस का सबसे बड़ा कारण शराब का सेवन है। ज्यादा मात्रा में शराब पीना या लगातार शराब पीने से पैंक्रियाज प्रभावित होते हैं। इसके अलावा कुछ दवाइयों के रिएक्शन से, पित्त नलिका में बाधा आने से, किसी संक्रमण से या खून में कैल्शियम घुलने से ये रोग हो सकता है। सही समय पर इलाज न करने से इस रोग के कारण पैंक्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे करें बचाव

पैंक्रियाटाइटिस से बचाव के लिए एल्कोहलिक पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा एलर्जेंस यानि ऐसे पदार्थ जिनसे एलर्जी की संभावना होती है जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स, सोया प्रोडक्ट्स, केमिकल वाले फूड्स का सेवन बंद कर दें। कैफीन वाले पदार्थों का सेवन भी कम कर दें। इसके अलावा खाने में फल, सब्जियां, प्रोटीनयुक्त आहार, अनाज, ऑलिव ऑयल, कोकोनट ऑयल आदि का सेवन शुरू कर दें। रोजाना योग करें और तनाव से बचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2628

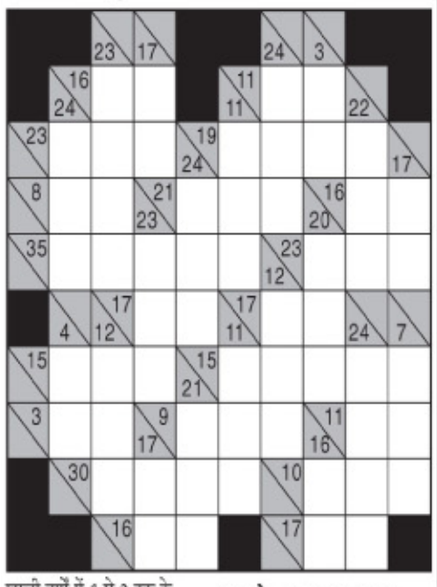

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्गों की संख्याओं से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

काकुरो - 2627 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

फिल्म वर्ग पहेली - 2628

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लकीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2627

सूडोकु -2628

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2627 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 2628

बाएँ से दाएँ

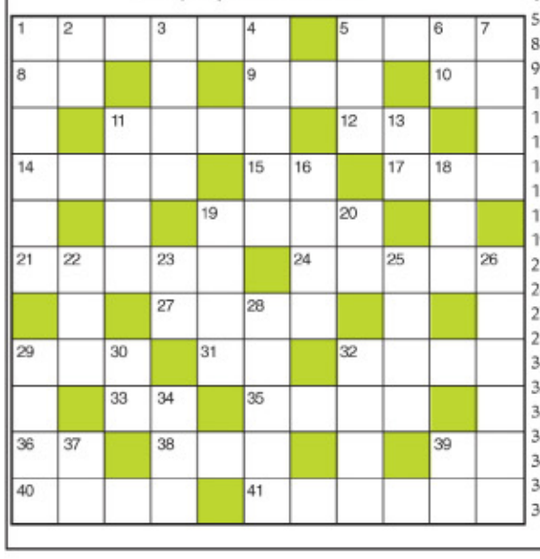

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -2627 का हल

वरिष्ठ नागरिकों के प्रति चिंतित हैं पीएम मोदी : बीएल वर्मा

एजेंसी

मुंबई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस पर केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देश में बुजुर्गों के सम्मान को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों की क्या-क्या जरूरतें हो सकती हैं, इन सभी बातों की पीएम मोदी हमेशा चिंता करते हैं। बातचीत में उन्होंने कहा कि हर साल 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाता है। हमने 1 अक्टूबर को एयरफोर्स बाल भारती विद्यालय में दादा-दादी की थीम पर यह कार्यक्रम आयोजित किया था। स्कूल प्रबंधक ने कार्यक्रम की सारी तैयारियां तीन दिन पहले ही कर ली थीं। यह दिल को छू लेने वाला कार्यक्रम था। सभी बच्चे अपने दादा-दादी को कार्यक्रम में लेकर आए थे। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को सम्मानित करने का काम पूरे महीने चल रहा है। गुरुवार को आराधना कार्यक्रम के जरिए बुजुर्गों को सम्मानित किया गया। हमारे एनजीओ पूरे देश में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते हैं। बुजुर्गों को सम्मानित करने के लिए मंत्रालय के दूसरे प्लेटफॉर्म पर भी यह पूरा काम किया जाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बुजुर्गों के लिए आयोजित कार्यक्रम में बुजुर्गों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुजुर्ग मौजूद थे। इस कार्यक्रम में हमें पूंजी के तौर पर बुजुर्गों का आशीर्वाद मिला।

अखिलेश यादव ने उठाए भाजपा की कार्यशैली पर सवाल

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा जब हारने के करीब होती है, तो कोई न कोई तिकड़म करने लगती है। वह कभी परिवारवाद के खिलाफ थी, लेकिन अब रिश्तेदारवादी हो रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। अखिलेश यादव ने कहा, इस वक्त, भारतीय राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति और उसकी रणनीतियों पर चर्चा हो रही है। भाजपा की चुनावी रणनीति और उसकी कार्यशैली को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। चुनावों के नजदीक आते ही, भाजपा ने समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी पार्टियों के खिलाफ विभिन्न संदेशों का सहारा लिया है। जब भाजपा को लगा कि वह हार सकती है, तो उसने अपनी रणनीति में बदलाव किया और नए तरीके अपनाए। उन्होंने कहा, भाजपा, जो पहले परिवारवाद के खिलाफ थी, अब रिश्तेदारवाद में उलझी हुई नजर आ रही है। यह विरोधाभास लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। खासकर, जब लोग भाजपा के अतीत को याद करते हैं और आज की स्थिति की तुलना करते हैं। भाजपा के पिछले चुनावी वादों और वर्तमान स्थिति के बीच का अंतर स्पष्ट हो रहा है।

मुंबई से कंडला आ रही फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी

भुज। मुंबई से कंडला आ रही स्पाइस जेट एयरलाइन्स के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्पाइस जेट एयरलाइन्स के एक्स एकाउंट पर मुंबई-कंडला फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद कच्छ पूर्व की पुलिस समेत विभिन्न जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने कंडला हवाईअड्डे पर जांच की है।

कंडला हवाईअड्डा प्राधिकरण के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है। एक अधिकारी के अनुसार स्पाइस जेट के एक्स अकाउंट पर बम संबंधी धमकी के बाद कंपनी ने इसकी जानकारी हवाईअड्डा प्राधिकरण को दी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को इसकी जानकारी दी गई। हवाईअड्डा पर विमान आने से पहले सभी सुरक्षा व जांच एजेंसियां कंडला हवाईअड्डा पर पहुंच गईं। विमान के कंडला हवाईअड्डा पर उतरने के बाद यात्रियों और उनके सामान की जांच की गई। जांच में किसी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की गई है।

एनआईए ने खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की चंडीगढ़ और अमृतसर में संपत्तियां कीं कुर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने खालिस्तानी आतंकी और देश में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू की तीन संपत्तियां कुर्क की हैं। एनआईए के मुताबिक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ विभिन्न छह मामलों की जांच चल रही है। इस संबध में एनआईए ने चंडीगढ़ में तीन संपत्तियां कुर्क की हैं। इसके अलावा अमृतसर एवं पठानकोट में कुछ भूमि कुर्क की गई है। चंडीगढ़ में कुर्क की गई तीन संपत्तियों में एक अपार्टमेंट भी है।

इसके अलावा अमृतसर में 46 कनाल और पठानकोट में 11 एवं 13 कनाल भूमि भी जब्त की गई है। एनआईए ने इस साल 15 अक्टूबर तक कुल 66 मामले दर्ज किए हैं। मूल रूप से पंजाब से ताल्लुक रखने वाले गुरपतवंत सिंह के पास वर्तमान में अमेरिका की नागरिकता है। पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ की पढ़ाई करने के बाद पन्नू विदेश चला गया था तभी से वह कनाडा और अमेरिका में रह रहा है। गुरपतवंत सिंह विदेश में रहकर ही खालिस्तानी गतिविधियों को अंजाम देता रहता है और समय-समय पर वीडियो जारी कर भारत सरकार के खिलाफ जहर उगलता है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से उसने सिख फॉर जस्टिस संगठन नाम के एक आतंकी संगठन का गठन किया, जिस पर भारत ने 2019 में प्रतिबंध लगा दिया था।

राष्ट्रपति ने पुरखौती मुक्तांगन में सरगुजा प्रखंड का किया लोकार्पण

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में सरगुजा प्रखंड का लोकार्पण किया। लगभग पांच करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सरगुजा प्रखंड में छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष रूप से सरगुजा अंचल के आदिवासी समुदाय की जीवनशैली और उनकी सांस्कृतिक व पुरातात्विक धरोहरों को प्रदर्शित किया गया है।इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, लोकसभा क्षेत्र रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक खुशवंत साहेब एवं रोहित साहू

उपस्थित थे। सरगुजा प्रखंड में सरगुजा अंचल के जनजातियों की अनुठी संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत और पुरावैभव को प्रदर्शित किया गया है। सरगुजा अंचल के विभिन्न जनजातियों के निवास स्थल व उनकी जीवनशैली को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे हम एक ही स्थल में विभिन्न आदिवासी समुदायों के रहन-सहन, संस्कृति से बेहतर तरीके से रूबरू हो सकते हैं।

सरगुजा प्रखंड में पण्डो जनजाति के पारंपरिक जीवन शैली को दर्शाते बांस और छिंद के पत्तों से बने घर को प्रदर्शित किया गया है। इन घरों में देवताओं के पूजा का विशेष स्थान होता है। इसी तरह पहाड़ी कोरवा जनजाति का आवास लकड़ी से बना होता है, जिसमें देवी-देवताओं की आकृतियां नक्काशी की जाती है। यह उनकी धार्मिक आस्था का प्रतीक है। प्रखंड में निर्मित सामत सरना शिव मंदिर डीपाडीह में प्राचीन मंदिरों के भग्नावेश की प्रतिकृति हैं, जो 7वीं-13वीं शताब्दी के हैं। यह स्थल पुरातात्विक और धार्मिक महत्व रखता है। इसी तरह कोरिया का बैकुण्ठपुर महल भारतीय वास्तुकला का उदाहरण है। यह महल 1946 में पूर्ण हुआ है, इसकी अपनी ऐतिहासिक महत्ता है, जिसको पुरखौती मुक्तांगन के सरगुजा प्रखंड में प्रतिकृति के रूप में निर्मित किया गया है। इसी प्रखंड में प्रदर्शित मड़िया खंबा आदिवासियों के सामुदायिक समारोह में उपयोग होता है। यह मड़िया जनजाति की पहचान का प्रतीक है, इसे पूजा स्थल के रूप में उपयोग किया जाता है।

इंदौर की स्वच्छता देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया से आई 18 सदस्यीय टीम

एजेंसी

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर को देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया से 18 सदस्यीय टीम इंदौर पहुंची। टीम के सदस्यों ने इंदौर की स्वच्छता की सराहना की और यह जानने की कोशिश की कि कैसे यह लगातार 7वीं बार देश में अव्वल रहा। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उन्हें इंदौर की जनता की भागीदारी और प्रतिबद्धता से अवगत कराया। इस दल में ऑस्ट्रेलिया के एक शहर के पूर्व मेयर सहित बेनाला रोटरी क्लब के 18 सदस्य शामिल थे। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने उनका स्वागत किया। फिर उन्होंने प्रतिनिधि मंडल को इंदौर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में जनभागीदारी के महत्व, इंदौरवासियों की प्रतिबद्धता, और स्वच्छता सर्वेक्षण में 7वीं बार नंबर वन बनने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया।

कांग्रेस में टिकट बेचने की पुरानी परम्परा : हिमंता बिस्वा सरमा

एजेंसी

रांची। बरही से कांग्रेस के पूर्व नेता व विधायक उमाशंकर अकेला के दो करोड़ रुपये लेकर टिकट देने के आरोप वाले बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं भी एक समय कांग्रेस में था। कांग्रेस में यदि एक स्टेट में 100 सीटें हैं तो 20 सीटें बिकती हैं। यह कांग्रेस की पुरानी परंपरा है।

सरमा ने कहा कि उमा शंकर अकेला ने जो बताया वह कोई नया बात नहीं है। हर राज्य में हमलोग देखते हैं कि कांग्रेस 20 प्रतिशत सीट बेचती है। मीर साहब पर कोई व्यक्तिगत आरोप लगाने से कोई फायदा नहीं है। यह कांग्रेस का सिस्टम है कि वे 20 प्रतिशत सीट बेच देते हैं। रांची में बागी उम्मीदवार वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि हर कोई चाहता है कि वह चुनाव लड़े और इसी को देखते हुए उनके द्वारा नामांकन भी की जाती है लेकिन नामांकन वापसी की तारीख तक इन्हें मनाया भी जाता है। उन्होंने कहा कि एनडीए की ओर से प्रत्येक सीट पर 1-1 प्रत्याशी खड़ा किया जा

रहा है लेकिन इंडी गठबंधन का हाल आप देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की सीट पर दो-दो, तीन-तीन उम्मीदवार खड़े हो रहे हैं। सरमा ने आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो को नामांकन करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि विपरीत मौसम के बावजूद हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से स्पष्ट होता है कि एनडीए के प्रति लोगों का रुझान क्या है। उन्होंने एनडीए के सभी सहयोगी दलों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि सुदेश महतो सिल्ली विधानसभा क्षेत्र से एक बार फिर रिकॉर्ड वोटों से जीतेंगे। साथ ही कहा कि झारखंड में एनडीए की जीत तय है। झारखंड में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि वादे के अनुसार, सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में ही गोगो दीदी योजना से झारखंड की युवतियों व महिलाओं के खाते में 2100 रुपये हर माह दिए जाएंगे।

दाना तूफान ने पार किया भितरनिका और धमारा तट

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा और पश्चिम बंगाल में चक्रवात दाना ने भितरनिका और धमारा तटों को पार करते हुए अब कमजोर हो चला है। आईएमडी के डीजी डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि दाना तूफान धीरे-धीरे अभी उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ सकता है और आज शाम तक यह कमजोर होते हुए एक गहरे दबाव में बदल जाएगा लेकिन बारिश जारी रहेगी। भारी से बहुत भारी बारिश अभी हो रही है।

ओडिशा के मयूरभंज, भद्रक, बालासोर, केओन्झार में बारिश होगी। इसके साथ ही अगले 24 घंटे में पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कई क्षेत्रों में बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने मछुआरों के लिए चेतावनी जारी कि है कि वे समुद्र में न जाएं। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती तूफान दाना पिछले 6 घंटों के दौरान 07 किमी प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ गया, एक गहरे अवसाद में कमजोर हो गया और यह अब उत्तरी तटीय ओडिशा, भद्रक से लगभग 40 किमी उत्तर-

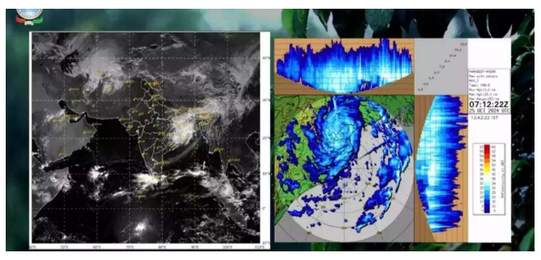

उत्तर पश्चिम में है। इस क्षेत्र में अधिकतम स्थिर हवा 55-65 किमी प्रति घंटे से लेकर 75 किमी प्रति घंटे तक है। इसके पूरे उत्तरी ओडिशा में लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होकर डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक दाना तूफान के तट से टकराने की प्रक्रिया 24 अकटूबर की आधी रात से शुरू होने के बाद सुबह तक जारी रही। चक्रवात के लैंडफॉल की प्रक्रिया करीब पांच घंटों तक चली। इस दौरान हवा की गति करीब 110 किलोमीटर प्रति घंटे रिकॉर्ड की गई। ओडिशा में चक्रवाती तूफान के कारण भारी बारिश के कारण आमजन प्रभावित हो गया है। हालांकि तूफान से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है लेकिन बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है।

मध्य प्रदेश को मिला 20,000 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण परियोजनाओं का उपहार

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्य प्रदेश लगातार विकास की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। उनके विजन के अनुरूप राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज़ी से विकास हो रहा है, जो प्रदेश के समग्र उत्थान में सहायक सिद्ध हो रहा है। मध्य प्रदेश की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 19 अक्टूबर को भोपाल में हुए सेमिनार में की गई घोषणा अनुसार प्रदेश को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क निर्माण योजनाओं की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

यह जानकारी प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए कार्यवाही तेज़ी से की जा रही है। आने वाले दिनों में लगभग 20 हज़ार 403 करोड़ की लागत से प्रारंभ होने वाली 27 परियोजनाओं से प्रदेश के मार्गों और सड़कों का विस्तार होगा, जिससे

यातायात सुगम बनेगा साथ ही सड़क सुरक्षा में अभूतपूर्व सुधार आएगा।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने केंद्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सौगात प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्य शुरू होंगे, जिससे यातायात में सुधार के साथ आर्थिक और सामाजिक प्रगति के नये आयाम स्थापित होंगे। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं से मध्यप्रदेश में विकास की रफ्तार बढ़ेगी और राज्य के नागरिकों के लिए सफर पहले से अधिक सुगम और सुरक्षित होगा।

- बैतूल-खंडवा सेक्शन (एनएच-347बी)= बेतूल से मोहदा (90 कि.मी.) और मोहदा से बाराकुंड तक 2-लेन प्लस पावर्ड सेक्शन का निर्माण किया जाएगा, जिसकी लागत 1,200 करोड़ रुपये है।

- देशगांव-खरगोन सेक्शन (एनएच-347बी)= 65 कि.मी. लंबी इस सड़क को 4 लेन में परिवर्तित करने के लिए 1,700 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

- खरगोन-बड़वानी सेक्शन (एनएच-347बी)= 35 कि.मी. की इस परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

- बरेठा घाट (एनएच-46)= इटारसी-बैतूल सेक्शन में टाइगर कॉरिडोर के इस 20 कि.मी. हिस्से को 4-लेन में परिवर्तित किया जाएगा, जिसकी लागत 550 करोड़ रुपये है।

- सलकनपुर-नसरुल्लागंज-बुधनी-बाड़ी स्ट्रेच= इस 41 कि.मी. लंबे हिस्से की लागत 650 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

- झाबुआ-रायपुरिया-पेटलावद सेक्शन= 50 कि.मी. लंबाई की इस परियोजना के लिए 650 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

बैतूल-खंडवा पैकेज-4 (एनएच-347बी):यह 33 कि.मी. लंबी परियोजना 381 करोड़ रुपये में पूरी होगी।

- सागर-कानपुर (पैकेज-3): सतिया घाट से अंगोर गाँव तक 55 कि.मी. की यह सड़क 1,006 करोड़ रुपये में बनेगी।

पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सात शूटरों को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। बिश्नोई गैंग के खिलाफ 'पैन इंडिया' कार्रवाई में स्पेशल सेल ने गैंग के सात शूटर्स को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, स्पेशल सेल ने सात संदिग्ध शूटरों को गिरफ्तार किया है, जो राजस्थान में किसी को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। ये गिरफ्तारियां 12 अक्टूबर को मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की सनसनीखेज हत्या के कुछ दिनों बाद हुई है। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी बिश्नोई गैंग ने ली है।

अधिकारियों ने कहा कि सात गिरफ्तारियां पंजाब और अन्य राज्यों से की गई है। पकड़े गए लोगों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि ऐसा संदेह है कि वे आरजू बिश्नोई के निर्देश पर राजस्थान में किसी को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे, जो जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का करीबी विश्वासपात्र है। जानकारी के मुताबिक, आरजू बिश्नोई लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ हैं, लेकिन इसे अनमोल बिश्नोई ऑपरेट करता है। पुलिस के मुताबिक हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली से गैंग के 7 शूटर्स पकड़े गए हैं। इसमें पहली गिरफ्तारी 23 अक्टूबर को हुई जिसमें सुखराम नाम का शख्स कमला नगर से पकड़ा गया था। इसके बाद साहिल और अमोल को दबोया गया था। इनमें रितेश सबसे पहले गिरफ्तार हुआ। वहीं बाद में प्रमोद संदीप और बदल की गिरफ्तारी हुई। इनके पास से 6 ऑटोमैटिक पिस्टल और 24 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

सुकमा में दम्पति समेत छह नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 24 लाख का इनाम था घोषित

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ की जा रही लगातार कार्रवाई का असर दिख रहा है। सुकमा जिले में एक नक्सली दम्पति समेत 6 नक्सलियों ने पुलिस एवं सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इन सभी पर कुल 24 लाख का इनाम घोषित था। इनमें नक्सल दम्पति पर 10 लाख, एक महिला, एक पुरुष नक्सली पर 5-5 लाख एवं दो पुरुष नक्सली पर 2-2 लाख का इनाम घोषित था। पूर्व में ये कई नक्सली वारदातों में शामिल थे। छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति'' एवं ''नियद नेल्ला नार'' योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण करने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले फ्रांस के महावाणिज्य दूत जीन मार्कसेरे

एजेंसी

भोपाल। फ्रांस के महावाणिज्य दूत जीन मार्कसेरे ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान शाम भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फ्रांस के महावाणिज्य दूत मार्कसेरे से मध्य प्रदेश में व्यापार, वाणिज्य और उद्योग क्षेत्र में फ्रांस द्वारा निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

फ्रांस के महावाणिज्य दूत मार्कसेरे शाम मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मार्कसेरे का अंगवस्त्रम् से स्वागत किया और स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले केन्द्रीय राज्य मंत्री मुरूगन

इससे पहले केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री मुरूगन का अंगवस्त्र द्वारा स्वागत किया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया देश के पहले हिमालयी 'लेखक गांव' का लोकार्पण

एजेंसी

देहरादून। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने केन्द्र सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री व उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने 'लेखक गांव' की परिकल्पना के लिए उनकी सोच, सामर्थ्य और पराक्रम को नमन किया। उन्होंने कहा कि लेखकों, कवियों, साहित्यकारों और अन्य रचना कर्मियों की महसूस की जा रही व्यावहारिक कठिनाइयों का निवारण करने की यह एक अभिनव पहल है। 'लेखक गांव' अपने प्रकार की प्रथम परिकल्पना है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने डोईवाला विधानसभा अंतर्गत थानो क्षेत्र में स्पर्श हिमालय महोत्सव-2024 के तहत आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साहित्य, संस्कृति एवं कला समारोह व धरोहर के संरक्षण के अद्भुत केंद्र 'लेखक

गांव' पुस्तक का लोकार्पण किया और इस क्षण को यादगार बनाया। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि यह उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है कि यहां 'लेखक गांव' का शुभारंभ हुआ है। उत्तराखंड ही एक ऐसा प्रदेश है जहां 'लेखक गांव' की सार्थकता नजर आएगी। देश का कोई भी प्रदेश ऐसा नहीं है जिसमें 'लेखक गांव'के नाम से कोई परिकल्पना साकार हुई हो। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि यह 'लेखक गांव' टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि लेखन में एक अद्भुत क्षमता होती है। लिखने और पढ़ने मात्र से आप किसी के जीवन में चमत्कार ला सकते हैं। एक लेखक के रूप में जब आप लिखते हैं तो आपको पता नहीं चलता कि आपके पास कितनी असीम शक्ति है। आप लेखन के माध्यम से लोगों के मन को प्रभावित करते हैं। हताश-निराश लोगों में आप लेखन के माध्यम से नई ऊर्जा और नई उमंग का संचार करते हैं। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति ने देश के पहले हिमालयी 'लेखक गांव' का लोकार्पण किया। थानो स्थित इस लेखक गांव में लेखक कुटीर, संजीवनी वाटिका, नक्षत्र और नवग्रह वाटिका, पुस्तकालय, कला दीर्घा, योग-ध्यान केंद्र, परिचर्चा केंद्र, गंगा और हिमालय का मनमोहक संग्रहालय बनाया गया है।

30 नवंबर तक पूरा करें आयुष विश्वविद्यालय के सभी कार्य : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भटहट के पिपरी में बन रहे प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 नवंबर तक सभी बचे काम हर हाल में पूरा करें ताकि दिसंबर माह के आयुष विश्वविद्यालय का भव्य उद्घाटन कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि इस समय सीमा तक कोई कोताही हुई तो निर्माण कराने वाली एजेंसी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण की भौतिक प्रगति की जानकारी ली। इस संबंध में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से बातचीत करते हुए वह प्रशासनिक भवन पहुंचे। कुलपति ने बताया कि प्रशासनिक भवन में हॉस्पिटल भी अवस्थित है। मुख्यमंत्री ने जब इस भवन की पूर्णता को लेकर सवाल किए तो उन्हें बताया गया कि अभी इसमें लिफ्ट लगने और कुछ हद तक फाइनल फिनिशिंग का काम शेष है। इस पर सीएम योगी

ने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय का उद्घाटन दिसंबर में कराने की योजना है। इसलिए 30 नवंबर तक निर्माण और फिनिशिंग से बचे सभी काम खत्म हो जाने चाहिए। सीएम योगी ने प्रशासनिक भवन के हाल और कमरों का अवलोकन किया और उसके बाद खुले परिसर में आ गए। उन्होंने परिसर में खाली पड़े हिस्सों में पौधरोपण कर इसे ग्रीन कैम्पस के रूप में विकसित करने और लैंड स्केपिंग के निर्देश दिए। उन्होंने यह हिदायत भी दी कि अभी से ऐसी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करें जिससे भविष्य में कभी भी परिसर में वाटर लॉगिंग न हो। निरीक्षण करने के बाद सीएम योगी ने आयुष विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में विश्वविद्यालय के निर्माण की प्रगति और संचालन को लेकर भावी कार्ययोजना पर समीक्षा बैठक की। बैठक में भी उन्होंने लोक निर्माण विभाग और निर्माण कराने वाली एजेंसी को चेतावनी दी कि 30 नवंबर तक की समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य हर हाल में पूर्ण हो जाना चाहिए। अन्यथा की दशा में कड़ी कार्रवाई का सामना करने को तैयार रहें। बैठक में निर्माण की पूर्णता को लेकर सीएम ने जो सवाल पूछे उसे लेकर निर्माण कराने वाली एजेंसी से जुड़े लोगों के पसीने छूटने लगे थे।

जम्मू-कश्मीर में हो रहे टारगेट किलिंग पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए : तारिक हमीद कर्रा

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए टारगेट किलिंग के मामले पर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने गंभीर चिंता व्यक्त की है।

तारिक हमीद कर्रा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने के तुरंत बाद बाहरी श्रमिकों और सुरक्षाबलों के खिलाफ पर हमले शुरू हो गए, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह एक संगठित प्रयास है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण चुनावों के बाद ऐसे घटनाक्रमों का होना यह दर्शाता है कि कुछ लोग शांति के खिलाफ हैं और जम्मू-कश्मीर को हमेशा एक तनावपूर्ण क्षेत्र बनाए रखना चाहते हैं, या फिर इस स्थिति से राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं।उन्होंने सरकार से अपील की है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए और सभी पक्ष, सुरक्षाबलों और प्रशासन को इस दिशा में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इसके अलावा, खुफिया तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है, क्योंकि चुनाव और इसके पूर्व की अवधि में खुफिया तंत्र में अधिक आत्मविश्वास दिखाई दिया था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि बैठक में राज्य से जुड़े मुद्दों को उठाया गया होगा। अब यह देखना जरूरी है कि इन मुद्दों का पालन करते हुए हमें क्या परिणाम मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों पर समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है, खासकर जब इन बैठकों में कोई निर्वाचित प्रतिनिधि उपस्थित नहीं था।

घर बैठे विदेशी डिग्री

ऑनलाइन एजुकेशन

भारत में नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई के बढ़ते चलन ने ऑनलाइन विदेशी विश्वविद्यालयों की चांदी कर दी है। पिछले कुछ सालों से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ कालेज छात्र-छात्राएं भी ऑनलाइन डिग्री के प्रति काफी रुचि दिखा रहे हैं।

चाहे आप विश्व के किसी भी कोने में हों, सुविधानुसार घर या ऑफिस में बैठे-बैठे नामी-गिरामी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से विभिन्न विषयों में ऑनलाइन डिग्री हासिल कर सकते हैं। इन विश्वविद्यालयों में बिजनैस, टैक्नोलॉजी, यहां तक कि नर्सिंग जैसे प्रायौगिक विषयों में भी ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी कहां से मिलेगी तो हमारी बताई कुछ वैबसाइटों पर क्लिक कीजिए।

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स से बिजनैस टैक्नोलॉजी, एजुकेशन और नर्सिंग में दो-तीन वर्षों में ऑनलाइन डिग्री हासिल की जा सकती है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी एम.ए. और पीएच.डी. की भी पढ़ाई करवाती है। वहां पढ़ाए जाने वाले ज्यादातर कोर्स विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रोफैशनल्स को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

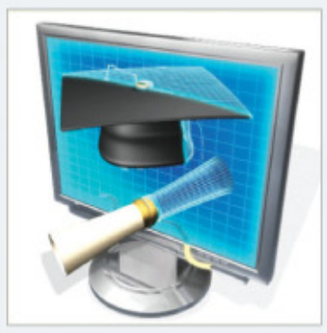

नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.uopxonline.com पर क्लिक करें।

बोस्टन यूनिवर्सिटी

बोस्टन यूनिवर्सिटी का ऑनलाइन 'मास्टर ऑफ साइंस इन कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' कोर्स अच्छा माना जाता है। हाल ही में यूनिवर्सिटी ने 'क्लिनिकल इन्वैस्टिगेशन' स्नातक स्तर का सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की दवा कम्पनियों में काफी मांग है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए http://www.bu.edu पर क्लिक करें।

वैस्टवुड कालेज

वैस्टवुड कालेज के ज्यादातर कोर्स बाजार में उपलब्ध नौकरियों को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं। इनमें क्रिमिनल जस्टिस, इंडस्ट्रियल सर्विसेज डिजाइनिंग, कम्प्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी, हैल्थकेयर और एम.बी.ए. आदि शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.westwood.edu पर क्लिक करें।

केपेला यूनिवर्सिटी

केपेला यूनिवर्सिटी में शिक्षा के लगभग 80 क्षेत्रों में 700 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। यूनिवर्सिटी बिजनैस व सूचना तकनीक में स्नातक स्तरीय कोर्स के अलावा मानव सेवा और साइकोलॉजी में अंतर स्नातक स्तरीय कोर्स भी करवाती है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.capella.edu पर क्लिक करें।

थंडरबर्ड स्कूल ऑफ इंटरनैशनल मैनेजमैंट

वॉल स्ट्रीट जनरल द्वारा विश्व स्तर पर इंटरनैशनल बिजनैस में नंबर वन कोर्स करार दिए गए थंडरबर्ड स्कूल में वैश्विक मैनेजमैंट में 60 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं। इसकी फैकल्टी में विश्व के अनेक प्रोफैशनल शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.thunderbird.edu पर क्लिक करें।

चाय के लिए एक लोकप्रिय कहावत है लबसोज, लबरेज व लबबंद यानी चाय का ऐसा प्याला जो होंठों को गरमी दे, लबालब भरा हो व मिठास लिए हो। जिस चाय के प्याले से आप अपने ताजगी भरे दिन की शुरुआत करते हैं उसी के जरिए कॅरियर को भी नई ताजगी दी जा सकती है।

टी मैनेजमेंट
ताजगी भविष्य की...

चाय का नाम सुनते ही एक ताजगी का अनुभव होता है। खुशी की बात यह है कि भारत दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक व उपभोक्ता देश है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की भी अपार संभावनाएं है। यह बहुत ज्यादा प्रचलित कॅरियर विकल्पों में से नहीं होने के बावजूद बेहद रुचिकर क्षेत्र जरूर है। टी मैनेजमेंट में चाय से जुडें अलग-अलग तरह के कार्य शामिल हैं।

कार्य का स्वरूप

चाय इंडस्ट्री में पौधों की बुआई, प्रोसेसिंग, ऑक्शनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग व रिसर्च का काम होता है। पौधों के लिए सही मिट्टी तैयार करना और फर्टिलाइजर्स का सही चुनाव भी इनके काम में शामिल होता है। चाय की तैयार पत्तियां सही समय और तरीके से ताड़ना भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण काम है। इसके बाद पत्तियों की प्रोसेसिंग का काम फैक्ट्रियों में होता है। यहां के बाद विभिन्न बागानों से आई पत्तियों की टेस्टिंग करके नीलामी के लिए भेजते हैं।

कंप्यूटर की मदद

वैसे तो चाय की गुणवत्ता पता लगाने के लिए टी टेस्टर्स होते हैं लेकिन अब इसके सटीक सम्मिश्रण के लिए कंप्यूटर की मदद भी ली जाती है। फिर भी टी टेस्टर्स के कथन को ही सर्वोपरि माना जाता है। भारत में असम, दार्जीलिंग और नीलगिरी में चाय के सबसे अच्छे बागान हैं। एक ही बागान में चाय की कई किस्में उगाई जा सकती हैं। यह एक मौसमी पौधा है, लिहाजा एक ही झाड़ से अलग-अलग सीजन में अलग-अलग तरह की पत्तियां निकलती हैं। इन्हें अलग तरीके से हैंडल भी किया जाता है।

योग्यता

शैक्षणिकः बुनियादी शिक्षा हासिल किए लोग भी टी इंडस्ट्री में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद नौकरी के लिए जरूरी कौशल सीखा जा सकता है। हालांकि बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल जाते हैं। टी टेस्टर्स को इस काम के लिए विधिवत प्रशिक्षण मिलता है। इसके अलावा इनमें नैसर्गिक प्रतिभा भी होती है। हालांकि दक्ष टैस्टर बनने के लिए वर्षों तक अभ्यास व प्रशिक्षण जारी रखना पड़ता है। इससे ही टेस्टिंग की कला निखरती है।

व्यक्तिगत योग्यताः इस क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वालों को घर से बाहर रहते हुए काम करने की आदत होनी चाहिए। उनका शारीरिक तौर पर फिट व आत्मनिर्भर होना और उनमें लीडरशिप का गुण होना जरूरी है। चाय बाजार और उसके बदलते मापदंडों पर पकड़ होनी ही चाहिए। टी टेस्टर्स की स्वाद कलिकाएं बेहतर होनी चाहिए। टी ब्रोकर बनने की चाह रखने वालों को चाय बाजार पर पकड़ के साथ ही इसके उत्पादक और खरीदार दोनों से अच्छे संबंध बनाने होते हैं।

रोजगार के अवसर

दुनियाभर में भारत के चाय का सबसे बड़ा निर्माता होने के चलते यहां असीम संभावनाएं हैं। चाय कंपनियों, चाय बागान, टी ब्रोकिंग हाउस, टी एसोसिएशंस और टी बोर्ड ऑफ इंडिया में आपको कार्य करने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। अनुभव प्राप्त टी प्लांटर आगे चलकर टी ब्रोकरेज में कदम रख सकता है। चाय सलाहकार बनकर भी व्यक्तिगत रूप से सुझाव देने का काम भी एक बेहतर विकल्प है। मुख्य तौर पर यहां निम्न कार्यों से जुड़ा जा सकता है।

प्लांटेशन/फैक्ट्री मैनेजरः बागान का नियंत्रण मैनेजरों के जिम्मे होता है। इनके काम में प्लांटेशन, रखरखाव, सही समय पर पत्तियों को चुनना, उन्हें पैक करवाकर नीलामी के लिए भेजना शामिल है।

टी टेस्टरः टी टेस्टिंग का क्षेत्र विशेषज्ञता की दरकार रखता है। इन्हें चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है। इसकी एक खामी यह है कि तरह-तरह की चाय टेस्ट करने से आपकी पाचन शक्ति या दांतों पर विपरीत असर पड़ सकता है, क्योंकि तेजी के दिनों में एक दिन में 200-300 कप भी चखने पड़ सकते हैं।

रिसर्चरः यहां रिसर्च का ज्यादातर काम बॉटेनिस्ट, बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स और दूसरे वैज्ञानिक करते हैं। इनके काम में अच्छी से अच्छी गुणवत्ता की चाय तैयार करना शामिल है।

टी ब्रोकरः टी ब्रोकर बिचौलियों का काम करते हैं, यानी वह उत्पादक और खरीदार के बीच सही तालमेल बैठाते हैं। यहां टी इंडस्ट्री का अनुभव काम आ सकता है।

कंसल्टेंटः टी बोर्ड ऑफ इंडिया और दूसरे टी एसोसिएशंस अपने यहां सलाह-सुझाव के लिए इन लोगों को नौकरी पर रखती हैं।

पारिश्रमिक

किसी अन्य क्षेत्र की तरह यहां भी अनुभव वेतन निर्धारण में दबर्दस्त भूमिका निभाता है। फिर भी प्रशिक्षुओं की शुरुआत 5 हजार रुपए से होती है जबकि अनुभव प्राप्त पेशेवर 25 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन पा सकते हैं। विशेषज्ञों को 40-50 हजार तक की आय संभव है।

चाय इंडस्ट्री में रोजगार के लिए बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल सकते हैं।

टी टेस्टिंग से जुड़े कार्य में चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है।

प्रशिक्षण देने वाले संस्थान

असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जोरहट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरु
दीपरस इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कोलकाता
दार्जीलिंग टी रिसर्च एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन, दार्जीलिंग
असम दार्जीलिंग टी रिसर्च, दार्जीलिंग
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचरिस्टिक स्टडीज, कोलकाता
द टी टेस्टर्स एकेडमी, कुन्नूर, केरल
यूपीएएसआई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वलपरई।

होम्योपैथी चिकित्सा

चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अब करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। मैडीकल लाइन में जाने के इच्छुक युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से होम्योपैथी चिकित्सा का क्षेत्र भी अच्छा माना जाता है। होम्योपैथी चिकित्सा की बड़ी प्राचीन पद्धति है। सबसे प्रमुख बात यह है कि इसकी दवाओं का शरीर पर कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। पुराने से पुराने रोगों के निदान में होम्योपैथी चिकित्सा कारगर सिद्ध हुई है। इसी कारण जहां लोगों का एलोपैथी के मुकाबले इस चिकित्सा के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है वहीं युवाओं को करियर के रूप में इस चिकित्सा क्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने की संभावना बलवती हुई है।वर्तमान समय में होम्योपैथी चिकित्सा का दायरा बढ़ा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरूआत जर्मनी से हुई थी और यह अमेरिका तक विस्तृत होते हुए भारत में भी फैल गई।

रोजगार के दृष्टिकोण से होम्योपैथी में डिग्री प्राप्त करने के बाद युवा चाहें तो अपना स्वयं का क्लीनिक खोलकर प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं या फिर किसी सरकारी अस्पताल अथवा स्वयंसेवी संगठन में नियुक्ति पा सकते हैं। शिक्षण क्षेत्र में नियुक्ति मिलने की संभावना रहती है नियुक्ति हेतु विज्ञापन विभिन्न राष्ट्रीय समाचारपत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए आवेदक को विज्ञान विषय सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इन्टर्नशिप सहित इस क्षेत्र में पढ़ाई की कुल समय सीमा पांच वर्ष की होती है। भारत के विभिन्न कालेजों में होम्योपैथी की पढ़ाई होती है। ऐसे प्रमुख संस्थानों की जानकारी समाचारपत्रों में मिलती रहती है।

कुछ संस्थानों के पते छात्रों की सुविधा हेतु यहां दे रहे हैं। इन संस्थानों से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी हासिल की जा सकती है। प्रवेश के लिए योग्यता, पाठ्यक्रम की अवधि तथा शुल्क आदि से संबंधित सभी बातें आवेदक को संस्थान से सम्पर्क कर पहले ही मालूम कर लेनी चाहिएं।

* के.एन.एच. मैडीकल कालेज, बरारी रोड, भागलपुर, (बिहार)
* नैशनल होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, लखनऊ,(उ.प्र.)
* आर.वी.टी.एस. गवर्नमैंट होम्योपैथिक मैडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर, (बिहार)
* स्टेट कानपुर होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, जी.एच.के. बिल्डिंग, कानपुर। (उ.प्र.)

सफलता के लिए समर्पण जरूरी- रसील गुजराल

रसील गुजराल अंसल कासा पैराडॉक्स की क्रिएटिव हैड और एक सफल इंटीरियर डिजाइनर हैं। प्रसिद्ध चित्रकार और आर्कीटैक्ट सतीश गुजराल की बेटी रसील का कहना है कि इंसान को धन तक जाने वाले सबसे छोटे रास्ते की तलाश नहीं करनी चाहिए। यहां वह अपने जीवन से जुड़ी यादें ताजा करने के साथ-साथ अपनी सफलता का राज सांझा कर रही हैं।

रसील ने बताया कि उन्होंने स्कूली शिक्षा देहरादून ने एक बोर्डिंग स्कूल में प्राप्त की। उनका कहना है कि वहां उन्होंने अपने स्कूली दिनों के सबसे अच्छे पल बिताए। इसका कारण यह है कि वहीं उन्हें अपनी खूबियों को जानने का मौका मिला, उनमें सही मायनों में आत्मविश्वास पैदा हुआ। वहां उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी काफी अच्छा किया और उन्हें कई सोशल स्किल्स का ज्ञान भी मिला।

इंटीरियर डिजाइनिंग का प्रशिक्षण उन्होंने अपने पिता और अपने भाई मोहित गुजराल के आर्कीटैक्चरल ऑफिस में लिया। यहां उन्हें तकनीकी बातों का ज्ञान मिला जबकि उनकी रचनात्मकता को पंख फैलाने की पूरी आजादी दी गई। बेशक शुरूआत में उन्होंने कई गलतियां कीं परंतु वह समय रहते उन्हें सुधार भी लिया करती थीं। यहां उन्हें किसी संस्थान में थ्योरी और प्रैक्टीकल जैसे बंधनों में नहीं बंधना पड़ा। यहां उन्होंने इंटीरियर डिजाइनर से अधिक एक इंटीरियर आर्कीटैक्ट का प्रशिक्षण हासिल किया।

फैशन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क के

डीन के लिए रैजीडैंशियल इंटीरियर डिजाइनिंग का काम उनका पहला प्रोजैक्ट था। पहले प्रोजैक्ट की यादें सांझी करते हुए रसील ने कहा कि डीन 1986 में नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी की स्थापना के लिए भारत आए हुए थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डिजाइनिंग का अनुभव हासिल करने वाले व्यक्ति के साथ काम करना उनके लिए बहुत रोमांचपूर्ण रहा। चूंकि सारा काम भारतीय ब्यूरोक्रेसी से होकर किया जाना था, उन्हें इस दौरान कई बातों से पहली बार परिचित होने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि सबसे रोचक बात थी कि इस प्रोजैक्ट में कंसल्टैंट के तौर पर कार्य करने के लिए कभी उनकी फीस अदा नहीं की गई क्योंकि उन्हें बार-बार बिल क्लीयर करवाने के लिए लोगों के पास जाने में शर्म आती थी। उनका कहना है कि आत्मनिर्भरता किसी से सीखी नहीं जा सकती यह खुद सीखनी पड़ती है। खुद को लगातार चुनौतियों का सामना करने को प्रेरित करने और अतीत में हासिल सफलताओं से ढीले नहीं पड़ना जैसी बातें उन्होंने अपने पिता से सीखीं।

वह किसी भी प्रोजैक्ट का महत्व उसके आकार, सम्भावनाओं या मिलने वाली रकम से नहीं लगाती हैं। उनकी संतुष्टि उन प्रोजैक्ट्स को तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुसार सबसे अच्छे ढंग से पूरा करने में निहित रहती है। उनका मानना है कि उनका एक मां-पत्नी-बेटी-किसी की मित्र होना ही उनको एक सम्पूर्ण इंसान बनाता है। उनके लिए जीवन का कोई एक भाग किसी अन्य भाग से अधिक महत्व नहीं रखता। उनके लिए सभी भूमिकाओं में संतुलन और सौहार्द बनाए रखना ही असली चुनौती है।

रसील का कहना है कि सफलता के लिए आपके परिवार का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही अपने काम से लगन और उसके प्रति समर्पण की भावना भी व्यक्ति में होनी चाहिए। अपने काम से लगाव ही व्यक्ति को सफल बनाता है।

सीमाओं का पालन करें

कार्यस्थल पर कई कारणों से हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। अक्सर हमें निजता के अतिक्रमण, नजरअंदाज या हमारा उपयोग किए जाने अथवा कई लोगों की बातों एवं तानों से आहत होने का सामना करना पड़ता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि अपनी निजता के उल्लंघन के लिए काफी हद तक हम खुद जिम्मेदार होते हैं। किसी भी व्यक्ति के प्रोफैशनल और पर्सनल विकास तथा इससे भी बढ़ कर उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वह कार्यस्थल पर अपने लिए तय निजी सीमा का उल्लंघन किसी को न करने दे।

कार्यस्थल पर निजी सीमा से तात्पर्य उस अंतर से है जो हमें अन्यों से अलग करता है। इसमें पर्सनल स्पेस, शारीरिक दूरी, संवाद, भावनात्मक एवं सामाजिक सीमाएं शामिल हैं।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और निजी अधिकारों की रक्षा के लिए इन सीमाओं का पालन करना बेहद जरूरी हो जाता है।

कार्यस्थल पर हमारी अधिकतर परेशानियों का मुख्य कारण इन निजी सीमाओं की रक्षा नहीं कर पाना है। अक्सर किसी ग्रुप में फिट होने की कोशिश में हम अन्यों को इन सीमाओं का उल्लंघन करने की छूट दे देते हैं।

हम अपने सच्चे रूप को इस भय में छुपाए रखने का यत्न करते हैं कि कहीं हम अन्यों से दूर न हो जाएं। इस प्रकार के व्यवहार से हम अक्सर कुंठा के शिकार होते हैं। इसके विपरीत यदि हम अपनी एक निजी सीमा निर्धारित कर लें तो हम सुरक्षित रहने के साथ-साथ लोगों से अधिक प्रभावशाली ढंग से निपटने में सक्षम हो सकेंगे। सीमाओं की रक्षा करने वाले लोगों के सहकर्मियों से संबंध ऐसा नहीं कर पाने वालों से कई गुना बेहतर रहते हैं।

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप चैलेंज लीग बी के लिए युगांडा की टीम में शामिल हुए 44 वर्षीय नसुबुगा

एजेंसी

कंपाला। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट विश्व कप चैलेंज बी के लिए 44 वर्षीय फ्रैंक नसुबुगा को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। युगांडा 4-16 नवंबर, 2024 के बीच कंपाला और एंटेबे शहरों में विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मुख्य कोच अभय शर्मा और एसोसिएशन चयन समिति द्वारा चुनी गई टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और पूर्व राष्ट्रीय अंडर-19 कप्तान पास्कल मुरुंगी सहित युवा प्रतिभाओं का मिश्रण है। कोच शर्मा ने एक नए कप्तान अली शाह को भी नियुक्त किया, जो एक गतिशील ऑलराउंडर हैं और ब्रायन मसाबा की जगह लेंगे। नए कप्तान अली ने कहा, यह मेरे लिए कोई चुनौतीपूर्ण काम नहीं होने वाला है। इस टीम में हर कोई अपनी भूमिका जानता है और उसे निभाने का प्रयास करता है। चैलेंज लीग बी टूर्नामेंट 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। मेजबान युगांडा 6 नवंबर को सिंगापुर के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और तीन दिन बाद तंजानिया से खेलेगा। युगांडा का सामना हांगकांग, इटली और बहरीन की टीमों से भी होगा।टूर्नामेंट शुरू होने से पहले, युगांडा पूर्वी शहर जिंजा में बहरीन के खिलाफ तीन अभ्यास श्रृंखलाएँ खेलेगा।

डब्ल्यूटीटी चैंपियंसः बर्नडेट स्ज़ोक्स को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची मनिका बत्रा

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने फ्रांस के मोंटपेलियर में विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नडेट स्ज़ोक्स को हराकर डब्ल्यूटीटी चैंपियंस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व की 30वें नंबर की खिलाड़ी बत्रा ने आठवीं वरीयता प्राप्त रोमानियाई खिलाड़ी के खिलाफ 29 मिनट में 3-1 (11-9, 6-11, 13-11, 11-9) से करीबी मुकाबले में जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे गेम में दो गेम प्वाइंट बचाए। चौथे गेम में 4-7 से पिछड़ने के दौरान स्ज़ोक्स ने टाइम-आउट लिया। हालांकि, बत्रा ने अपने 29 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी की देर से वापसी का मुकाबला किया और अपने दूसरे मैच प्वाइंट को स्कोर में बदलकर मैच को 6-5 से जीत लिया। इस तरह हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में उनका स्कोर 6-5 हो गया। बत्रा ने पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में भारत की 3-2 की जीत में स्ज़ोक्स को भी हराया था। फ्रांस की राजधानी में ओलंपिक में एकल में राउंड ऑफ़ 16 तक पहुँचने वाले देश की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली भारतीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला शनिवार को चीन की कियान तियानी से होगा। विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी कियान ने अपने राउंड ऑफ़ 16 मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त और हमवतन वांग यिदी को 3-0 (11-7, 11-9, 13-11) से हराया।

टूर्नामेंट गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ियों के निर्माण में योगदान देगा: सोनोवाल

डिब्रूगढ़। केंद्रीय मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ जिला खेल संघ द्वारा 25 से 30 अक्टूबर तक आयोजित यूएनईएक्स सनराइज अखिल भारतीय सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। यह टूर्नामेंट 13 वर्ष से कम आयु के लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में आयोजित किया जा रहा है । पूरे भारत से एथलीट, अधिकारी और प्रतिनिधि इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ में पहली बार अखिल भारतीय रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करना एक बड़ी उम्मीद और खुशी की बात है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट की समग्र सफलता की कामना की और आयोजकों की मजबूत भूमिका की सराहना की तथा खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट राज्य में गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ियों के निर्माण में योगदान देगा और खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। खेलों ने सदियों से मानव समाज को एक सूत्र में बांधे रखा है। खेलों में वह महान शक्ति है जो सद्भाव के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास को प्राप्त करने में मदद करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पिछले एक दशक में असम और पूरे देश में खेल क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। असम में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों की सफल मेजबानी ने असम को खेल मानचित्र की जीवनरेखा बना दिया है।

11वीं वेस्ट जोन शूटिंग चैम्पियनशिपः नवनीत और ओष्मी ने जीते 2-2 स्वर्ण पदक

भोपाल। राजधानी भोपाल के गोरेगांव स्थित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में स्कीट इवेंट के साथ 11वीं वेस्ट जोन शूटिंग चैम्पियनशिप शॉटगन का समापन हुआ। गत 20 से आयोजित इस प्रतियोगिता के अंतिम दिन मप्र राज्य खेल अकादमी के नवनीत सिंह भदौरिया और ओष्मी श्रीवास्तव ने जूनियर एवं सीनियर वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2-2 स्वर्ण पदक सहित कुल 4 पदक जीतकर प्रदेश का मान बड़ाया। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेल अकादमी के 2 होनहार खिलाड़ियों द्वारा 4 स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा खेल अकादमी के शूटर अपनी प्रतिभा से प्रदेश का गौरव बड़ा रहे हैं।

देवांक के 25 अंक के दम पर पटना पायरेट्स ने रोका तमिल थलाइवाज का विजय रथ

एजेंसी

देवांक। के तूफानी प्रदर्शन के दम पर तीन बार की चैंपियन पटना पायरेट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन के 15वें मुकाबले में तमिल थलाइवाज को 42-40 से हरा दिया। आज यहां गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 15वें मैच में तमिल थलाइवाज को हराकर पटना पायरेट्स ने जीत का अपना खाता खोला। पटना एक समय 11 अंकों से पीछे थी। लेकिन देवांक के तूफानी प्रदर्शन के दम पर उसने तूफानी वापसी करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। तमिल थलाइवाज की तीन मैचों में यह पहली हार है। पटना की ओर से देवांक के 25 अंकों के अलावा अंकित ने चार अंक लिए। वहीं, तमिल थलाइवाज के लिए नरेंद्र कंडोला ने 15 अंक जुटाए।

नरेंद्र कंडोला ने अपनी टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाई पहले पांच पांच मिनट के खेल में ही तमिल थलाइवाज को 5-1 की बढ़त दिला दी। कंडोला ने इसके बाद एक और अंक लेकर पटना को ऑलआउट की ओर धकेल दिया। थलाइवाज ने इसके बाद आठवें मिनट में पटना को ऑलआउट करके 11-5 की शानदार लीड ले ली। तमिल थलाइवाज की टीम ने इस तरह पहले 10 मिनट के खेल में ही 14-6 की बढ़त कायम कर ली। कप्तान

साहिल गुलिया की टीम ने अगले 10 मिनट के खेल में भी लगातार अंक लेना जारी रखा। पहले 10 मिनट में पटना का डिफेंस बिल्कुल भी नहीं चला और टीम एक भी टैकल प्वॉइंट नहीं लिया और इसी वजह से वो 15वें मिनट तक 18-8 से आगे चल रही थी। लेकिन अगले ही मिनट में देवांक ने सुपर रेड लगाकर पटना को तीन अंक दिला दिया। पायरेट्स अब केवल छह ही अंकों से पीछे थी। नरेंद्र कंडोला ने अपना सुपर-10 पूरा कर लिया। हालांकि 18वें मिनट में तमिल थलाइवाज ने सुपर टैकल करके फिर से अपनी लीड को मजबूत कर लिया। लेकिन पहले हाफ से कुछ सेकेंड पहले ही देवांक ने थलाइवाज को ऑलआउट करके पहले ही हाफ में भी पायरेट्स की वापसी करा दी। पहले हाफ की समाप्ति तक थलाइवाज के पास केवल पांच अंकों की बढ़त थी और उसका स्कोर 23-18 का था। पटना के देवांक का यह पहला सुपर 10 है। तीन बार की चैंपियन पायरेट्स दूसरे हाफ में लय में लौट ही रही थी कि 24वें मिनट में सचिन तंवर ने सुपर रेड लगाकर तमिल थलाइवाज को फिर से आगे कर दिया। हालांकि दो मिनट बाद ही देवांक ने चार प्वॉइंट की सुपर रेड लगाकर पटना को थलाइवाज के काफी करीब पहुंचा दिया। 28वें मिनट तक थलाइवाज की लीड केवल दो अंकों की रह गई थी। इस बीच, देवांक ने अपना 20वां अंक हासिल कर लिया। उन्होंने 30वें मिनट में एक बार फिर से सुपर रेड लगाकर पटना की मैच में वापसी करा दी।

301 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड ने मैच पर बनाई पकड़

एजेंसी

पुणे। मिचेल सैंटनर (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद कप्तान टॉम लेथम (86) रनों की जूझारू पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को भारत को पहली पारी में 156 के स्कोर पर समेट कर दूसरी पारी में पांच विकेट पर 198 रनों के साथ 301 की बढ़त हासिल कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी कप्तान टॉम लेथम और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने सधी हुई शुरुआत की। 10वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने डेवन कॉन्वे (17) को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद आर अश्विन ने विल यंग (23) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। रचिन रविंद्र (नौ), डैरिल मिचेल (18) तथा टॉम लेथम (86) को वॉशिंगटन ने अपना शिकार बनाया। दिन का खेल समाप्त होने के साथ न्यूजीलैंड ने 53 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 198 रन बना लिये थे और उसकी कुल बढ़त 301 रन हो गई है। टॉम ब्लंडल (नाबाद 30) और ग्लेन फिलिप्स (नौ) रन क्रीज पर थे। भारत की ओर आज के हीरो भी वॉशिंगटन सुंदर रहे। उन्होंने 19 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट लिये। वहीं आर अश्विन को एक विकेट मिला। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत पहली पारी में 156 के स्कोर पर समेटते हुए 103 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। कल के एक विकेट पर 16 रन से आगे खेलते हुए भारत को आज शुभमन गिल (30) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद अगले बल्लेबाज विराट कोहली (एक) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। न्यूजीलैंड के स्पिनरों की कसी हुई गेंदबाजी के सामने भारत ने यशस्वी जायसवाल (30), सरफराज खान (11) और ऋषभ पंत (18) भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। आर अश्विन (चार) रन बनाकर आउट हुये।

केरल, असम, तमिलनाडु सब जूनियर नेशनल रोइंग के फाइनल में

एजेंसी

गोरखपुर। केरल ए, आसाम ए, तमिलनाडु व केरल बी ने 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप-2024 में सब जूनियर बालक सिंगल स्कल के सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। दूसरी ओर सब जूनियर बालक कॉक्सलेस फोर्स में महाराष्ट्र की ए व बी टीम के साथ पंजाब व हरियाणा बी ने भी फाइनल के लिए स्थान सुरक्षित किया। रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन द्वारा रामगढ़ ताल में फाइनल मुकाबले शनिवार सुबह से खेले जायेंगे। आज सभी वर्गो के सेमीफाइनल में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमों को फाइनल का टिकट मिल गया जो कल स्वर्ण व रजत व कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। आज अंडर-13 बालक डबल् स्कल् के पहले सेमीफाइनल में ओडिशा ने पहले व महाराष्ट्र बी ने दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में इंट्री की। इसी वर्ग के

दूसरे सेमीफाइनल में हरियाणा पहले व आरएफआई डी ने दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा। सब जूनियर बालक सिंगल स्कल के पहले सेमीफाइनल में केरल ए पहले व आसाम ए दूसरे जबकि दूसरे सेमीफाइनल में तमिलनाडु पहले व केरल बी दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। सब जूनियर बालक कॉक्सलेस फोर्स के पहले सेमीफाइनल में महाराष्ट्र ए पहले व महाराष्ट्र बी दूसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में पहुंचे। इसी वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में पंजाब पहले व हरियाणा बी दूसरे स्थान पर रहा। अंडर-13 बालिका डबल स्कल के पहले सेमीफाइनल में पंजाब पहले व तेलंगाना ए दूसरे जबकि दूसरे सेमीफाइनल में केरल बी पहले व केरल ए दूसरे स्थान पर रहे।

खेल मंत्री आर्य ने राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों का किया निरीक्षण

एजेंसी

रूद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य ने रूद्रपुर स्थित मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों का निरीक्षण किया। वेलोड्रोम साइक्लिंग ट्रैक और बहुउद्देश्यीय क्रीड़ा हॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हो रहा है। राजधानी देहरादून के साथ ही ज़िलों में भी राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया जाएगा। इसी के मद्देनजर प्रदेश सरकार खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों को विकसित करने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य होगा जो सभी 34 खेल अपने ही राज्य में कराएगा। हमें गर्व है कि हम 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेज़बानी कर रहे हैं और प्रदेश में वेलोड्रोम साइक्लिंग ट्रैक बना रहे हैं जो अपने आप में ऐतिहासिक है क्योंकि पूर्व में कई राज्यों को इसके अभाव में वेलोड्रोम साइकिलिंग खेल का आयोजन दूसरे प्रदेशों में कराना पड़ा। खेल मंत्री ने

कार्यदायी संस्था और सभी विभागों को कार्य में तेज़ी लाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने उत्तरांचल ओलंपिक संघ के अधिकारियों से भी बात की और पूरी जानकारी ली। उन्होंने दर्शक दीर्घा के शेड कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर रुद्रपुर के निर्वतमान मेयर रामपाल सिंह, ओलंपिक संघ के महासचिव डीके सिंह, सहायक अभियंता एस.एस भंडारी, ज़िला खेल अधिकारी जानकी कार्की, जिला युवा कल्याण अधिकारी बी.एस रावत, प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन समेत सभी अधिकारी मौजूद रहे।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसी) की सीनियर चयन समिति ने देर रात दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए 15 सदस्यीय और ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। भारत दक्षिण अफ्रीका में चार मैच की टी-20 सीरीज खेलेगा और आठ नवंबर को डरबन में पहला मैच खेला जायेगा। दूसरा मैच 10 नवंबर को गकेबरहा में, तीसरा मुकाबला 13 नवंबर को सेंचुरियन में तथा चौथा मैच 15 नवंबर जोहानिसबर्ग में होगा। इसके बाद भारत ऑस्ट्रेलिया दौरा पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत चार मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगा। कुलदीप यादव, मयंक यादव और शिवम दुबे को चोट के कारण टीम में जगह नहीं

मिली। ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत की टेस्ट टीम इस प्रकार हैः- रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपकर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर। रिजर्व खिलाड़ी के रूप में मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारत की टी-20 टीम इस प्रकार :- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैश्य, अवेश खान और यश दयाल।

डब्ल्यूटीए ग्वांग्झू ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं सिनियाकोवा

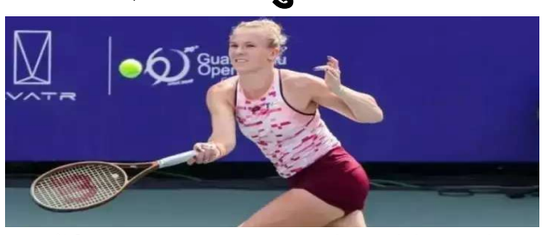

एजेंसी

गुआंगझोउ। चेक गणराज्य की शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा ने यहां डब्ल्यूटीए गुआंगझोउ ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिनियाकोवा ने संयुक्त राज्य अमेरिका की पेरा बर्नार्डा को सीधे सेटों में हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। पहले सेट के तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बावजूद, सिनियाकोवा ने एक घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले में बर्नार्डा को 6-4, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अन्य तीन एकल क्वार्टर फाइनल में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी ने चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग शियायू को 6-4, 6-1 से हराया, सर्बिया की ओल्गा डैनिलोविच ने थाईलैंड की मनंचया सावांगकाव को 6-4, 6-4 से हराया और संयुक्त राज्य अमेरिका की कैरोलिन डोलेहाइड ने स्पेन की बुजास मानेरो को 6-4, 4-6, 6-0 से हराया।

अफगानिस्तान ए, भारत ए को हराकर इमर्जिंग एशिया कप के फाइनल में

एजेंसी

अल अमीरात। सेदिकुल्लाह अटल (83) और जुबैद अकबरी (64) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत अफगानिस्तान ए ने इमर्जिंग एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम को 20 रन से हराकर फाइनल में पहुंच गई है। 207 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर में भारत का पहला विकेट अभिषेक शर्मा (तीन) गिरा। इसके बाद तेज रन बनाने के प्रयास में अंतराल पर विकेट गिरते रहे। एक समय 12.4 ओवर में भारत के 100 के स्कोर पर पांच विकेट गिर चुके थे। कप्तान तिलक वर्मा (14), आयुष बदोनी (31) और नेहाल वढेरा (20) पर आउट हुये। इसके बाद रमनदीप सिंह और निशांत सिंधु ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों

बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट लिये 68 रनों की साझेदारी हुई। 18वें ओवर में निशांत सिंधु दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से (23)पर रनआउट हुये। रमनदीप सिंह ने 34 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (64) रन बनाये। अंशुल काम्?बोज दो रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ए टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 186 रन ही बना सकी और 20 रन से मुकाबला हार गई। अफगानिस्तान ए की ओर से अब्दुल रहमान और ए एम गजनफर ने दो-दो विकेट लिये। शराफउद्दीन अशरफ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां अफगानिस्तान ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ए ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 206 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सेदिकुल्लाह अटल ने 52 गेंदों में सात चौके और चार छक्कों की मदद से (83) रनों की तूफानी पारी खेली। जुबैद अकबरी ने 41 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से (64) रन बनाये। करीम जनत 20 गेंदों में (41) रन बनाकर आउट हुये। मोहम्मद इशाक 12 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से रसिख सलाम ने तीन विकेट लिये। आकिब खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

बेंगलुरु बुल्स की लगातार चौथी हार, पुणेरी पलटन ने 36-22 से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। पूर्व चैंपियन बेंगलुरु बुल्स को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 16वें मैच में बुल्स को 36-22 से हराया। पलटन के लिए पंकज मोहिते और मोहित गोयत ने छह-छह अंक अपने नाम किए जबकि कप्तान असलम इनामदार ने पांच और गौरव खत्री तथा अमन ने चार-चार अंक बटोरे। बेंगलुरु के लिए पंकज ही अकेले छह अंक ले पाए।

मौजूदा चैंपियन पुणेरी पलटन की चार मैचों में यह तीसरी जीत है और अब टीम के 16 अंक हो गए हैं तथा वो टॉप पर कायम है। वहीं, बेंगलुरु बुल्स को अभी भी इस सीजन में अपनी पहली जीत की तलाश है। टीम को लगातार चौथा हार

झेलनी पड़ी है। लगातार तीन हार के बाद इस मैच में उतरी बेंगलुरु बुल्स के लिए शुरुआत में ही डूबकी किंग परदीप नरवाल टैकल कर लिए गए और पुणेरी ने बेहतरीन शुरुआत की। पलटन की ओर मैच का पहला सुपर रेड मोहित गोयत की ओर से तीसरे ही मिनट में आ गया। असलम इनामदार की टीम ने फिर अगले ही मिनट में बेंगलुरु बुल्स को ऑलआउट करके शुरुआती पांच मिनटों में ही स्कोर 10-1 तक पहुंचा दिया। मोहित और असलम की बदौलत पुणेरी ने पहले 10 मिनट में खेल में ही 10 प्वॉइंट की लीड कायम कर ली। लेकिन सुरेंद्र नांदल ने पंकज मोहिते को सुपर टैकल करके अपनी टीम दो अंक दिला दिए। बुल्स ने अगले मिनट में भी सुपर टैकल मैच में वापसी करने की कोशिश की। इसके बाद भी पलटन की टीम 16-7 से आगे थी। 17वें मिनट में कप्तान असलम खुद डू ऑर डाई में आए और उन्होंने एक अंक और जुटा लिए। पहले हाफ के अंतिम मिनटों में बेंगलुरु ऑलआउट की कगार पर थी, लेकिन सुशील ने इस बार टीम को बचा लिया। बुल्स ने इसके बाद एक और सुपर टैकल करके दो अंक हासिल कर लिए। पुणेरी ने इसके बावजूद पहले हाफ तक खुद को 18-11 से आगे कर लिया। दूसरे हाफ में बेंगलुरु ने परदीप नरवाल को सबस्टिट्यूट करके उन्हें मैट से बाहर ही रखा।

सऊद शकील की शतकीय पारी से पाकिस्तान ने बनाई मैच पर पकड़

रावपिंडी। सऊद शकील (134), साजिद खान (48) और नोमान अली (45) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान ने तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 344 के स्कोर के साथ ही इंग्लैंड के दूसरी पारी में 24 के स्कोर पर तीन विकेट झटकर मैच पर अपना पकड़ बना ली है। पाकिस्तान ने आज कल के तीन विकेट पर 73 रन से आगे खेलना शुरु किया। शोएब बशीर ने कप्तान शान मसूद (26) को आउट कर इंग्लैंड को दिन की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद मोहम्मद रिजवान (25) को रेहान अहमद ने पवेलियन भेज दिया। आगा सलमान (एक),आमेर जमाल (14) को भी रेहान ने अपना शिकार बनाया। ऐसे संकट के समय नोमान अली (45) ने सऊद शकील के साथ आठवें विकेट के लिये 88 रनों की साझेदारी कर पाकिस्तान को संकट से उबारने का काम किया। नोमान अली को शोएब बशीर ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये साजिद खान भी पिच पर जमे रहे। गस ऐटकिंसन ने सऊद शकील (134) को आउट किया। साजिद खान (48) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने 344 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर 77 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड शुरुआत बेहद खराब रही और उसने एक के बाद एक 24 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। पांचवें ओवर में बेन डकेट (12), छठें ओवर में ज़ैक क्रॉली (दो) और आठवें ओवर में ऑली पोप (एक) रन बनाकर आउट हुये। दिन का खेल समाप्त होने के समय जो रूट (पांच) और हैरी ब्रूक (तीन) रन बनाकर क्रीज पर थे।

पाकिस्तान की ओर से नोमान अली ने दो और साजिद खान ने एक विकेट लिया।

कल इंग्लैंड को ऑलआउट करने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। 10वें ओवर में शोएब बशीर ने अब्दुल्लाह शफीक (14) को आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। इसके बाद 13वें ओवर में जैक लीच ने सईम अयूब (19) को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। इसके बाद कामरान गुलाम (तीन) को गस ऐटकिंसन ने बोल्ड आउट कर पाकिस्तान को 46 के स्कोर पर तीसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 73 रन बना लिये थे और शान मसूद (नाबाद 16) और साउद शकील (16) क्रीज पर मौजूद थे। पाकिस्तान पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड से 194 रन पीछे है। आज यहां इससे पहले साजिद खान (छह विकेट) और नोमान अली (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने इंग्लैंड को पहली पारी को 267 के स्कोर पर समेट दिया है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की जैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 56 रन जोड़े। पाकिस्तान ने इस दौरान पहली नया प्रयोग करते हुए स्पिनरों को शुरुआती गेंदबाजी का अवसर दिया। जिसे उन्होंने सही साबित किया। नोमान अली ने जैक क्रॉली (29) को आउट कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद साजिद खान ने कहर ढहाते हुए इंग्लैंड के तीन बल्लेबाजों को सस्ते में निपटा दिया। ऑली पोप (तीन), जो रूट (पांच) और हैरी ब्रूक साजिद खान का शिकार बने। बेन डकेट (52) को नोमान अली ने आउट किया। बेन स्टोक्स (12) गस ऐटकिंसन (39), रेहान अहमद (नौ), जैक लीच (16) रन बनाकर आउट हुये।

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप चैलेंज लीग बी के लिए युगांडा की टीम में शामिल हुए 44 वर्षीय नसुबुगा

एजेंसी

कंपाला। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट विश्व कप चैलेंज बी के लिए 44 वर्षीय फ्रैंक नसुबुगा को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। युगांडा 4-16 नवंबर, 2024 के बीच कंपाला और एंटेबे शहरों में विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मुख्य कोच अभय शर्मा और एसोसिएशन चयन समिति द्वारा चुनी गई टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और पूर्व राष्ट्रीय अंडर-19 कप्तान पास्कल मुरुंगी सहित युवा प्रतिभाओं का मिश्रण है। कोच शर्मा ने एक नए कप्तान अली शाह को भी नियुक्त किया, जो एक गतिशील ऑलराउंडर हैं और ब्रायन मसाबा की जगह लेंगे। नए कप्तान अली ने कहा, यह मेरे लिए कोई चुनौतीपूर्ण काम नहीं होने वाला है। इस टीम में हर कोई अपनी भूमिका जानता है और उसे निभाने का प्रयास करता है।

रिया चक्रवर्ती

को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, बरकरार रखा HC का फैसला

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. सीबीआई की तरफ से जारी लुक आउट सर्कुलर रद्द की रहेगा. सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए महाराष्ट्र सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है.रिया चक्रवर्ती के साथ ही उनके पिता और भाई को भी राहत मिली है. दरअसल रिया की याचिका पर फरवरी में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई के लुक आउट सर्कुलर को रद्द कर दिया था. हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी. अब सुप्रीम कोर्ट ने HC के फैसले को बरकरार रखा है.

रिया चक्रवर्ती को सुप्रीम कोर्ट से राहत

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में साल 2020 में सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती उनके भाई और पिता पर लुक आउट सर्कुलर जारी किया था. इसे बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि इसे जारी करने के पीछे कोई खास वजह नहीं है. साथ ही यह भी कहा गया था कि एक्ट्रेस और उनके परिवार ने जांच एजेंसियों के साथ पूरा-पूरा सहयोग किया है.

दरअसल 14 जून 2020 को अपने बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में सुशांत सिंह राजपूत मृत पाए गए थे. मुंबई में रिपोर्ट रजिस्टर कर जांच शुरू की गई थी. लेकिन सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने बिहार में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके बाद रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार पर कई आरोप लगाए गए. इस मामले को बाद में सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया था. साल 2020 में ही सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था. जिसके बाद एक्ट्रेस ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जहां सीबीआई के लुक आउट सर्कुलर को रद्द कर दिया था. HC के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी. अब महाराष्ट्र की अपील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है.सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है. फिल्मों में काम मिलना भी बंद हो गया था. हालांकि अब उनका करियर ट्रैक पर लौट रहा है. इस वक्त वो रियलिटी शो Roadies में नजर आ रही हैं.

अबे बाप हूं तेरा- राशन टास्क के बीच फिर छिड़ गई करण वीर और अविनाश के बीच जंग

Bigg Boss 18 में अब धीरे-धीरे नए-नए पड़ाव आ रहे हैं. कंटेस्टेंट्स के बीच जमकर झगड़े भी देखने को मिल रहे हैं. लेकिन दर्शकों का ध्यान विवियन डीसेना, रजत दलाल, करण वीर मेहरा और अविनाश मिश्रा पर टिका हुआ है. 24 अक्टूबर के एपिसोड में, अविनाश मिश्रा और अरफीन खान ने सभी कंटेस्टेंट्स को घर में उनके योगदान के आधार पर रैंकिंग दी. रजत दलाल को नंबर 1 रखा गया और विवियन डीसेना को दूसरे नंबर पर जगह दी गई.बिग बॉस ने राशन टास्क रखा, जहां सारी पावर अविनाश और अरफीन के हाथों में सौंपी गई. कंटेस्टेंट्स को राशन तभी मिलेगा, जब वो अपनी बेहद खास चीज का त्याग करेंगे. अविनाश और अरफीन जिस भी कंटेस्टेंट के त्याग से खुश होंगे, वो उसे राशन दे सकते हैं. राशन टास्क के दौरान करण वीर मेहरा और अविनाश मिश्रा के बीच झगड़ा देखने को मिला.

अविनाश पर फूटा करण वीर का गुस्सा

दरअसल शिल्पा अपनी बेटी और पति की तस्वीर का त्याग करती हैं और बदले में करण वीर के लिए चिकन, विवियन के लिए कॉफी और बाकी खाने की चीजें अविनाश और अरफीन से मांगती हैं. लेकिन अविनाश साफ-साफ शिल्पा को राशन देने से इनकार कर देते हैं. अविनाश के फैसले के तुरंत बाद करण वीर काफी गुस्से में आ जाते हैं. दोनों के बीच झगड़ा बढ़ता है और अविनाश उन्हें चुप रहने को कहते हैं.

अबे बाप हूं अच्छे से बात कर ङ्क करण वीर मेहरा

अविनाश के शट अप कहते ही करण वीर मेहरा पलटवार में कहते हैं, अबे बाप हूं अच्छे से बात कर, रायपुर याद आ रहा है. वहीं दोनों का झगड़ा पूरे राशन टास्क के दौरान देखने को मिलता है. दोनों के बीच बहस का सिलसिला खत्म नहीं होता है. बिग बॉस के दिए गए राशन टास्क के जरिए कई कंटेस्टेंट्स की आंखें नम हो जाती हैं. बिग बॉस के घर में कंटेस्टेंट्स रोजाना नई-नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं.

जिस चीज से जैकी श्रॉफ को था खास लगाव, जानवरों के लिए एक झटके में कर दिया उसे कुर्बान

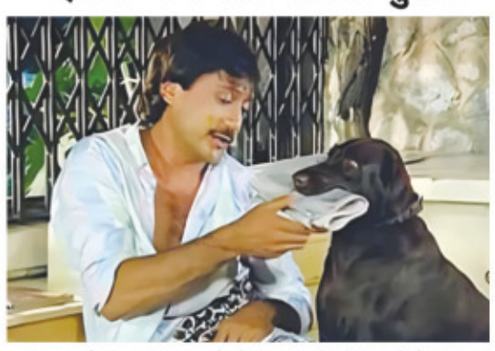

67 साल के दिग्गज एक्टर जैकी श्रॉफ अभी भी फिल्मों में लगातार एक्टिव हैं. दिवाली पर जैकी श्रॉफ इस साल की बड़ी फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आने वाले हैं. सिर्फ हीरो बनकर ही नहीं बल्कि विलेन बनकर भी जग्गू दादा ने सभी का दिल जीता है. अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' में जैकी विलेन के रोल में ही नजर आने वाले हैं. एक्टर अपनी निजी जिंदगी के बारे में कम ही बात करते हैं, लेकिन उन्हें जानवरों से इस कदर प्यार है कि उन्होंने अपनी सबसे चहेती वैन दान तक कर दी थी.39 साल पहले जैकी श्रॉफ की फिल्म 'तेरी मेहरबानियां' रिलीज हुई थी. इस फिल्म में एक कुत्ते का अहम किरदार था, जिसका नाम मोती था. फिल्म की शूटिंग के दौरान जग्गू दादा को मोती से बेहद लगाव हो गया था. उन दिनों शूटिंग के दौरान एक्टर अपनी पसंदीदा वैन में ही आराम करते थे. उस वैन से उन्हें इतना प्यार था कि जल्दी वो किसी को उसमें घुसने भी नहीं देते थे. लेकिन मोती से लगाव के बाद वो उसे

वैन में आराम करने देते थे. उनके और मोती के अलावा उस वैन में किसी और को जाने की इजाजत नहीं थी.

जब जग्गू दादा ने जानवरों के लिए दे दी अपनी वैन

उस वैन के साथ जैकी श्रॉफ का इमोशनल कनेक्शन भी हो गया था. वो हमेशा शूटिंग के दौरान उसी वैन का इस्तेमाल करते थे. एक्टर को उस वैन से बेहद प्यार था वो उसकी काफी केयर भी करते थे, लेकिन आयशा जुल्का ने जग्गू दादा से वो वैन जानवरों की मदद के लिए मांग ली थी और उन्होंने उसे दे भी दिया था. खुद आयशा जुल्का ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें जैकी श्रॉफ की वैन जानवरों की एंबुलेंस बनाने के लिए चाहिए थी. वो ये बात भी जानती थीं कि दादा अपनी वैन से कितना प्यार करते हैं.

आयशा जुल्का ने किया था खुलासा

आयशा की मानें तो जब उन्होंने दादा से जानवरों के लिए वैन मांगी, तो उन्होंने बिना संकोच किए उसे दे दिया. एक्ट्रेस को लोनावाला में एक एनिमल एम्बुलेंस शुरू करनी थी. हालांकि ऐसा पहली बार नहीं था जब जग्गू दादा ने किसी की मदद की हो. एक्टर जब तीन बत्ती एरिया में रहा करते थे, तो अक्सर लोग उनसे मदद मांगने आया करते थे. एक्टर बनने से पहले जैकी श्रॉफ लोकल गुंडे हुआ करते थे.

दिन अच्छे और खराब होते हैं- गुस्से वाले वीडियो पर अब

काजोल देवगन

ने तोड़ी चुप्पी

काजोल को हमेशा हंसते-खिलखिलाते हुए देखा जाता है. एक्ट्रेस जब भी रियलिटी शो या चैट शो का हिस्सा बनती हैं, तो उन्हें अक्सर मस्ती-मजाक करते हुए पाया जाता है. लेकिन दुर्गा पूजा के दौरान काजोल को काफी गुस्से में भी देखा गया. एक्ट्रेस के गुस्से वाले वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में रहे थे. लोगों ने काजोल को उनके गुस्से के लिए काफी ट्रोल भी किया. अब कई दिन गुजर जाने के बाद काजोल का उस वायरल वीडियो पर रिएक्शन सामने आया है.हाल ही में काजोल ने जूम को इंटरव्यू दिया, इसी दौरान उन्होंने अपने गुस्से पर खुलकर बात की. काजोल से उनके पैपराजी के साथ वायरल हुए गुस्से वाले वीडियो को लेकर सवाल किया गया. ऐसे में काजोल ने कहा कि अक्सर लोग सोशल मीडिया पर वही पोस्ट करते हैं, जिसमें वो परफेक्ट दिखें. लेकिन रियल लाइफ इमेज कुछ और होती है. एक्ट्रेस की मानें तो वो सोशल मीडिया पर बिल्कुल रियल हैं.

मुझे गुस्सा आता है - काजोल

काजोल ने अपनी बातों में ये भी कहा कि एक सेलिब्रेटी को सोशल मीडिया पर कैसा दिखना चाहिए वो इसका प्रेशर नहीं लेती हैं और खुद को बार-बार एडिट नहीं करती हैं. गुस्से वाली बात को मानते हुए काजोल ने कहा, मुझे गुस्सा आता है. मेरे भी अच्छे और खराब दिन होते हैं. ये रियल मैं हूं. मुझे नहीं लगता कि दूसरों के ये सोचने पर कि ये तो एक सेलिब्रेटी है और इसे गुस्सा नहीं करना चाहिए, मैं खुद एडिट करने बैठूंगी.

पैपराजी पर भड़कीं थी काजोल

पूरे मामले की अगर बात करें, तो काजोल को दुर्गा पंडाल में पैपराजी पर गुस्सा करते हुए देखा गया था. एक्ट्रेस जुते पहनकर आने वाले पैपराजी पर भड़कती हुई नजर आ रही थीं. उन्होंने जूते पहनकर आने वाले लोगों को पंडाल से पीछे हटने को कहा था. उनके उस वायरल वीडियो पर लोगों ने उनके गुस्से को जया बच्चन के गुस्से के साथ कंपेयर कर दिया था.